राजस्थान पत्रिका

पीवी सिंधु पहले ही दौर में बाहर, प्रियांशु का जीत से आगाज
@स्पोर्ट्स & गेमिंग

कांगेर घाटीः अब ग्लास ब्रिज के सहारे दिखेगा तीरथगढ़ का नजारा
@छत्तीसगढ़

ब्रिटेन में चुनावों से पहले आप्रवासन क्यों बना मुद्दा?
@इंडिया & वर्ल्ड

मंशा का प्रत्युत्तर

गुलाब कोठारी

अठारहवीं लोकसभा चुनावों के परिणाम आ गए। कई बड़े तथ्य स्पष्ट हुए। जनता ने जिस भाजपा को सत्ता सौंपी थी, वह बदलती हुई जान पड़ी। जनता ने भाजपा के शब्दों को नहीं सुना, कार्यों को भी नजरअंदाज कर दिया। भाजपा की मंशा पर वोट की चोट मारी। यह भी स्पष्ट है कि आज भी देश में उसे भाजपा का विकल्प नजर नहीं आया। देखना यह है कि अगले पांच साल में भाजपा पुनः अपने स्वरूप में आ सकती है अथवा विपक्ष मजबूत होता है। भाजपा ने भी सत्ता के केन्द्रीकरण की मंशा दिखाई। दोनों ही बड़े कदम भाजपा को भारी पड़ गए। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के परिणामों के बाद प्रथम सम्बोधन में इन दोनों बातों का उल्लेख नहीं था। उनको यह अहसास नहीं था कि जनता ने भाजपा को हार पहनाकर भी हारने से बचाया ही है। भाजपा को जीत का गर्व नहीं हो जाना चाहिए। आगे कोई अवसर नहीं मिलेगा।

सत्ता के केन्द्रीकरण का रास्ता स्व. इन्दिरा गांधी ने अपनाया था। आज तक कांग्रेस उसी की कीमत चुका रही है। कोई नेता पैदा ही नहीं हुआ। इतिहास बेचकर पेट भर रही है। भाजपा पिछले कुछ वर्षों से उसी पटरी पर चढ़ती दिखाई पड़ रही है। उसका आधार भी छोटा होने लगा है। विकास के जितने दावे भाजपा ने किए, नई पीढ़ी ने स्वीकार नहीं किए। भाजपा को बाहरी फैलाव के स्थान पर आत्मिक धरातल पर पुनः चिन्तन करना चाहिए। देश को दोनों पक्षों की आवश्यकता है। समय सदा एक जैसा नहीं रहता। मंशा ही समय की काल-अवधि तय करती है।

भाजपा ने राजस्थान में वसुन्धरा राजे को किनारे किया क्योंकि वह शक्तिशाली नेत्री के रूप में उभर रही थी। यह अलग बात है कि इन चुनावों में उन्होंने अपनी लाइन छोटी कर ली। भाजपा ने मध्यप्रदेश में लोकप्रिय नेता शिवराज सिंह को किनारे लगाने का प्रयास किया। उनके बिना विधानसभा चुनाव जीत पाना सहज नहीं था। इन चुनावों में तो प्रचार कर उन्होंने लम्बी लाइन खींच दी। यहां तक कि वाराणसी की रेखा छोटी पड़ गई। इन परिणामों में गहरे संदेश और मतदाता की परिपक्वता छिपी है।

इसी होशियारी के चलते भाजपा ने इस बार उत्तरप्रदेश के परिणाम प्रत्यक्ष किए हैं। पूरे चुनाव में यह चर्चा थी कि चुनाव के बाद योगी आदित्यनाथ को भी किनारे कर दिया जाएगा। प्रचार में से उनके नाम की चर्चा, उनके चित्र नदारद थे। बल्कि ऐसा लग रहा था कि भाजपा ने भी अपने दल का प्रचार न करके 'मोदी' नाम पर वोट मांगे थे। स्वयं मोदी तो यह कह ही रहे थे कि 'मोदी की गारंटी' को वोट देना है। अन्य प्रान्तीय दलों की तर्ज पर भाजपा भी संस्थावाचक के स्थान पर व्यक्तिवाचक हो गई।
शेष@पेज02

gulabkothari@epatrika.com

लोकसभा भंग : एनडीए ने मोदी को चुना नेता, आठ को नई सरकार के शपथ की संभावना

मोदी 3.0 पर ब्रेक लगा सकती है 'बैसाखी'

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के अगले दिन बुधवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने केंद्रीय मंत्रिमंडल की सिफारिश पर सत्रहवीं लोकसभा भंग कर दी। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति से मुलाकात की और उन्हें अपना व अपने मंत्रिमंडल का इस्तीफा सौंप दिया। राष्ट्रपति ने मोदी को नई सरकार के गठन तक कार्यभार संभालने का अनुरोध किया है। इसी के साथ नई सरकार बनाने की कवायद भी तेज हो गई है। एनडीए के 15 घटक दलों ने बुधवार को प्रधानमंत्री आवास पर बैठक कर मोदी को गठबंधन का नेता चुना और उनके नेतृत्व में एनडीए सरकार को समर्थन का पत्र सौंपा। अब सात जून को भाजपा और एनडीए के नवनिर्वाचित सांसदों की बैठक में मोदी को एनडीए संसदीय दल का नेता चुना जाएगा और उसी शाम राष्ट्रपति से मिलकर सरकार के गठन का दावा किया जाएगा। मोदी आठ जून की शाम को शपथ ले सकते हैं।

दूसरी ओर, इंडिया समूह के दलों ने भी कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के निवास पर बैठक कर आगे की रणनीति पर विचार किया। खरगे ने कहा, इंडिया समूह अभी सरकार बनाने की कोशिश नहीं करेगा।

इस बार भाजपा के बहुमत से 32 सीट दूर रह जाने के कारण संभावित नई एनडीए सरकार में शामिल होने वाले प्रमुख दलों ने दबाव की राजनीति शुरू कर दी है। सूत्रों के अनुसार, नीतीश और चंद्रबाबू ने मंत्रालयों और स्पीकर के लिए बात आगे बढ़ाई है। आंध्र और बिहार को विशेष दर्जा देने की मांग तो पहले से ही है। कहा जा रहा है कि नीतीश ने ग्रामीण विकास, जलशक्ति व रेल मंत्रालय मांगा है।

सत्रहवीं लोकसभा का कार्यकाल 16 जून को समाप्त हो रहा है। अठारहवीं लोकसभा के चुनाव एक जून को संपन्न हुए थे और चार जून को हुई मतगणना में एनडीए को सरकार बनाने का जनादेश मिला है।

नई पारी के लिए तैयार...

एनडीए की बैठक में हिस्सा लेने पहुंचे चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार पीएम नरेंद्र मोदी का अभिवादन करते हुए।

भाजपा के एजेंडे में आड़े आएंगे घटक दल

नवनीत मिश्र
patrika.com

नई दिल्ली. भाजपा के बहुमत से चूक जाने के बाद पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को केंद्र में गठबंधन की बैसाखी पर सरकार चलाने के लिए मजबूर होना है। सहयोगियों पर निर्भरता के कारण तीसरे कार्यकाल में उन्हें कुछ बड़े संभावित फैसलों पर गतिरोध का सामना करना पड़ सकता है। बड़े आर्थिक सुधारों के लिए भी आम सहमति कायम करने में पापड़ बेलने पड़ेंगे। टीडीपी, जदयू आदि दल वाजपेयी सरकार की तरह न्यूनतम साझा कार्यक्रम बनाने पर जोर दे सकते हैं। पत्रिका ने नई सरकार की रफ्तार पर ब्रेक लगाने वाले ऐसे ही कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों की पड़ताल की है।
शेष@पेज 04

1. समान नागरिक संहिता

मोदी 3.0 में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने के संकेत भाजपा पहले ही दे चुकी है। चंद्रबाबू नायडू कह चुके हैं कि वह ऐसा कोई फैसला नहीं करेंगे, जो मुस्लिम हितों के खिलाफ हो। नीतीश कह चुके हैं, बिहार में यूसीसी लागू नहीं होने देंगे।

2. विशेष राज्य का दर्जा

आंध्र प्रदेश और बिहार दोनों राज्य लंबे समय से विशेष राज्य का दर्जा मांग रहे हैं। नायडू ने 2018 में इसी मुद्दे पर एनडीए छोड़ा था। मोदी सरकार स्पष्ट कर चुकी है कि विशेष आर्थिक पैकेज दे सकती है, लेकिन विशेष श्रेणी का दर्जा नहीं।

3. एक देश-एक चुनाव

भाजपा की तैयारी 2029 से पहले एक देश-एक चुनाव को धरातल पर उतारने की है। अब इस मुद्दे पर सहमति के लिए बहुत पापड़ बेलने पड़ेंगे। टीडीपी इसे अव्यवहारिक बता चुकी है। 2018 में लॉ कमीशन के सामने भी विरोध कर चुकी है।

4. परिसीमन होगी चुनौती

अगले चुनाव से पहले लोकसभा सीटों का परिसीमन होना है। कर्नाटक, आंध्र प्रदेश आदि राज्यों में सीटें घट सकती हैं। ऐसे में चंद्रबाबू नायडू और जेडीएस को मनाने की चुनौती होगी।

5. महिला आरक्षण

मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में पास हुए महिला आरक्षण बिल को तीसरे कार्यकाल में लागू करने की तैयारी कर रही। लेकिन, इसे लागू करने के लिए सहमति बनानी होगी।

इंडिया समूह की बैठक : भाजपा शासन हटाने के लिए उचित समय पर उठाएंगे कदम

हम नहीं करेंगे सरकार बनाने की कोशिश: खरगे

नई दिल्ली@पत्रिका ब्यूरो. इंडिया गठबंधन ने एनडीए के स्पष्ट बहुमत के चलते फिलहाल सरकार बनाने की कोशिश करने का इरादा छोड़ दिया है। साथ ही निर्णय लिया है कि भाजपा को शासन करने से रोकने के लिए उचित समय पर उचित कदम उठाए जाएंगे।

इंडिया समूह की बैठक में राहुल के साथ स्टालिन और अखिलेश व अन्य।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अपने आवास पर दो घंटे चली बैठक में कहा कि हम संदेश देते हैं कि इंडिया गठबंधन उन सभी राजनीतिक दलों का स्वागत करता है जो भारत के संविधान की प्रस्तावना में अटूट विश्वास रखते है। भारत के आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक न्याय के उद्देश्यों से प्रतिबद्ध है। खरगे ने कहा कि गठबंधन एक साथ, तालमेल और पूरी ताकत से लड़ा है, जिसका नतीजा सबके सामने है। खरगे ने कहा कि जनमत सीधे तौर से प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ है। चुनाव उनके नाम और चेहरे पर लड़ा गया था और जनता ने भाजपा को बहुमत नहीं देकर उनके नेतृत्व के प्रति साफ संदेश दिया है।
शेष@पेज04

संयोग या कुछ और ! एक फ्लाइट से दिल्ली पहुंचे नीतीश-तेजस्वी, एयरपोर्ट पर मिले नायडू-स्टालिन

नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव बुधवार को एक ही फ्लाइट में पटना से दिल्ली पहुंचे। फोटो वायरल हुए तो दोनों ने संयोग बताया, लेकिन तेजस्वी बोले-धैर्य रखें और देखें कि आगे क्या होता है।

दिल्ली एयरपोर्ट पर मिले चंद्रबाबू नायडू को जीत की बधाई देते एमके स्टालिन।

पढ़ें
मोदी की कल्याणकारी नीतियों से देश बढ़ा आगे
@ पेज 02

उत्तराखंड : खराब मौसम से रेस्क्यू में मुश्किलें

सहस्त्रताल में फंसे 22 ट्रैकर्स में से 9 की मौत, 10 को निकाला

ट्रैकिंग दल के सदस्यों को निकालने के लिए जाती एसडीआरएफ टीम।

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

देहरादून. उत्तराखंड में टिहरी और उत्तरकाशी जिले की सीमा पर सहस्त्रताल ट्रैक में फंसे 22 सदस्यीय ट्रैकिंग दल के नौ ट्रैकर्स की सर्दी से मौत हो गई। हेलिकॉप्टर से 10 ट्रैकर्स को निकाल लिया गया है। इनमें सात की हालत गंभीर है। एसडीआरएफ, उत्तराखंड पुलिस और वन विभाग की टीमें बाकी तीन ट्रैकर्स के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी हैं।
शेष@पेज04

द्रौपदी का डांडा के दो वर्ष बाद बड़ा हादसा

उत्तराखंड के द्रौपदी का डांडा में 2022 के हिमस्खलन हादसे के बाद यह दूसरा बड़ा हादसा है। उस हादसे में 28 पर्वतारोहियों की हिमस्खलन की चपेट में आने से मौत हो गई थी। एक अब तक लापता है। सहस्त्रताल की ट्रैकिंग के लिए दल 29 मई को निकला था। यह दो जून को सहस्त्रताल के कोखली टॉप बेस कैंप पहुंचा। तीन जून को आगे बढ़ने पर घने कोहरे और बर्फबारी में फंस गया।

रौनक लौटी

सदमे से बाहर आया शेयर बाजार, सेंसेक्स 2303 अंक उछला

मुंबई@पत्रिका. लोकसभा चुनाव के नतीजों के दौरान मंगलवार को धराशायी हुए शेयर बाजार ने बुधवार को अच्छी रिकवरी की। सेंसेक्स 3.2% यानी 2303 अंक की बढ़त के साथ 74,382 पर बंद हुआ। निफ्टी 736 अंक चढ़कर 22,620 पर बंद हुआ। मंगलवार को अदाणी समूह की कंपनियों के साथ रिलायंस इंडस्ट्रीज व तमाम सरकारी कंपनियों के शेयर में बड़ी गिरावट आई थी, जो बुधवार को शानदार तेजी में बंद हुए। रिलायंस 1.6% तो अदाणी की कंपनियों के शेयर 11% तक चढ़ गए।

दिलचस्प: 1.73% मतों के अंतर से कांग्रेस को दोगुनी सीट, आधा फीसदी से कम पर एलजेपी को 5 सीटें

0.7% कम वोट से फिसली भाजपा की 63 सीट

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. लोकसभा चुनाव में भाजपा को अकेले दम पर बहुमत नहीं मिलने में वोट शेयर के आंकड़े दिलचस्प कहानी कहते हैं। चुनाव मतगणना के अंतिम आंकड़ों से पता चला कि मात्र 0.7% पॉपुलर वोट शेयर कम होने के कारण भाजपा की 63 सीटें कम हो गई और वह 272 के जादुई आंकड़े से दूर हो गई। पिछले चुनाव में भाजपा ने 2014 का 282 सीटों का प्रदर्शन सुधारते हुए 303 सीटें जीती थीं। इस बार वह 240 सीटें लेकर बहुमत से 42 सीटें दूर रही। दूसरी ओर कांग्रेस को सिर्फ 1.7% वोट शेयर बढ़ने से 2019 के मुकाबले करीब दोगुनी 99 सीटें मिलीं। पॉपुलर वोट शेयर जनता से मिला सीधा वोट है, लेकिन सीटों की संख्या खास क्षेत्र में मुकाबले की प्रकृति पर निर्भर करता है। इसी फार्मूले से बिहार में मात्र 0.44% वोट शेयर लेकर चिराग पासवान की एलजेपी-आरवी को 5 सीटें मिलीं, लेकिन बसपा 2.04% वोट लेकर एक भी सीट नहीं जीत सकी।

	लोकसभा चुनाव 2019		लोकसभा चुनाव 2024		
चुनाव 2019	वोट शेयर	सीटें	वोट शेयर	सीटें	अंतर
भाजपा	37.30%	303	36.56%	240	-0.7% (63 सीटें कम)
कांग्रेस	19.46%	52	21.19%	99	-1.73% (47 सीटें ज्यादा)

इस बार अन्य प्रमुख दलों का वोट शेयर

■ सपा-4.58, ■ टीएमसी- 4.37, ■ डीएमके-1.82, ■ जेडीयू-1.25, ■ टीडीपी-1.98, ■ शिवसेना-उद्धव-1.48, ■ शिवसेना-शिंदे-1.15, ■ आप-1.11, ■ एनसीपी-शरद-0.92, ■ एलजेपी-आरवी-0.44 (वोट शेयर फीसदी में)

कांग्रेस ने प्रदर्शन में किया सुधार

भाजपा से आमने-सामने सीधे मुकाबले में कांग्रेस ने 2014 व 2019 की तुलना में 2024 के लोकसभा चुनाव में अपना प्रदर्शन काफी बेहतर किया है।
शेष @पेज04

चुनाव में कुल सीटों पर

	सीधा मुकाबला	भाजपा	कांग्रेस
2009	173	80	93
2014	189	166	23
2019	190	175	15
2024	215	153	62

चुनाव अपडेट

सात बड़ी पार्टियों का सफाया

- कभी राज्यों में सरकार चलाने वाले प्रमुख दलों का इस लोकसभा चुनाव में सफाया हो गया। इनमें बसपा (उत्तर प्रदेश), बीआरएस (तेलंगाना), बीजद (ओडिशा), इनेलो (हरियाणा), नेशनल कॉन्फ्रेंस व पीडीपी (जम्मू-कश्मीर) तथा अन्नाद्रमुक (तमिलनाडु) शामिल हैं। इन पार्टियों ने लोकसभा चुनाव में एक भी सीट नहीं जीतीं।
- रायबरेली से कांग्रेस नेता राहुल गांधी से चुनाव हारे राज्य के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने बुधवार को कहा कि वे आने वाले एक साल में क्षेत्र की जनता का कोई काम नहीं करेंगे। इसके लिए वे राहुल गांधी के पास जाएं।
- कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने बहरामपुर से चुनाव हारने के बाद कहा कि उन्हें उनका राजनीतिक भविष्य नहीं पता। लगातार पांच बार सांसद रहे चौधरी इस बार टीएमसी के यूसुफ पठान से चुनाव हारे।

ट्रेंडिंग न्यूज

दिल्ली

अस्पताल में आग से अफरा-तफरी

नई दिल्ली@पत्रिका. दिल्ली के लाजपत नगर इलाके में आंखों के एक अस्पताल में बुधवार को आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। दमकल की 16 गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। आग कैसे लगी, फिलहाल पता नहीं चला है।

राउज एवेन्यू कोर्ट

केजरीवाल को अंतरिम जमानत नहीं

नई दिल्ली@पत्रिका. दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने बुधवार को अरविंद केजरीवाल की अंतरिम जमानत याचिका खारिज कर दी। तिहाड़ जेल में बंद केजरीवाल ने चिकित्सा कारणों का हवाला देते हुए सात दिन की जमानत मांगी थी। उनकी न्यायिक हिरासत 19 जून तक बढ़ा दी गई।

महाराष्ट्र

घोटाले के आरोपी की संपत्तियां जब्त

मुंबई@पत्रिका. ईडी ने करोड़ों के निवेश घोटाले के आरोपी कारोबारी समीर जोशी की कंपनी के कई ठिकानों पर छापे मारकर 38.33 करोड़ रुपए की संपत्तियां जब्त कर लीं। जोशी पर पांच हजार से ज्यादा निवेशकों से करोड़ों रुपए ठगने का आरोप है।

अंतरिक्ष का सफर | अलग-अलग मिशन में तोड़ा गेनाडी पडाल्का का रेकॉर्ड

स्पेस में 1000 दिन बिताने वाली पहली हस्ती बने रूसी ओलेग

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

वॉशिंगटन. रूसी अंतरिक्ष यात्री ओलेग कोनोनेंको (59) अलग-अलग मिशन में अंतरिक्ष में 1,000 दिन पूरे करने वाले पहले व्यक्ति बन गए। इससे पहले यह रेकॉर्ड रूस के ही एस्ट्रोनॉट गेनाडी पडाल्का के नाम था। वह 878 दिन अंतरिक्ष में रहे थे। ओलेग की यह पांचवीं अंतरिक्ष यात्रा है। वह तीन बार इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन के कमांडर रहे हैं।

रूसी समाचार एजेंसी तास के मुताबिक ओलेग को सोयुज एमएस-24 स्पेसक्राफ्ट से पृथ्वी के चारों तरफ चक्कर लगाती ऑर्बिटल लेबोरेटरी (इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन) में भेजा गया था। ओलेग सितंबर में पृथ्वी पर लौटेंगे। नासा के ट्रांसलेशनल रिसर्च इंस्टीट्यूट फॉर स्पेस हेल्थ के पूर्व चीफ इमैन्युएल उरूकिता ने कहा, ओलेग ने जो किया है, मील का पत्थर है। उन्हें अभी कुछ और महीने अंतरिक्ष में बिताने हैं।

इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से सितंबर में पृथ्वी पर लौटेंगे

तन-मन पर पड़ने वाले असर की स्टडी

इमैन्युएल उरूकिता अंतरिक्ष में अलग-अलग समय बिताने वाले एस्ट्रोनॉट्स के शरीर का अध्ययन कर रहे हैं, ताकि पांच सवालों के जवाब मिल सकें। पहला- पृथ्वी से लंबी दूरी पर रहने में संचार का कितना असर पड़ता है? दूसरा- रेडिएशन का क्या प्रभाव होता है? तीसरा- अकेले रहने से शरीर और मन पर असर? चौथा- ग्रैविटी का असर और पांचवां- बंद पर्यावरण में रहने का शरीर पर प्रभाव।

लौटने पर मिलेगी नई जानकारी

उरूकिता का कहना है कि ओलेग के लौटने के बाद जांच करने पर कई नई बातें पता चलेंगी, क्योंकि वह सबसे ज्यादा दिन अंतरिक्ष में बिता चुके हैं। यह बात अलग कि उन्होंने यह उपलब्धि एक ही मिशन में नहीं, अलग-अलग मिशन के दौरान हासिल की। अंतरिक्ष में इतने लंबे समय रहने का असर उनके शरीर और मन पर भी पड़ा होगा।

शोध : प्राचीन क्रिस्टलों से हाइड्रोलॉजिकल चक्र की उत्पत्ति का खुलासा

जीवन पनपने से 4 अरब साल पहले भी मौजूद था पृथ्वी पर ताजा पानी, वैज्ञानिकों का दावा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

मेलबर्न. पृथ्वी का तीन-चौथाई भाग पानी में डूबा है, लेकिन ताजा पानी का हिस्सा सिर्फ तीन फीसदी है। इंसान और जानवर पीने के लिए इसी पानी पर निर्भर हैं। वैज्ञानिक अब तक मानते थे कि पृथ्वी पर ताजे पानी की उत्पत्ति करीब 3.5 अरब साल पहले हुई। एक नए शोध में दावा किया गया है कि ताजा पानी पृथ्वी पर करीब चार अरब साल पहले भी मौजूद था।

ऑस्ट्रेलिया की कर्टिन यूनिवर्सिटी के भूवैज्ञानिकों का शोध नेचर जियोसाइंस जर्नल में छपा है। वैज्ञानिकों ने पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के जैक हिल्स में प्राचीन क्रिस्टलों की जांच की। वहां की चट्टानों का निर्माण 4.4 अरब साल पहले हुआ था।
शेष@पेज 04

क्षुद्रग्रह-उल्का पिंडों से हमें बर्फ मिली

पांच अरब साल पहले सौरमंडल का निर्माण शुरू हुआ। पृथ्वी से कई क्षुद्रग्रह और उल्का पिंड टकराए। ये बर्फ के रूप में पानी पृथ्वी पर लाए। ताजे पानी से ही पृथ्वी बनने के साठ करोड़ सालों के भीतर जीवन की उत्पत्ति हुई।

सिद्धांत को चुनौती

क्रिस्टलों में ऑक्सीजन आइसोटोपों की जांच में शोधकर्ताओं ने पाया कि हल्के आइसोटोपिक सिग्नेचर चार अरब साल पहले भी थे। ऐसे आइसोटोप गर्म और ताजे पानी के कारण बनते हैं। पृथ्वी के भीतर ताजे पानी के सबूत इस सिद्धांत को चुनौती देते हैं कि चार अरब साल पहले पृथ्वी पूरी तरह समुद्र से ढकी हुई थी।

8 राज्य, 38 संस्करण | अजमेर ▪ अलवर ▪ अहमदाबाद ▪ इंदौर ▪ उज्जैन ▪ उदयपुर ▪ कोटा ▪ कोलकाता ▪ खंडवा ▪ ग्वालियर ▪ चेन्नई ▪ छिंदवाड़ा ▪ जगदलपुर ▪ जबलपुर ▪ जयपुर ▪ जोधपुर ▪ झुंझुनूं ▪ दिल्ली ▪ नागौर ▪ नर्मदापुरम ▪ पाली ▪ बाड़मेर ▪ बांसवाड़ा ▪ बिलासपुर ▪ बीकानेर ▪ बेंगलूरु ▪ भरतपुर ▪ भिलाई ▪ भीलवाड़ा ▪ भोपाल ▪ रतलाम ▪ रायपुर ▪ सतना ▪ सागर ▪ सीकर ▪ सूरत ▪ शहडोल ▪ श्रीगंगानगर

पेज एक से जारी...

सक्षम हो लोकतंत्र

यह अधिनायकवाद की अभिव्यक्ति हैं और इसी के उत्तर में बड़ा विपक्ष जनता ने खड़ा कर दिया है।

चुनावों के मध्य में ही भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने एक आत्मघाती बयान दे डाला जो सत्ता के 'मद' की 'अति' ही साबित हो गया। 'भाजपा आज राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सहायता के बिना भी अपना कार्य करने में समर्थ है।' मानो पढ़-लिखकर, अच्छी कमाई करने वाले बेटे ने पिता को घर से निकाल दिया। मैंने महाराष्ट्र दौरे की रिपोर्ट में इंगित किया था कि महाराष्ट्र में शिवसेना और संघ की स्वीकृति के बिना भाजपा प्रवेश नहीं कर पाएगी। भाजपा अध्यक्ष की घोषणा ने 'आ बैल मुझे मार' वाली कहावत सच कर दी।

पिछले वर्षों में देश बिना सशक्त विपक्ष के लोकतंत्र के उत्सव-दर-उत्सव मना रहा था। सत्ता पक्ष का संचालन निर्बाध चल रहा था। कांग्रेस ही राष्ट्रीय दल के रूप में इतिहास को जी रही थी। वर्तमान में उत्तराधिकारी तैयार किए जाने का क्रम चल रहा था। दिशाहीन सत्ता के सपने हिलोरें ले रहे थे। देश की स्थिति-आवश्यकता-दिशा जैसे मुद्दे अर्थहीन से बने हुए थे। देश की संस्कृति कांग्रेस से पल्ला झाड़ चुकी थी। एक के बाद एक चुनाव में कांग्रेस के गढ़ की कुछ दीवारें ढहती जा रहीं थीं। उसी गति से लोकतंत्र का स्वरूप भी चरमराता जा रहा था। बिखराव भी चरम पर पहुंच गया था। लगने लगा था वेंटिलेटर पर आ चुकी है।

समय सदा एक-सा नहीं रहता। इस बार का जनादेश परिपक्व है। कांग्रेस की योजना भी परिपक्व निकली। इस देश ने एक पार्टी राज भी देखा, तानाशाही भी देखी, गठबन्धन की सरकारें भी देखी हैं। निजी स्वार्थों ने ही अन्त में सरकारों को विदा किया। दल एवं परिवार का भेद जहां समाप्त हो जाता है वहां लोकतंत्र नहीं रह सकता। इस बार सभी विपक्षी-क्षेत्रीय दल बड़े संकल्प एवं इच्छा शक्ति के साथ, अपने-अपने स्वार्थों से ऊपर उठकर एक हो गए। लक्ष्य था-भाजपा को सत्ताच्युत करना है। देश में पहले ऐसा कभी नहीं हुआ।

कांग्रेस के नेतृत्व में प्रान्तीय दल बाहर निकलकर राष्ट्रहित से जुड़ने को एक हुए। न भाजपा इस तथ्य की गहराई में जा सकी, न ही मीडिया समझ पाया। 'गठबन्धन' शब्द रूढ़ि की चर्चा में आकर ओझल हो गया। भाजपा की तरह कांग्रेस ने इस बार सम्पूर्ण देश में प्रत्याशी खड़े ही नहीं किए। हर दल में सीटों का बंटवारा हो गया। कहीं दो दलों के प्रत्याशी आमने-सामने नहीं हुए। उदाहरण के लिए यूपी में सपा और कांग्रेस में यादव और मुस्लिम वोट नहीं बंटे। दोनों ही अपने-अपने क्षेत्र में सफल रहे। कांग्रेस इसी कारण 99 का अंक (पिछले अंक से लगभग दो गुना) छू पाई। आज फिर से मजबूत विपक्ष के सपने देखने लायक हो गई है। इसी योजना का लाभ सपा और अन्य सहयोगी दलों को मिल पाया। आगे भी यही भाव बना रहा तो एक सशक्त राष्ट्रीय दल खड़ा हो सकेगा। झंडा चूंकि कांग्रेस के हाथ में है, उसे ही पहले अपने स्वार्थ त्यागने पड़ेंगे।

भाजपा को उत्तरप्रदेश और महाराष्ट्र, दोनों ही लाड़ले उल्टे पड़ गए। बड़ा होने के कारण भाजपा को उदारता-सम्मान (छोटों का) तथा सत्ता-मद को नियंत्रण में रखने का संकल्प दोहराना चाहिए। कांग्रेस के प्रचार में एक कसक थी -दर्द था, किन्तु वह कांग्रेस के लिए उतना नहीं था। दर्द तो जनता के दिल में था- विपक्ष के अभाव का, सत्ता के घमण्ड का, भाजपा नेताओं की स्वच्छंदता का और 'वाशिंग मशीन' का। विकल्प तो आज भी कांग्रेस भी नहीं है, 'इण्डिया' भी नहीं है, किन्तु हताश जनता ने सशक्त विपक्ष को खड़ा करने का संकल्प तो दिखाया है। सक्षम हो लोकतंत्र! कथनी और करनी एक हो-सत्ता की। समय के साथ सत्ता के सपने भी परवान चढ़े। विपक्ष आलोचक न रहे, विकास में भी अपनी भूमिका निभाए। सत्ता और विपक्ष दोनों जीते-दोनों को जनता के परिपक्व निर्णय की बधाई एवं शुभकामना !!

राजस्थान : छह माह में होंगे पांच विधानसभा सीटों पर उपचुनाव, साल के अंत तक 100 से ज्यादा निकायों में चुनाव

लोकसभा चुनाव खत्म, दोनों दलों की फिर अग्नि परीक्षा

सुनील सिंह सिसोदिया
अरविन्द सिंह शक्तावत
patrika.com

जयपुर. प्रदेश में लोकसभा चुनाव की आचार संहिता गुरुवार को हट जाएगी, लेकिन अगले छह माह फिर भाजपा-कांग्रेस को चुनावी अग्नि परीक्षा से गुजरना होगा।

सबसे बड़ी अग्नि परीक्षा विधानसभा उपचुनावों की होगी। साथ ही नगर निगम, नगर परिषद, नगर पालिका और फिर पंचायतों के चुनाव होने हैं। इनकी तैयारी अभी से करनी होगी। प्रदेश में चुने गए 25 सांसदों में पांच विधायक सांसद बने हैं। इनमें तीन कांग्रेस, एक आरएलपी और एक बीएपी के विधायक हैं। इनके सांसद बनने से 5 विधानसभा सीटें रिक्त हो जाएंगी। नियमानुसार विधायकों को 14 दिन में विधानसभा से इस्तीफा देना होगा। इस्तीफा स्वीकार होने के बाद से छह माह में चुनाव कराने हैं।

इन मुद्दों पर देना होगा ध्यान

- **जिन** पांच विधानसभा सीटों पर चुनाव होने हैं, इनमें से एक भी भाजपा के पास नहीं है। इन्हें जीतने के लिए संगठन को मजबूत करना होगा।
- एंटी इंकंबेंसी न हो। इसका ध्यान रखना होगा।
- **संगठन** महामंत्री की जितनी जल्दी नियुक्ति होगी फायदा होगा।
- **प्रदेश** अध्यक्ष को बदलना है या नहीं, इस पर भी निर्णय करना होगा।
- **मंत्रिमंडल** में फेरबदल को लेकर चर्चा पहले से ही चल रही है। इस पर भी निर्णय करना होगा।
- **आगामी** बजट में भी इन क्षेत्रों का विशेष ध्यान रखना होगा।

इन चुनौतियों का है सामना

- **विधायकों** की खाली हुई सीटों पर कब्जा बरकरार रखना बड़ी चुनौती।
- **लोकसभा** चुनाव की तरह एकजुटता के साथ मैदान में उतरना होगा।
- **खाली** पड़े तमाम संगठन के पदों को भरना होगा।
- **प्रदेश** और जिलों के संगठन के निष्क्रिय पदाधिकारियों को हटाना होगा।
- **सड़क** और सदन के अंदर जनता के मुद्दों को जोरदार ढंग से उठाना होगा।
- **बड़े** नेताओं के बीच तालमेल बनाए रखना होगा।
- **सहयोगी** दलों के साथ समन्वय रखने की चुनौती

लोकसभा चुनाव-2024 जमीनी हकीकत नहीं जान सकी भाजपा, कांग्रेस ने मारी बाजी

भाजपा: पार्टी जातिगत समीकरण साधने में नहीं रही सफल

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

जयपुर/नई दिल्ली. प्रदेश में लोकसभा चुनाव संपन्न हो चुके हैं। चुनाव में भाजपा को आशा के अनुरूप परिणाम नहीं मिल पाए। चुनाव होने के बाद से ही भाजपा को यह तो महसूस हो गया था कि इस बार सभी 25 सीटें नहीं जीतेंगे, लेकिन यह उम्मीद पार्टी नेताओं को पूरी थी कि कम से कम 22 और अधिकतम 23 सीटों पर पार्टी को जीत मिलेगी, लेकिन पार्टी नेताओं की यह उम्मीद खरी नहीं उतरी। पार्टी नेता जनता की नब्ज पहचाने में पूरी तरह से सफल नहीं हो सके। इसका परिणाम यह रहा कि 22-23 सीटें जीतने की जगह भाजपा मात्र 14 सीटों पर ही सिमट गई।

पार्टी सूत्रों और सत्ता में बैठे नेताओं ने कम सीटों के आने की वजह का आकलन भी शुरू कर दिया है और दिल्ली से भी लगातार प्रदेश नेतृत्व से सम्पर्क किया जा रहा है। पूछा जा रहा है कि आखिर भाजपा की इतनी सीटें कम क्यों आई? प्रदेश में सीटें कम आने पर दिल्ली से नाराजगी भी जाहिर की गई है। पार्टी ने जो प्रारंभिक आकलन किया है, उसके मुताबिक पार्टी पूर्वी और उत्तरी राजस्थान के जातिगत समीकरणों को साधने में पूरी तरह से नाकामयाब रही।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में सीएम भजनलाल शर्मा व सीपी जोशी।

पार्टी में संगठन नजर आया कमजोर

इस चुनाव में भाजपा को दोहरी चुनौती से गुजरना पड़ा। सत्ता में बैठे ज्यादातर नेता पहली बार मंत्रिमंडल में शामिल हुए। उन्हें चुनाव लड़वाने का अनुभव कम था। भाजपा संगठन की मुख्य धुरी संगठन महामंत्री होता है और इस बार पार्टी के पास यह संगठन महामंत्री था ही नहीं। प्रदेश अध्यक्ष खुद चुनाव लड़ने में व्यस्त हो गए। इस वजह से समन्वय का जिम्मा नए नेताओं के पास आ गया। जिला अध्यक्षों ने भी यह सोचकर कम रुचि दिखाई कि चुनाव बाद तो उनको हटना ही है।

कौन कितना सफल

पीएम मोदी: 37%
इन सीटों पर रैली: जयपुर ग्रामीण, अजमेर, करौली, बाड़मेर, दौसा, जालोर, बांसवाड़ा और टोंक-सवाई माधोपुर।
इन सीटों पर मिली जीत: जालोर, अजमेर और जयपुर ग्रामीण।

अमित शाह: 90%
इन सीटों पर प्रचार: जयपुर, सीकर, जोधपुर, अलवर , उदयपुर, भीलवाड़ा, कोटा, सीकर।
सीकर को छोड़कर सभी सीटों पर जीती भाजपा।

कांग्रेस: सीटें भाजपा से कम जीती पर उत्साह दिखा दोगुना

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

जयपुर . कांग्रेस ने लोकसभा में प्रदेश में भाजपा के मुकाबले सीटें कम जीती हैं, लेकिन उत्साह दोगुना ज्यादा है। वजह है कि पार्टी पिछले दो चुनावों से शून्य पर सिमट रही थी। लेकिन इस बार 25 में से 11 सीटें इंडिया गठबंधन ने जीतकर शानदार वापसी की है।

उत्तर भारत के आधा दर्जन राज यों में कांग्रेस को मिली सीटों को देखा जाए तो इन सभी राज्यों से ज्यादा सीटें राजस्थान में मिली हैं। इससे प्रदेश नेतृत्व ही नहीं पार्टी का केन्द्रीय नेतृत्व भी खुश है। टिकट वितरण पर कांग्रेस ने और ध्यान दिया होता और राज्य के बड़े नेता चुनाव मैदान में उतरते तो कांग्रेस की तस्वीर कुछ और ही होती। हालांकि टिकट वितरण के समय माहौल कांग्रेस के पक्ष में कम देख कई बड़े नेताओं ने चुनाव से दूरी बनाए रखी।

प्रदेश में टिकट वितरण अनमने मन से होने की वजह से कुछ सीटों को लेकर कांग्रेस की फजीहत भी हुई। टिकट बदलने पड़े। सुदर्शन सिंह रावत ने तो राजसमंद से टिकट मिलने के बाद चुनाव लड़ने से ही इनकार कर दिया और टिकट बदलना पड़ा। वहीं कई नेताओं ने बिना इच्छा चुनाव लड़ने तक की बात कही थी।

कांग्रेस प्रदेश कार्यालय में प्रसन्न मुद्रा में गोविंद सिंह डोटासरा।

पार्टी कर रही हालात का आकलन

प्रदेश में कांग्रेस खुद 8 और सहयोगी दलों के 3 सीट जीतने से उत्साहित है, लेकिन अन्य सीटों पर हार को लेकर पार्टी ने आकलन भी शुरू कर दिया। जयपुर ग्रामीण सहित कुछ सीटें, जहां पार्टी काफी कम अंतर से चुनाव हारी। उन सीटों को लेकर हार के कारण खोजे जा रहे हैं। उधर, कांग्रेस और सहयोगी दलों के सांसदों को बुधवार को प्रदेशाध्यक्ष गोविंद डोटासरा ने पार्टी के वॉररूम में मुलाकात के लिए बुलाया। इनमें से कई ने मुलाकात की।

कौन कितना सफल

राहुल गांधी: 0%
बीकानेर और जोधपुर में की थी जनसभा।
दोनों सीटों पर करना पड़ा हार का सामना।

प्रियंका गांधी: 25%
इन सीटों पर किया था प्रचार: जयपुर, अलवर, दौसा, जालोर।
एक सीट दौसा पर मिली जीत।

खरगे: 0%
इन सीटों पर किया था प्रचार: चित्तौड़गढ़
इस सीट पर हार गए।

एनडीए की बैठक में प्रस्ताव पारित

मोदी की कल्याणकारी नीतियों से देश बढ़ा आगे

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री आवास पर एनडीए की बैठक में सहयोगी दलों ने मोदी के नेतृत्व में राजग की नई सरकार के गठन के लिए अपने-अपने समर्थन पत्र सौंपे। बैठक में प्रस्ताव पारित किया गया कि 140 करोड़ देशवासियों ने पिछले 10 वर्षों में मोदी के नेतृत्व में राजग सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों से देश को हर क्षेत्र में विकसित होते देखा है। बहुत लंबे अंतराल, लगभग छह दशक बाद भारत की जनता ने लगातार तीसरी बार पूर्ण बहुमत से सशक्त नेतृत्व को चुना है।

प्रस्ताव में कहा गया, 'हम सभी को गर्व है कि 2024 का लोकसभा चुनाव राजग ने मोदी के नेतृत्व में एकजुटता से लड़ा और जीता। हम सभी नरेंद्र मोदी को सर्वसम्मति से अपना नेता चुनते हैं। मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार देश के गरीब महिला युवा किसान और शोषित, वंचित, पीड़ित नागरिकों की सेवा के लिए प्रतिबद्ध है। भारत की विरासत को संरक्षित कर देश के सर्वांगीण विकास के लिए राजग सरकार भारत के जन जन के जीवन स्तर में सुधार लाने के लिए कार्य करती रहेगी।' सूत्रों से पता चला है कि दस निर्दलीय सांसदों ने भी मोदी के नेतृत्व में राजग सरकार के गठन के लिए अपने अपने समर्थन पत्र दिए हैं।

मोदी की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृहमंत्री अमित शाह के अलावा गठबंधन के दूसरे सबसे बड़े घटक दल तेलुगु देशम पार्टी के नेता एन चंद्रबाबू नायडू, जेडीयू के नीतीश कुमार, राजीव रंजन सिंह एवं संजय झा, लोजपा रामविलास के चिराग पासवान, शिवसेना नेता एवं महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, जनता दल सेकुलर (जेडीएस) के नेता एच डी कुमारस्वामी, हिन्दुस्तानी अवाम पार्टी (हम) के जीतनराम मांझी, अपना दल (सोनेलाल) की अनुप्रिया पटेल, जनसेना पार्टी के पवन कल्याण, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के सुनील तटकरे एवं प्रफुल्ल पटेल, राष्ट्रीय लोकदल के जयंत चौधरी, यूपीपीएल के प्रमोद बोडो, असम गण परिषद (एजीपी) के अतुल बोरा, एसकेएम के इंद्र हांग सुब्बा, ऑल झारखण्ड स्टूडेंट्स यूनियन (आजसू) के सुदेश महतो शामिल हुए।

नवीन पटनायक का इस्तीफा

उधर, भुवनेश्वर में बीजू जनता दल (बीजेडी) सुप्रीमो नवीन पटनायक ने बुधवार को ओडिशा के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया और इसी के साथ प्रदेश की राजनीति में बीजद के लंबे दौर की समाप्ति हो गई। वर्ष 1997 में अपने पिता एवं बीजेडी के संस्थापक बीजू पटनायक के निधन के बाद राजनीति में प्रवेश करने के बाद ओडिशा की राजनीति में एकछत्र राज करने वाले नवीन पटनायक के लिए यह सुखद अंत नहीं रहा।

कूनो में गामिनी के शावक की मौत

नई दिल्ली@ पत्रिका. मध्यप्रदेश के कूनो नेशनल पार्क में मादा चीता गामिनी के एक शावक की मौत हो गई। करीब तीन माह के शावक का शव गामिनी के पास पड़ा मिला। गामिनी ने नौ मार्च को छह शावकों को जन्म दिया था। पार्क प्रबंधन का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मौत के कारण का पता चल सकेगा।

भारत और फ्रांस मिलकर लॉन्च करेंगे अपना 'तृष्णा'

बेंगलूरु @ पत्रिका. भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और फ्रांसीसी अंतरिक्ष एजेंसी सीएनईएस संयुक्त साझेदारी में प्राकृतिक संसाधनों के आकलन के लिए थर्मल इमेजिंग उपग्रह 'तृष्णा' (थर्मल इंफ्रा-रेड इमेजिंग सैटेलाइट फॉर हाई-रिजोल्यूशन नेचुरल रिसोर्स एसेसमेंट) के प्रक्षेपण की तैयारी कर रहे हैं।

अक्टूबर में होने हैं विधानसभा चुनाव

महाराष्ट्र में फिर करवट लेगी सियासत!

लोकसभा में इंडिया गठबंधन को 30 और एनडीए को मिली है 17 सीटें

विधानसभा चुनाव के लिए तैयारी

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव की तैयारी भी चल रही है। इंडिया गठबंधन में शामिल कांग्रेस, एनसीपी शरद पवार और शिवसेना उद्धव ठाकरे एकसाथ चुनाव लड़ने को तैयार दिख रहे हैं। लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद शिवसेना शिंदे और एनसीपी अजीत के कई नेता पाला बदल सकते हैं।

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. लोकसभा चुनाव के नतेजों से राज्यों की सियासत भी प्रभावित होगी। इनमें सबसे अधिक प्रभाव महाराष्ट्र में देखने को मिल सकता है। जहां जल्द ही सियासत फिर से करवट ले सकती है। इसके लिए इंडिया में शामिल शिवसेना (उद्धव ठाकरे) नया दांव चल सकती है। अब सबकी निगाह महाराष्ट्र पर टिक गई है।

दरअसल, महाराष्ट्र में जितनी लड़ाई दिल्ली को लेकर है, उतनी ही लड़ाई मुंबई पर 'राज' करने को लेकर भी है। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव महज चार महीने बाद अक्टूबर में होने हैं। यही वजह है कि नतीजों के बाद उद्धव ठाकरे ने फूंक-फूंक कर कदम रखना शुरू कर दिया है। वैसे तो ठाकरे और राज्यसभा सांसद संजय राउत खुलकर कांग्रेस और राहुल गांधी की अगुवाई की बात कर रहे हैं, लेकिन कुछ लोग उनके एनडीए में वापस जाने की कयास भी लगा रहे हैं। हालांकि उद्धव ठाकरे गुट ने इससे फिलहाल इंकार किया है।

इधर, सूत्रों का कहना है कि इंडिया गठबंधन के कुनबा बढने की शुरुआत महाराष्ट्र से हो सकती है। नतीजों में इंडिया गठबंधन के मजबूत होने से शिवसेना शिंदे गुट के कुछ सांसद उद्धव गुट के संपर्क में आने का दावा किया जा रहा है।

एक पेड़ मां के नाम : लोकसभा अध्यक्ष ने किया पौधरोपण

नई दिल्ली. विश्व पर्यावरण दिवस पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने संसद भवन परिसर और दिल्ली स्थित निवास पर पौधारोपण किया। बिरला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के समर्थन में पौधारोपण किया है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन और उससे उपजी परिस्थितियां से विश्व चिंतित है। भारत ही विश्व को इस चुनौती का सामना करने की राह दिखाएगा। बिरला ने कहा सभी एक पौधा लगाएं, वृक्ष बनने तक उसका संरक्षण करें।

स्वास्थ्य मंत्रालय के साथ किया एमओयू

सैन्य कर्मियों को टेली-मानस से मिलेगी मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं

नई दिल्ली @पत्रिका. अब सभी सैन्य कर्मियों को टेली मानस सेल के जरिए चौबीसों घंटे मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी। इसके लिए स्वास्थ्य मंत्रालय सशस्त्र सेना कर्मियों व उनके परिजनों के लिए टेली मानस सेल स्थापित करेगा। इस संबंध में बुधवार को रक्षा व स्वास्थ्य मंत्रालयों के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। सशस्त्र सेनाओं के लिए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने गत वर्ष दिसम्बर में पुणे के सशस्त्र बल चिकित्सा महाविद्यालय में विशेष टेली-मानस सेल का उद्घाटन किया था। अब इसका विस्तार देशभर में किया जा रहा है। टोल-फ्री नंबर 14416 के जरिए चौबीसों घंटे टेली-मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा रही हैं।

पेंशनर्स के लिए खुलेंगे और स्पर्श सेवा केंद्र

रक्षा पेंशनभोगियों की मदद के लिए शुरू की गई रक्षा मंत्रालय की पहल स्पर्श (पेंशन प्रशासन प्रणाली-रक्षा) का लाभ अब दूरस्थ इलाकों में रहने वाले लाखों पेंशनर्स को भी मिल सकेगा। इसके लिए रक्षा मंत्रालय के रक्षा लेखा विभाग (डीएडी) ने देशभर में चार बैंकों की 1128 शाखाओं में स्पर्श सेवा केंद्र खोलने के लिए चार बैंकों के साथ बुधवार को करार किया है। ग्यारह बैंकों की शाखाओं में यह केंद्र पहले से स्थापित हैं। अब देशभर में कुल 15 बैंकों की 26 हजार से अधिक शाखाओं में यह सुविधा उपलब्ध होगी।

विमान में बम की धमकी से हड़कंप

नई दिल्ली@ पत्रिका. दिल्ली से टोरंटो के लिए उड़ान भरने से पहले एयर कनाडा के विमान में बम की धमकी से हड़कंप मच गया। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट को मंगलवार रात मिले ई-मेल में दावा किया गया था कि विमान में बम है। विमान को उड़ान से रोक दिया गया। जांच में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला।

रातभर पूछताछ पर ईडी को फटकारा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. बैंक धोखाधड़ी मामले में गिरफ्तार कारोबारी राम इसरानी से रात साढ़े दस बजे से तड़के तीन बजे तक पूछताछ करने पर सुप्रीम कोर्ट ने ईडी को फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा, सुबह 10:30 बजे बाद पूछताछ की जा सकती है, लेकिन आप (ईडी) तड़के तक पूछताछ कर रहे हैं। यह क्या हो रहा है?

नीट यूजी 2024 विद्यार्थियों ने एनटीए की कार्यप्रणाली को लेकर जताया रोष, शिक्षाविदों ने उठाए सवाल

मार्किंग प्रक्रिया तय तो 720 में से 718 व 719 अंक कैसे

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

कोटा/नई दिल्ली. नीट यूजी 2024 का परीक्षा परिणाम जारी किए जाने के बाद विद्यार्थियों एवं अभिभावकों में नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की कार्यप्रणाली को लेकर रोष है। एजेंसी की मार्किंग प्रक्रिया में खामी पर विषय विशेषज्ञों, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर विरोध जताया है।

मोशन एजुकेशन के संस्थापक व सीईओ नितिन विजय ने एक्स पर एक वीडियो जारी कर बताया कि नीट यूजी परीक्षा में एक प्रश्न चार अंक का था, लेकिन कई विद्यार्थियों के परिणाम में 720 में से 718 व 719 अंक दिए गए हैं, जो तार्किक रूप से संभव नहीं है।

विद्यार्थी या तो प्रश्न छोड़ सकता है या प्रश्न गलत कर सकता है। ऐसी स्थिति में उसे 716 अंक प्राप्त होते हैं, लेकिन किसी भी स्थिति में 718 या 719 अंक प्राप्त नहीं हो सकते हैं।

■ **एनटीए की सफाई : नॉर्मलाइजेशन फॉर्मूला से विद्यार्थियों को मिले 719 व 718 अंक**

एनटीए ने दिया हवाला

एनटीए एजेंसी ने एक्स पर स्पष्ट किया कि 5 मई 2024 को नीट परीक्षा आयोजन के दौरान व्यवधान उत्पन्न होने से कुछ विद्यार्थियों को पूर्ण समय नहीं दिया गया था। ऐसे विद्यार्थियों ने न्यायालय की शरण ली थी। उच्चतम न्यायालय ने 13 जून 2018 को जारी किए गए निर्णय के हवाले से इनको नॉर्मलाइज्ड मार्क्स प्रदान किए गए। मार्क्स नॉर्मलाइजेशन के कारण ही इन विद्यार्थियों को 720 में से 718 व 719 अंक प्राप्त हुए हैं।

पारदर्शिता बरते एजेंसी... एजुकेशन एक्सपर्ट देव शर्मा ने बताया कि एनटीए को अपनी कार्यप्रणाली में पारदर्शिता बरतनी होगी। एजेंसी को परीक्षा परिणाम जारी करने से पूर्व नॉर्मलाइजेशन प्रक्रिया की ऑफिशियल सूचना सार्वजनिक करनी चाहिए थी। अचानक से इस तरह की चीजों का सार्वजनिक होना, एजेंसी की कार्य प्रणाली पर संदेह उत्पन्न करता है।

'बसपा को ठीक से समझ नहीं पाया मुस्लिम समाज'

इस लोकसभा चुनाव में और पिछले चुनावों में भी मुसलमानों को पर्याप्त प्रतिनिधित्व दिया लेकिन हमें पर्याप्त समर्थन नहीं मिला। वे हमें ठीक से समझ नहीं पाए। इसलिए अब से हम सोच-समझकर ही उन्हें मौका देंगे ताकि पार्टी को ऐसा नुकसान न हो।

मायावती, बसपा सुप्रीमो

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन: 15 घटक दलों के नेताओं ने दिखाई एकजुटता

■ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा): **240** (-63) ■ तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी): **16** (+13) ■ जनता दल-यूनाइटेड (जदयू): **12** (-4) ■ शिव सेना (एसएचएस): **7** (-6) ■ लोक जनशक्ति पार्टी-राम विलास (एलजेपीआरवी): **5** (+5) ■ जनता दल-सेकुलर (जेडीएस): **2** (+1) ■ राष्ट्रीय लोक दल (आरएलडी): **2** (+2) ■ जन सेना पार्टी (जेएसपी): **2** (+2) ■ सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम): **1** (0) ■ यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी-लिबरल (यूपीपीएल): **1** (+1) ■ असम गण परिषद (एजीपी): **1** (+1) ■ राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी): **1** (-1) ■ आजसू पार्टी (एजेएसयूपी): **1** (+1) ■ हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा-सेकुलर (एचएएम-एस): **1** (+1) ■ अपना दल-सोनेलाल (एडीएल): **1** (+1)

कांग्रेस | कई लोगों की दिन-रात की मेहनत का परिणाम

ऐसे ही नहीं बढ़ी सीटें, पर्दे के पीछे हैं कई कहानियां

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे बुधवार को इंडिया ब्लॉक की बैठक के बाद कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, एनसीपी (शप) प्रमुख शरद पवार, झारखंड सीएम चंपई सोरेन, सपा प्रमुख अखिलेश यादव और अन्य के साथ।

शादाब अहमद
patrika.com

नई दिल्ली. कांग्रेस भले ही सत्ता से दूर रही हो, पर 15 साल बाद सबसे अच्छे प्रदर्शन से पार्टी ने जोश भर दिया है। कांग्रेस की सीटें दोगुनी होने में जितनी मेहनत कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व नेता राहुल गांधी और महासचिव प्रियंका गांधी की है, उतनी ही मेहनत कई अन्य नेताओं की भी है। इनमें पार्टी के एजेंडे को धार देने के साथ इसे जमीन पर उतारा। यही वजह है कि पार्टी की सीटें 52 से बढ़कर 99 पर पहुंच गई। दरअसल, कांग्रेस अध्यक्ष खरगे, राहुल व प्रियंका ने करीब 100-100 रैलियां कर जीत के लिए रास्ता बनाया।

एजेंडे को मिली धार

कांग्रेस ने इस बार अपने प्रचार अभियान में व्यापक बदलाव किया। पार्टी के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रतिदिन सुबह एक वीडियो जारी किया गया, जिसे दिनभर टीवी पर विज्ञापन पर चलाया गया। इससे पार्टी ने अपनी न्याय गारंटियों और आरक्षण बचाने के एजेंडे को धार दी। इसमें अहम भूमिका कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश और मीडिया व पब्लिसिटी विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा ने निभाई।

सोशल मीडिया पर वार-पलटवार

कांग्रेस ने पिछले चुनावों से सबक लेते हुए इस बार सोशल मीडिया को आक्रामक हथियार बनाया। भाजपा की ओर से कांग्रेस या राहुल गांधी को लेकर किसी भी पोस्ट व वीडियो के तत्काल जवाब दिए गए। इस पर कांग्रेस सोशल मीडिया विभाग की अध्यक्ष सुप्रिया श्रीनेत ने लगातार मॉनीटरिंग की। नतीजे आने के बाद सोशल मीडिया विभाग टीम ने जश्न भी मनाया।

समन्वय बैठकों से कार्यकर्ता हुए एक्टिव

उत्तर प्रदेश में कांग्रेस का प्रदर्शन पिछले लंबे समय से खराब बना हुआ था। इस बार समाजवाद पार्टी से गठबंधन किया और महज 17 सीटों पर चुनाव लड़ा। कम सीटों पर चुनाव पर लड़ने के बावजूद प्रभारी महासचिव अविनाश पांडे ने सभी 80 सीटों पर समन्वय सम्मेलन किए। इन सम्मेलनों की खास बात यह रही कि इनमें कांग्रेस के साथ सपा के नेता व कार्यकर्ताओं को बुलाया गया। एकजुट होकर चुनाव में जाने के लिए सभी नेता व कार्यकर्ताओं को एक्टिव मोड पर रखा और संगठन को पुन: सक्रिय कर दिया।

राज्य में रहे प्रभारी

कांग्रेस ने चुनाव के दौरान राज्य प्रभारियों को अधिक से अधिक समय प्रभार वाले राज्यों में रखा। इसका फायदा भी पार्टी को मिला। प्रचार में समन्वय देखने को मिला।

एकजुटता का फायदा

राजस्थान, पंजाब व हरियाणा में कांग्रेस गुटबाजी से परेशान रही हैं। नेताओं ने गुटबाजी छोड़ एकजुटता दिखाई। इसका फायदा तीनों ही राज्यों में मिला। कांग्रेस ने 2009 के बाद राजस्थान व हरियाणा में अच्छा प्रदर्शन किया है। जबकि पंजाब में अपने प्रदर्शन को दोहराने में सफलता हासिल की है।

युवाओं को आगे बढ़ाया

कांग्रेस ने पहली के साथ दूसरी व तीसरी पंक्ति के नेताओं को प्रचार में आगे किया। ऐसा प्रयोग कांग्रेस अब तक कम ही करती रही है। जहां पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने राजस्थान, छत्तीसगढ़, दिल्ली, पंजाब समेत करीब 10 से अधिक राज्यों में सौ से अधिक रैलियां की। वहीं महिला कांग्रेस अध्यक्ष अल्का लांबा, युवा कांग्रेस अध्यक्ष बीवी श्रीनिवास, पूर्व सैनिक विभाग के अध्यक्ष कर्नल रोहित चौधरी से देशभर में सभाएं, पत्रकार वार्ता के माध्यम से उनसे जुड़े मुद्दों को ज्वलंत रखा। आक्रामक प्रचार से सीटें बढ़ गईं।

बदलाव: मिट गईं कई राजनीतिक भ्रांतियां

कांग्रेस पर लोगों ने भरोसा जताया, पर सत्ता की दावेदारी से अभी दूर

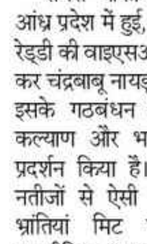

प्रो. मनीषा प्रियम, राजनीतिक विश्लेषक व शिक्षाविद

18वीं लोकसभा के नतीजे बहुत ही भरोसेमंद हैं। विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक प्रक्रिया पूरी होने के बाद कुछ ऐसे महत्वपूर्ण नतीजे उभरकर आए हैं, जिनसे दुनिया के इस सबसे बड़े लोकतंत्र को सीख लेनी चाहिए। सबसे पहली बात यह कि इन नतीजों ने हाशिए पर खड़े लोगों, खासकर युवा वर्ग और महिलाएं, के मुद्दों को, उनकी तकलीफों को हाशिए से उठाकर केंद्र में लाकर रख दिया है। बात यदि कांग्रेस की करें तो हालांकि उसके पास न तो संगठन था न कोई बहुत बड़ा जनाधार, पर राहुल गांधी अपने राजनीतिक विश्वास पर अडिग रहे और कितनी भी अंगुलियां उठाई गई, संविधान और अग्निवीर के साथ महिलाओं की बेसिक इनकम के मुद्दे को लेकर वह राजनीतिक पराक्रम दिखाते रहे।

कांग्रेस को सफलता मिली है, पर आने वाले दिनों में कांग्रेस को अपनी जमीन और अपने जनाधार पर ध्यान देना होगा। लोगों ने कांग्रेस पर भरोसा जताया है, पर 543 सीट वाली लोकसभा में 100 की संख्या से सत्ता की दावेदारी नहीं बनती है। सत्ता की प्रबल दावेदारी के लिए कांग्रेस को आगे के चुनाव में 200 सीटों तक पहुंचना होगा। उत्तर प्रदेश की डबल इंजन सरकार के गढ़ में जाकर रायबरेली और अमेठी सीट पर राहुल गांधी-प्रियंका गांधी की जोड़ी ने जो किया, वह किसी करिश्मे से कम नहीं है। अब बात करते हैं उत्तर प्रदेश की, जहां सपा के अखिलेश यादव के साथ राहुल का आना राजनीतिक भरोसे की नींव रखने में मददगार रहा। इस चुनावी स्पर्धा में सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में भाजपा की डबल इंजन सरकार को एक क्षेत्रीय दल सपा ने कांग्रेस का साथ लेकर सीधी चुनौती दे ही डाली। राहुल गांधी के साथ उन्होंने जमीन पर कड़ी मेहनत की। विशेष रूप से दलित वर्ग और अगड़े वर्ग में सपा को लेकर पूर्वाग्रह की दीवारें भी ढहती हुई नजर आई।

> सबसे पहले तो यह बात गलत साबित हुई है कि कोई क्षेत्रीय दल भाजपा को हरा ही नहीं सकता और दूसरी यह कि चेहरे के बिना चुनाव नहीं जीता जा सकता।

गरीब-गुरबा की आवाज उठाते हुए राहुल और अखिलेश की जोड़ी ही नजर आई। महाराष्ट्र की तरफ देखें तो यहां कांग्रेस, शरद पवार और उद्धव ठाकरे के गठजोड़ ने अपनी राजनीतिक जिरह को चुनाव में आगे किया। महाराष्ट्र के सम्मान, मराठा आरक्षण, किसानी में लगते घाटे और युवा वर्ग में बेरोजगारी की चिंता के मुद्दे के साथ महा विकास अघाड़ी ने अपना चुनाव लड़ा और भाजपा, शिंदे तथा अजित पवार के गठजोड़ को पीछे छोड़ दिया।

राजस्थान व हरियाणा में भी कांग्रेस ने कई सीटें भाजपा से छीन लीं। इधर, प. बंगाल में भी क्षेत्रीय दल टीएमसी की ममता बनर्जी ने भाजपा के लिए चुनौती कायम रखी। खास तौर पर महिला मतदाताओं का ममता पर अटूट विश्वास देखने को मिला है। वहीं, दक्षिण के तमिलनाडु और केरल में गैर-भाजपाई राजनीतिक बनावट बनी रही। तमिलनाडु में स्टालिन के नेतृत्व में डीएमके सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। केरल में यूडीएफ की लहर छाई रही।

सबसे चौंकाने वाली बात तो आंध्र प्रदेश में हुई, जहां जगनमोहन रेड्डी की वाइएसआरसीपी को बाहर कर चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी और इसके गठबंधन के साथी पवन कल्याण और भाजपा ने अच्छा प्रदर्शन किया है। इस चुनाव के नतीजों से ऐसी कई राजनीतिक भ्रांतियां मिट गई हैं, जिन्हें राजनीतिक तथ्य व नियम के रूप में स्थापित करने की कोशिश की जा रही थी। इसमें सबसे पहले तो यह बात गलत साबित हुई है कि कोई क्षेत्रीय दल भाजपा को हरा ही नहीं सकता। दूसरी बात यह कि यह युग चेहरे की राजनीति का है। चेहरे के बिना चुनाव नहीं जीत सकने की भ्रांति भी गलत साबित हुई है। तीसरी बात यह कि लोग गरीब से गरीब होते जाएं तब भी आज की राजनीति के लिए कोई मायने नहीं रखता, इस बात का भी पुरजोर खंडन हुआ है। भारत में बढ़ती हुई आर्थिक और सामाजिक असमता को लेकर दबे-कुचले वर्गों का एक तरह का यह एक चुपचाप विद्रोह भी है। जनता ने अपनी आवाज को सरकार के कानों तक पहुंचाने का काम किया है।

फैजाबाद: मुलायम के करीबी रहे नेताओं में से हैं अयोध्या में उलटफेर करने वाले अवधेश

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

लखनऊ. लोकसभा चुनाव परिणाम आने के बाद उत्तरप्रदेश में जो उलटफेर हुआ है, उसकी चर्चा पूरे देश में है। खासतौर से उत्तरप्रदेश की फैजाबाद (अयोध्या) लोकसभा सीट की चर्चा ज्यादा है, जहां भाजपा के मौजूदा सांसद लल्लू सिंह को समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रत्याशी अवधेश प्रसाद के हाथों हार का मुंह देखना पड़ा है। जाहिर है कि रामजन्मभूमि पर भाजपा के प्रत्याशी को हराने वाले सपा प्रत्याशी अवधेश प्रसाद के बारे में हर कोई जानना चाहता है।

सपा के संस्थापक सदस्यों में से एक अवधेश प्रसाद, पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के बहुत करीबी नेताओं में से एक हैं। वह वर्तमान में अयोध्या जिले के मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र से सपा के विधायक हैं। नौवीं बार विधानसभा में पहुंचे अवधेश प्रसाद पांच बार मंत्री रह चुके हैं। 77 वर्षीय अवधेश दलित वर्ग से आते हैं। दलित वोट बैंक पर खासी पकड़ होने के साथ-साथ यादव और मुस्लिम मतदाताओं का समीकरण इनके साथ है। अयोध्या में सपा उम्मीदवार अवधेश प्रसाद 54,567 वोटों से जीते हैं। भाजपा ने राममंदिर के मुद्दे पर देशभर में माहौल बनाया था और उसे उम्मीद थी कि इसका फायदा उसे लोकसभा चुनाव में मिलेगा। पर भाजपा की ये रणनीति न सिर्फ यूपी में धराशायी हो गई, बल्कि अयोध्या में भी उसे बिल्कुल विपरीत नतीजे मिले। निवर्तमान सांसद लल्लू सिंह को लेकर नाराजगी भी अहम कारण रहा।

भाजपा: केरल में खाता खोला, तमिलनाडु में 10 सीटों पर दूसरे नंबर पर

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

चेन्नई/तिरुवनंतपुरम. दक्षिण भारत के गैर-हिंदी भाषी राज्य तमिलनाडु व केरल में लोकसभा चुनाव के परिणाम प्रत्याशित ही रहे लेकिन इन राज्यों में भाजपा की बढ़ती ताकत ने सबको चौंका दिया। दोनों राज्यों में भाजपा का वोट शेयर तो बढ़ा ही, केरल में पहली बार पार्टी ने एक सीट जीत खाता खोला। तमिलनाडु में मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की द्रमुक के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन ने अपनी बादशाहत दोहराई तो केरल में इस बार भी कांग्रेस-नीत संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) की नींव को सत्तारूढ़ वामपंथी गठबंधन (एलडीएफ) नहीं हिला पाया।

तमिलनाडु... इंडिया क्लीन स्वीप

तमिलनाडु की सभी 39 सीटें अपनी झोली में डाल इंडिया गठबंधन ने बड़ी जीत हासिल की। सभी समीकरण साध कर बने गठबंधन, अपनी कल्याणकारी योजनाओं, तमिल प्राइड के अलावा अन्नाद्रमुक के बिखराव और भाजपा के ताकत के रूप में उभरने से वोट बंटने से इंडिया गठबंधन को प्रदेश में भरपूर लाभ मिला। डीएमके ने 22 सीटें जीतीं, वहीं कांग्रेस ने भी एक सीट का इजाफा कर नौ सीटें जीतीं। भाजपा प्रदेश में एक भी सीट नहीं जीत पाई और अपनी चर्चित यात्रा निकालने वाले प्रदेशाध्यक्ष के. अन्नामलै खुद कोयम्बटूर से चुनाव हार गए। इसके बावजूद भाजपा प्रदेश में अपना वोट शेयर 3.71 से बढ़ा कर 11.24 फीसदी तक पहुंचाने में सफल रही। यह भी चौंकाने वाला रहा कि भाजपा और उसके सहयोगी दल 10 सीटों चेन्नई सेन्ट्रल, चेन्नई साउथ, कोयम्बटूर, कन्याकुमारी, मदुरै, नीलगिरी, तिरुनेलवेली, तिरुवल्लूर, वेल्लोरे तथा धर्मपुरी सीटों पर दूसरे नंबर पर रहे।

> केरल की राजनीतिक मानसिकता यह है कि जब कोई सीट भाजपा के पक्ष में भारी लगती है तो अन्तिम क्षणों में विपक्षी कांग्रेस और सत्ता दल साथ होने का संदेश मतदाता को कर देते हैं। उनका लक्ष्य केरल में भाजपा के प्रवेश को रोके रखना है। इस बार कमल गट्टा टूटता जान पड़ता है।
>
> *(पत्रिका समूह के प्रधान संपादक **गुलाब कोठारी** की **जन-गण-मन यात्रा** के दौरान केरल और तेलंगाना के प्रवास के बाद 'टूटेगा दक्षिण का कमल गट्टा' शीर्षक अग्रलेख में 2 अप्रेल 2024)*

वामपंथी दल फिर हारे कांग्रेस से

लगातार दो बार से राज्य की सत्ता पर काबिज एलडीएफ एक बार फिर केरल में यूडीएफ की आंधी को रोकने में नाकाम रहा। पिछली बार राज्य की बीस में से 19 सीटें जीतने वाले यूडीएफ ने इस बार भी राज्य में बड़ी जीत हासिल की वहीं एलडीएफ महज दो सीटें जीत सका। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और महासचिव के.सी. वेणुगोपाल बड़े अंतर से विजयी रहे। भाजपा ने केरल में भी चौंकाया। त्रिशूर सीट से उसके उम्मीदवार और अभिनेता सुरेश गोपी ने पार्टी की जीत का खाता खोला। हॉट सीट तिरुवनंतपुरम सीट पर शशि थरूर और केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर के बीच रोचक मुकाबले में करीब 16000 वोट से बाजी थरूर ने मारी। केरल में भाजपा ने 16.68 फीसदी वोट हासिल किए।

जम्मू-कश्मीर | जनता की नब्ज नहीं पकड़ पाए पूर्व मुख्यमंत्री

घाटी के मतदाताओं ने चौंकाया, अब दलों के लिए विधानसभा चुनाव बड़ी चुनौती

अनिल कैले
patrika.com

श्रीनगर. 4 जून की सुबह जम्मू-कश्मीर की राजनीति के लिए नया संदेश लेकर आई। जम्मू संभाग में भाजपा को जहां पूरा समर्थन मिला, वहीं घाटी के सियासी दल नतीजों के अपने-अपने मायने निकाल रहे हैं। भाजपा ने जम्मू और उधमपुर सीट पर लगातार तीसरी बार कब्जा कर लिया है। कश्मीर घाटी में भाजपा सीधे चुनाव मैदान में नहीं उतरी। उसने अलताफ बुखारी की अपनी पार्टी और सज्जाद लोन की पीपुल्स कांफ्रेंस को परोक्ष समर्थन देकर घाटी की राजनीति में उतरने की कोशिश की। घाटी ने दोनों दलों के प्रत्याशियों को नकार कर भाजपा को जरूर हैरत में डाल दिया। अब की बार भी घाटी में श्रीनगर और अनंतनाग की सीट नेशनल कांफ्रेंस के खाते में गई। पूर्व सीएम उमर अब्दुल्ला को बरामुला में हराकर मतदाताओं ने चौंकाया है। इस सीट पर निर्दलीय प्रत्याशी इंजीनियर राशिद शेख विजयी रहे, उन्हें गुलाम नबी आजाद की पार्टी का समर्थन प्राप्त था। पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती ने भी अनुच्छेद 370 को लेकर वोट मांगे थे, पर उनकी हार हुई। गुलाम नबी आजाद ने अपनी पार्टी 'डीपीएपी' से प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतारे, पर जनता ने नकार किया।

श्रीनगर सीट से जीते नेशनल कांफ्रेंस के आगा सैयद रुहुल्ला मेहंदी।

अभी स्थिति अस्पष्ट

लोकसभा चुनाव के नतीजों को विधानसभा चुनाव परिणाम का पैमाना मान लिया जाए तो कोई भी पार्टी सरकार बनाने का दावा करने की स्थिति में नहीं है। गुलाम नबी आजाद प्रदेश की तीसरी राजनीतिक शक्ति बनने के प्रयास में हैं। पीडीपी के लिए लोकसभा चुनाव की हार से उबरना बड़ी चुनौती है। वहीं नेशनल कांफ्रेंस को भी वोट बैंक को और मजबूत करने के लिए जोर लगाना पड़ेगा। अपनी पार्टी और पीपुल्स कांफ्रेंस भी अपना अलग वजूद बनाने की कोशिश करेंगी।

पूर्वोत्तर | असम में एनडीए को मिलीं 11 सीटें, कांग्रेस जस की तस

असम में भाजपा ने बढ़त बनाई, मणिपुर में राहुल गांधी की 'मोहब्बत' रंग लाई

आनंद मणि त्रिपाठी
patrika.com

पूर्वोत्तर ने एक बात साफ कर दी है कि जो हमें महत्व देगा हम उसका साथ देंगे और जिसने दरकिनार किया तो उससे हम किनारा भी करेंगे। असम में भाजपा ने पिछला परिणाम दोहराया है तो एजीपी व यूपीपीएल ने दो सीटें जीतकर एनडीए को 11 सीट तक पहुंचा दिया। कांग्रेस 3 सीटों पर कायम है। मणिपुर ने भाजपा को बड़ी सीख दी है। भाजपा जिस तरह से मणिपुर हिंसा को दरकिनार कर अपने मुददे पर आगे बढ़ती रही तो मणिपुर ने भी इनसे किनारा कर लिया। राहुल गांधी ने यात्रा शुरू की तो दोनों सीटें झोली में डाल दीं।

अगरतला में पूर्व सीएम बिप्लव देव को बधाई देते भाजपा के सीएम।

■ **त्रिपुरा:** मोदी पर भरोसा, सीपीएम का रटा-रटाया प्रबंधन और कांग्रेस की कमजोरी, भाजपा की जीत में मददगार साबित हुई। पूर्व सीएम को चुनाव में उतार कर लोकप्रियता को भुनाने का काम किया तो वहीं तिपरा मोथा पार्टी के साथ गठबंधन ने विपक्ष की जमीन साफ कर दी।

■ **अरुणाचल प्रदेश:** राज्य ने राष्ट्रीय भावना के सापेक्ष मतदान किया पीएम मोदी पर भरोसे का सीधा फायदा भाजपा को हुआ। यहां से सांसद रहे किरण रिजिजू को जो महत्व मोदी सरकार ने दिया। लोकसभा के साथ विधानसभा में भी भाजपा ने क्लीन स्वीप किया।

■ **मेघालय:** मेघालय में सत्ता विरोधी लहर का असर साफ दिखाई दिया। यहां शिलांग सीट पर ईसाई समर्थन ने इस बार कांग्रेस को झटका दिया है। वहीं एनपीपी ने मेघालय की तूरा सीट पर इस बार एनपीपी को कांग्रेस ने झटक ली है।

■ **नगालैंड:** 1999 के बाद कांग्रेस पार्टी एक बार फिर से यहां अपनी जीत कायम करने में सफल रही। इसके पीछे कहीं न कहीं मणिपुर में उपजा विवाद एक बड़ा कारण रहा।

■ **मिजोरम:** मिजोरम का दस्तूर रहा है कि जो पार्टी यहां विधानसभा चुनाव जीतती है वही लोकसभा का चुनाव भी जीत जाती है। जेडपीएम ने यहां अपना परचम लहराया है।

पोलमपोल भायो

लेण-देण सूँ तय हुया, सियासती व्यवहार।
शर्ता पर साथी बणे, अबकी साझीदार!!

ट्रेंडिंग वीडियो

1. साथ छोड़ने वालों को ताना, भाजपा पर निशाना

2. नीतिश कुमार पलटी मारे तो क्या होगा?

youtube.com/@RajasthanPatrikaTV

राज्य के वायरल वीडियो, शॉर्ट्स क्यूआर कोड स्कैन कर देखें।

न्यूज शॉर्ट्स

सड़क दुर्घटना में नेता प्रतिपक्ष जूली घायल

दौसा @ पत्रिका. दिल्ली-मुम्बई एक्सप्रेस वे पर भांडारेज इंटरचेंज के पास बुधवार रात सड़क दुर्घटना में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली घायल हो गए। जूली को जिला अस्पताल दौसा में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार अलवर से जयपुर जाते समय कार के सामने नीलगाय आने से यह हादसा हुआ। उनके साथ पूर्व विधायक बलजीत यादव और स्टाफ भी था। जूली के बाएं हाथ में फ्रैक्चर हुआ है। हादसे की सूचना पर जिला अस्पताल में नवनिर्वाचित सांसद मुरारीलाल मीना, जिला कलक्टर देवेन्द्र कुमार ने पहुंचकर जूली की कुशलक्षेम पूछी।

9 किलो डोडा पोस्त जब्त, युवक गिरफ्तार

जोधपुर/आगोलाई @ पत्रिका. बालेसर थाना पुलिस ने ढांढणिया सांसण और आगोलाई में दबिश देकर 127.2 किलो अवैध डोडा पोस्त जब्त किया। एक युवक को गिरफ्तार किया, जबकि दूसरा आरोपी भल्लाराम जाट भाग निकला। आगोलाई में मंदिर के पास जयप्रकाश को पकड़ा। तलाशी लेने पर 9 किलो डोडा पोस्त जब्त किया। पूछताछ में कई महत्वपूर्ण सूचना मिली। इस आधार पर पुलिस ने ढांढणिया सांसण निवासी भल्लाराम जाट के मकान में दबिश दी। वहां झोंपड़ी से 118.2 किलो डोडा पोस्त जब्त किया गया।

तलाई में नहाने गए बालक की डूबने से मौत

डाबी (कोटा) @ पत्रिका. मां के साथ नहाने गए एक बालक की डूबने से मौत हो गई। शैतान भील (8) पुत्र राकेश अपनी मां गोपाली बाई के साथ ग्राम पंचायत धनेश्वर के खेड़ा गांव में मौसी के यहां गया था। बुधवार सुबह शैतान व मां के साथ तलाई में नहाने चले गए। नहाते समय शैतान का पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में डूब गया। मां के चिल्लाने पर ग्रामीण मौके पर पहुंचे। सूचना पर पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने पहुंचकर एक घण्टे की मशक्कत के बाद बालक के शव को बाहर निकाल लिया।

भर्तियों में फर्जीवाड़ा सामने आने के बाद एक्शन में सरकार, एसओजी और भर्ती एजेंसियों ने खोली विश्वविद्यालयों की पोल तो शुरू हुई कवायद

निजी विश्वविद्यालयों पर सरकार का शिकंजा...डिग्रियां तलब कराओ

पत्रिका **विजय शर्मा**
patrika.com

जयपुर. राज्य की भर्तियों में लगातार फर्जी डिग्री और सर्टिफिकेट सामने आने के बाद अब सरकार ने निजी विश्वविद्यालयों पर नकेल कसना शुरू कर दिया है। फर्जीवाड़े को जड़ से खत्म करने के लिए निजी विश्वविद्यालयों का रिकॉर्ड सरकार अपने पास रखेगी। इसकी शुरुआत भी कर दी गई है।

उच्च शिक्षा विभाग ने प्रदेश के सभी निजी विश्वविद्यालयों से स्थापना के बाद अभी तक की जारी हुई डिग्रियों को तलब किया है। किस छात्र को कब कौनसी डिग्री जारी की और स्थापना के बाद से विवि में कौनसे-कौनसे पाठ्यक्रम संचालित किए गए। विभाग ने सत्रवार यह रिपोर्ट मांगी है। उच्च शिक्षा विभाग इस संबंध में विश्वविद्यालयों को पत्र जारी किया है। इसके बाद से फर्जी डिग्रियां बांटने वाले विश्वविद्यालयों में हलचल है। सरकार की ओर से की जा रही इस सख्ती से आने वाले भर्तियों में तो फर्जीवाड़ा रुकेगा ही, साथ ही पुरानी भर्तियों में भी फर्जीवाड़े से नौकरी हासिल करने वालों की पोल खुलेगी।

भर्तियां आने पर बैकडेट में निकलवाई जाती डिग्रियां

कांग्रेस सरकार में हुई अधिकतर भर्तियों में फर्जी डिग्रियां के मामले उजागर हुए हैं। भर्ती आने के बाद विश्वविद्यालयों से सांठगांठ कर अभ्यर्थियों ने बैकडेट में डिग्रियां निकलवा ली। विवि ने भी कोराना के समय में अभ्यर्थियों का प्रवेश दिखाकर फर्जी डिग्रियां जारी कर दी। हाल ही तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती और पीटीआई भर्ती में ऐसे मामले राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड ने पकड़े थे। एसओजी ने भी चूरू की एक यूनिवर्सिटी की ओर से फर्जी डिग्री-सर्टिफिकेट जारी करने का मामला उजागर किया था। हाल ही उच्च शिक्षा विभाग, राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, आरपीएससी की बैठक हुई। इसमें भर्ती एजेंसियों और एसओजी ने निजी विश्वविद्यालयों का फर्जीवाड़ा खुलकर बताया था।

एक महीने में फीड करना होगा परिणाम

भर्तियों में पारदर्शिता लाने के लिए निजी विवि के रिकॉर्ड ऑनलाइन करने की तैयारी है। विश्वविद्यालयों को परीक्षा कराने के बाद परिणाम डीजी लॉकर में फीड करना होगा। उच्च शिक्षा विभाग, भर्ती एजेंसियों के पास पूरा रिकॉर्ड रहेगा। इसका फायदा यह होगा कि अभ्यर्थियों की ओर से लगाई जाने वाली डिग्रियों की जांच भर्ती एजेंसी अपने स्तर पर भी कर सकेंगी।

आ रही शिकायतें

निजी विश्वविद्यालयों से पूरा रिकॉर्ड मांगा है। लगातार शिकायतें आ रही हैं कि बैकडेट में डिग्रियां दी जा रही है और जो पाठ्यक्रम मान्य नहीं है वह भी संचालित किए जा रहे हैं। विभाग छात्रों की डिग्रियों को जब सत्यापित करता है तब यह पता चलता है। इससे छात्रों का भविष्य खराब हो रहा है।

सुबीर कुमार, शासन सचिव, उच्च शिक्षा विभाग

नतीजा : राज्य सहित एनसीआर में बढ़ रही गर्मी, 1820.66 वर्ग किमी क्षेत्र में फैला है सरिस्का रिजर्व

एनसीआर का 'फेफड़ा' सरिस्का में पेड़ों की कटाई से बिगड़ रहा पर्यावरण संतुलन

हरमिंदर लूथरा/सुशील कुमार
patrika.com

अलवर. धरती को 20 प्रतिशत ऑक्सीजन की पूर्ति करने वाले अमेजन के जंगल को धरती का फेफड़ा कहा जाता है। नौ देशों की सीमाओं से सटे इस जंगल का 60 फीसदी हिस्सा ब्राजील में आता है। इसी तरह राजस्थान का सरिस्का का जंगल राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) का फेफड़ा है। एनसीआर में सरिस्का सबसे बड़ा वन क्षेत्र है। यह एनसीआर में 61.90 फीसदी ऑक्सीजन की पूर्ति करता है। सरिस्का टाइगर रिजर्व का क्षेत्रफल 1820.66 वर्ग किलोमीटर है। यहां वन क्षेत्र 1172.71 वर्ग किमी है।

बीकानेर यूनिवर्सिटी के पर्यावरण विज्ञान विभाग के आचार्य डॉ. अनिल कुमार दुलार ने सरिस्का के जंगलों पर काफी रिसर्च किया है। वे कहते हैं कि एनसीआर के लिए सरिस्का कार्बन सिंक का काम कर रहा है, लेकिन मानवजनित कई गतिविधियों से सरिस्का को नुकसान हो रहा है। बफर एरिया में अतिक्रमण व अवैध रूप से पेड़ों की कटाई के कारण पर्यावरण संतुलन बिगड़ रहा है। इसके चलते एनसीआर समेत पूरे राजस्थान में इस साल भीषण गर्मी पड़ रही है।

आरआर कॉलेज के बॉटनी विभाग के प्रो.अशोक नागर कहते हैं कि एक बड़ा पेड़ औसतन प्रतिदिन 227 लीटर ऑक्सीजन छोड़ता है, जबकि एक आदमी को प्रतिदिन 550 लीटर ऑक्सीजन की जरूरत होती है। एनसीआर के इन क्षेत्रों की जनसंख्या करीब 6 करोड़ है। ऐसे में इस आबादी को प्रतिदिन 33 अरब लीटर ऑक्सीजन की आवश्यकता है, इसके लिए 14.53 करोड़ पेड़ चाहिए। अकेले सरिस्का के 66.44 प्रतिशत वन क्षेत्र में करीब 9.50 करोड़ पेड़ हैं। ऐसे में एनसीआर की इस आबादी को सरिस्का 61.90 प्रतिशत ऑक्सीजन की पूर्ति कर रहा है। एनसीआर क्षेत्र में 5.03 करोड़ पेड़ हैं, जो 38.10 फीसदी ऑक्सीजन की पूर्ति करते हैं।

फोटो अंशुम आहूजा

सरिस्का के अलवर बफर जोन का बाला किला मार्ग से लिया गया चित्र।

एनसीआर में आते हैं प्रदेश के ये क्षेत्र...

एनसीआर में आने वाले राजस्थान के अलवर, भरतपुर जिलों के अलावा उत्तर प्रदेश के नोएडा, गाजियाबाद, मेरठ, हापुड़, हरियाणा के सोनीपत, पानीपत, रेवाड़ी, गुरुग्राम, फरीदाबाद व दिल्ली का क्षेत्रफल करीब 930 वर्ग किमी है। इसमें 11 जिलों के अलावा केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली शामिल है।

एक व्यक्ति को चाहिए 2 से ज्यादा पेड़

एक्सपर्ट के मुताबिक, एक पेड़ एक साल में 260 पाउंड यानी 117.93 किलोग्राम ऑक्सीजन का उत्सर्जन करता है। 22.5 लीटर ऑक्सीजन का वजन 32 ग्राम होता है। यानी एक पेड़ एक साल में 82 हजार 922 लीटर ऑक्सीजन बनाता है, जिसे एक व्यक्ति 150 दिन में ग्रहण कर लेता है। इस तरह एक व्यक्ति को सांस लेने के लिए दो पेड़ से भी ज्यादा की जरूरत है।

एक नजर में सरिस्का

सरिस्का का क्षेत्रफल- 1820.66 वर्ग किलोमीटर

कोर एरिया- 1288.11 वर्ग किलोमीटर

बफर एरिया- 532.89 वर्ग किलोमीटर

वन क्षेत्र- 1172.71 वर्ग किलोमीटर

वन क्षेत्र प्रतिशत- 66.44 प्रतिशत

हम प्रति मिनट सांस के साथ औसतन आठ लीटर हवा लेते हैं, जिसमें 20% ऑक्सीजन होती है। सांस छोड़ने पर 15% ऑक्सीजन वापस निकलती है। प्रति मिनट 400 मिलीलीटर ऑक्सीजन सांस के माध्यम से ग्रहण करते हैं, जो 24 घंटे में 576 लीटर बनती है। हालांकि औसतन 550 लीटर ऑक्सीजन ही प्रति व्यक्ति प्रतिदिन का मानक माना गया है।

डॉ. सुरेश मीणा, फिजिशियन, राजीव गांधी अस्पताल, अलवर

अलवर : बेटी ने लगाया आरोप, पुलिस बोली- रिपोर्ट में आत्महत्या का कारण नहीं लिखा

पानी की समस्या से परेशान अधिवक्ता ने किया सुसाइड

चार-पांच दिन पहले भी जान देने का किया था प्रयास

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

अलवर. शहर के भैरू का चबूतरा क्षेत्र में वरिष्ठ अधिवक्ता मोहनलाल सैनी (78) ने मंगलवार देर रात आत्महत्या कर ली। बुधवार सुबह शव उनके ऑफिस में फंदे से लटका मिला। मृतक मोहनलाल की बेटी का आरोप है कि उनके पिता पिछले काफी दिनों से पानी की समस्या से परेशान थे, जिसके चलते उन्होंने आत्महत्या कर ली।

मृतक अधिवक्ता की बेटी आरती ने बताया कि उनके मोहल्ले में पिछले करीब डेढ़-दो महीने से पानी की समस्या है। पिता मोहनलाल को घर से करीब 350 मीटर दूर पुरुषार्थी धर्मशाला के सामने बोरिंग से पानी का भरकर लाना पड़ता था। पानी को लेकर मोहनलाल परेशान थे। मोहनलाल ने चार-पांच दिन पहले छत से कूदकर आत्महत्या करने का भी प्रयास किया, लेकिन घरवालों ने रोक लिया। आरती का कहना है कि उसका भाई भोपाल में डाक विभाग में कार्यरत है। घर में वह और उसके माता-पिता रहते हैं। मां चलने-फिरने में असमर्थ है। पानी की समस्या से परेशान होकर उसके पिता ने आत्महत्या की है। वहीं, पड़ोसियों का भी यही आरोप है।

नेता प्रतिपक्ष जूली ने साधा निशाना

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने इस घटना को लेकर राज्य सरकार पर आरोप जड़े हैं। जबकि पुलिस का कहना है कि परिजन ने रिपोर्ट में आत्महत्या का कोई कारण नहीं लिखा है और न ही मृतक के पास से कोई सुसाइड नोट मिला है। मोहनलाल ने अपने घर के एक कमरे में ऑफिस बनाया हुआ था। एएसआई सुनील कुमार का कहना है कि मृतक की पुत्री ने पुलिस को दी रिपोर्ट में पानी की समस्या के कारण आत्महत्या करने जैसी बात नहीं नहीं लिखी है।

बस पलटी, एक की मौत, 16 घायल

जोधपुर @ पत्रिका. बनाड़ थानान्तर्गत भोपालगढ़ रोड पर थबूकड़ा गांव के पास गुरुवार दोपहर टायर फटने के बाद यात्रियों से भरी सिटी बस पलट गई। हादसे में एक युवक की मौत और 11 महिलाओं व तीन बच्चों सहित 16 जने घायल हो गए। हताहत होने वाले सभी एक ही परिवार के हैं, जो मायरा भरने जा रहे थे। पुलिस के अनुसार पाल गांव निवासी ढलाराम, शैतानराम व देवाराम पुत्र करनाराम देवासी अपनी बहन का मायरा लेकर परिवार सहित सिटी बस से भोपालगढ़ में देवातड़ा गांव जा रहे थे। थबूकड़ा गांव के पास बस का एक टायर पंक्चर होकर फट गया। तभी दूसरा टायर भी फट गया। इससे तेज रफ्तार बस अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में पाल गांव निवासी सोहनराम (22) की मौत हो गई।

झूले ठीक करवाने गुल्लक लेकर पहुंचे बच्चे

कोटा. शहर के प्रमुख उद्यानों में खराब व बंद पड़े झूलों को ठीक करवाने के लिए बुधवार को विभिन्न कॉलोनियों के बच्चे उनके द्वारा की गई बचत के गुल्लक को लेकर यूआईटी सचिव के पास पहुंचे। इस दौरान उन्होंने उद्यानों के झूलों को ठीक करवाने की मांग की।

लोकसभा चुनाव 2024

उदयपुर में सर्वाधिक, भरतपुर में सबसे कम दबा नोटा का बटन

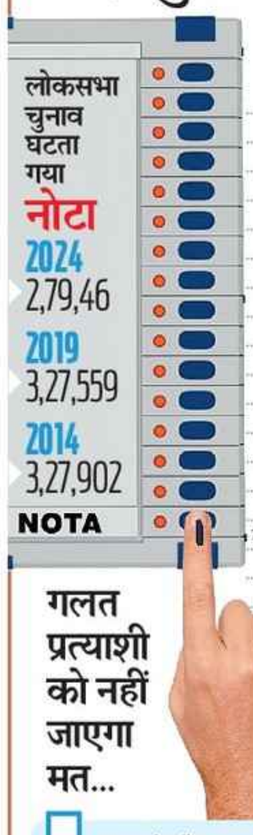

उदयपुर	22,948
बांसवाड़ा	20,970
जालोर	18,459
बाड़मेर	17,906
झालावाड़ा-बारां	16,027
पाली	13,853
भीलवाड़ा	13,376
गंगानगर	13,095
बीकानेर	12,558
राजसमंद	12,411
अजमेर	11,402
जोधपुर	10,591
जयपुर	10,428
कोटा	10,261
नागौर	8,771
टोक-सवाई माधोपुर	8,177
जयपुर ग्रामीण	7,519
करौली-धौलपुर	7,460
सीकर	7,266
चूरू	6,656
झुंझुनूं	6,632
दौसा	5,846
अलवर	5,822
चित्तौड़गढ़	5,590
भरतपुर	5,443

बुहाना (झुंझुनूं). लोकसभा चुनाव में इस बार भी मतदाताओं ने प्रत्याशियों को पसंद नहीं करके नोटा का बटन दबाया है। कई लोकसभा सीट तो ऐसी हैं जहां पर निर्दलीय एवं छोटे दलों के प्रत्याशियों से ज्यादा वोट नोटा को मिले हैं। प्रदेश में इस बार 2,79,467 मतदाताओं ने नोटा का प्रयोग किया है। राज्य में सर्वाधिक नोटा का बटन उदयपुर के मतदाताओं ने दबाया है, जबकि भरतपुर लोकसभा सीट पर नोटा को सबसे कम वोट मिले हैं।

जानें कब आया नोटा

भारत में वर्ष 2013 में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद नोटा का विकल्प शुरू हुआ। पीपुल्स यूनियन फॉर सिविल लिबर्टीज बनाम भारत सरकार के केस में सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को जनता के लिए नोट का विकल्प उपलब्ध कराने का आदेश दिया था। जिसके अनुसार किसी मतदाता को कोई भी उम्मीदवार पसंद नहीं है तो वह नोटा का बटन दबा सकता है।

मतदान के दौरान मतदाता को ऐसा अहसास हो कि निर्वाचन क्षेत्र का कोई भी प्रत्याशी उपयुक्त नहीं है तो मतदाता सभी प्रत्याशियों को अस्वीकृत करते हुए नोटा विकल्प को चुनकर अपना मत दे सकता है। इससे मतदान में उनकी भागेदारी सुनिश्चित होगी और गलत प्रत्याशी को मत भी नहीं जाएगा।

संजय महला, वरिष्ठ अधिवक्ता भारत सरकार

खतरों से भरा सफर

उदयपुर @ पत्रिका. उभेश्वर मार्ग पर ग्रामीण ऐसे जीप में सवार होकर खतरों से भरा सफर तय करते हैं। लोगों की जान-जोखिम में डालकर ये जीपें शहर के शिक्षा भवन चौराहे से होकर गुजरती है। इन्हें रोकने और टोकने वाला कोई नहीं है। फोटो: *प्रमोद सोनी*

अजमेर पुलिस की कर्नाटक में कार्रवाई

पश्चिम बंगाल से ला रहे नकली नोट, दो गुर्गे गिरफ्तार

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

अजमेर. नकली नोट चलाने वाली गैंग के दो गुर्गों को गिरफ्तार करने में कोतवाली थाना पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने हरियाणा की मेवात गैंग समेत देशभर में नकली नोट सप्लाई करने वाले गिरोह के दो गुर्गों को कर्नाटक के बैंगलूरू से दबोचा। गिरोह पश्चिम बंगाल से नकली नोट की खेप लाकर देशभर में मेवात सहित अन्य गैंग को सस्ते दाम में खपाता है।

थानाधिकारी वीरेन्द्रसिंह शेखावत ने बताया कि शहर में 500 रुपए के नकली नोट चलाने वाली गैंग के गुर्गे कर्नाटक बैंगलूरू निवासी मिथड़का अशरफ उर्फ प्रेम और तमिलनाडू कोयम्बटूर निवासी अबिन एम.एस. उर्फ कार्तिक को बैंगलूरू से हिरासत में लिया। पुलिस ने आरोपियों से नकली नोट व दिल्ली नम्बर की कार बरामद की है। पड़ताल में आया कि आरोपी नकली नोट पश्चिम बंगाल से तस्करी कर लाने के बाद अलग-अलग राज्यों में सप्लाई करते हैं। राज्यों में सक्रिय अन्य गैंग नकली नोट छोटी खरीदारी कर शेष राशि को असली मुद्रा में बदल कर अपनी लोकेशन बदल देती है। आरोपियों ने जाली नोट चलाकर ही दिल्ली नम्बर की कार खरीदी थी।

यह है मामला

पुलिस ने 25 मई को मदारगेट क्षेत्र में खिलौना खरीदने के लिए 500 का नकली नोट देने की शिकायत मिलने पर मूंदड़ी मोहल्ला क्षेत्र से हरियाणा मेवात के अब्बास, सतार खान व हासन उर्फ मौसम खान को गिरफ्तार कर 40 हजार रुपये के पांच सौ के नकली नोट जब्त किए थे। पुलिस पड़ताल में आरोपियों ने प्रेम नामक युवक से जाली नोट खरीदना कबूल किया था।

अलवर: पुजारी ने की आत्महत्या

अलवर @ पत्रिका. राठ नगर कॉलोनी स्थित शिव मंदिर के पुजारी अखिलेश शर्मा ने बुधवार को मरेठिया का बास रामगंज स्थित घर पर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजन ने एक निलंबित पुलिसकर्मी सहित तीन जनों पर अखिलेश को एससी-एसटी एक्ट के केस में फंसा कर ब्लेकमैल करने व धमकाने का आरोप लगाया। अखिलेश ने 6 मई को कोतवाली थाने में शिकायत दी थी, लेकिन पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की।

जड़ों से जुड़ाव | **प्रवासी राजस्थानी अपने पैतृक गांवों में ही उठाते हैं ग्रीष्मावकाश का लुत्फ**

अपना गांव ही शिमला मनाली...चले आते हैं दादा-दादी के पास

पत्रिका **राजेन्द्रसिंह देणोक**
patrika.com

पाली. देश के हिल स्टेशनों पर सैलानियों की बहार आई हुई है। स्कूलों की छुट्टियां होते ही लाखों परिजन बच्चों के साथ पर्यटन स्थलों पर घूमने निकले हैं। कोई कश्मीर की वादियों का लुत्फ उठा रहा है तो कोई हिमाचल में प्रकृति का आनंद। लेकिन, हर कोई पहाड़ों का ही दीवाना नहीं होता।

हजारों बच्चे ऐसे भी हैं जिन्हें अपना गांव और दादा-दादी दुनिया में सबसे खूबसूरत लगते हैं। इनके लिए गांव ही शिमला और मनाली हैं। स्कूलों की छुट्टियां होते ही वे परिवारसंग गांव लौट आते हैं। भरी गर्मी के बावजूद गांव के शांत और खुशनुमा माहौल का भरपूर आनंद उठाते हैं। विभिन्न राज्यों में व्यापार-नौकरी कर रहे प्रवासी राजस्थानियों के परिवार और बच्चों से इन दिनों गांवों में रौनक बढ़ी हुई है।

बुजुर्गों का साथ देता बच्चों को संस्कार

सेरना गांव में मोहन लाल सुथार का परिवार

सेरणा गांव के मोहनलाल सुथार का दिल्ली में व्यापार है। बच्चे भी वहीं पढ़ते हैं। जैसे ही स्कूलों की छुट्टियां होती है वे बच्चों के साथ अपने गांव आ जाते हैं। बच्चे पूरी छुट्टियां गांव में पूरी करते हैं। परिवार के संग घुलते-मिलते हैं। गांव की गलियों में खेलते हैं। यहां की मिट्टी और संस्कृति से जुड़े रहते हैं। सुथार बताते हैं कि बच्चों को यहां बुजुर्गों के साथ अच्छे संस्कार मिलते हैं।

गांव की मिट्टी और जड़ों से रहते हैं जुड़े

आउवा गांव में दादा के साथ खेलते बच्चे।

आऊवा गांव के तेजाराम सीरवी पूना में किराणा व्यापारी है। इन दिनों गांव आए हुए हैं। तेजाराम दो बच्चों और पत्नी को गांव छोड़कर पूना लौट गए। तेजाराम के पिता जसाराम गांव में ही रहते हैं। सीरवी अपने बच्चों को घूमने के लिए गांव भेजते हैं, ताकि वे गांव की यादों से जुड़े रहें। बच्चों के आने से गांव में रौनक बनी हुई है। वे दिन भर यहां अपने दोस्तों के साथ खेलते हैं।

शहरों में शिक्षा, जुड़ाव गांवों से भी

बरसों से मेट्रो शहरों में निवास कर रहे प्रवासी राजस्थानी अपने गांवों से पूरा जुड़ाव रखते हैं। बच्चों को शहरों में अच्छी स्कूलों में पढ़ाते हैं, लेकिन गांवों की संस्कृति से वाकिफ कराते रहते हैं। पाली, जालोर, सिरोही के लोग बहुतायत में अन्य राज्यों में व्यापार और नौकरी करते हैं। लेकिन, अपने गांव और यहां की संस्कृति को कभी नहीं भूलते। भावी पीढ़ी को गांवों से जोड़े रखने के लिए हर साल छुट्टियां यहां बिताते हैं।

हो सकता है मैं आपके विचारों से सहमत न हो पाऊं फिर भी विचार प्रकट करने के आपके अधिकारों की रक्षा करूंगा। –वाल्तेयर

राजस्थान पत्रिका
संस्थापक
कर्पूर चन्द्र कुलिश

टिकट वितरण में खामियों ने तोड़ी भाजपा की उम्मीदें

चुनाव नतीजे आने के साथ ही देश भर में भाजपा के प्रदर्शन को लेकर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। ये चर्चा वे लोग भी कर रहे हैं जिनका राजनीति से दूर-दूर का वास्ता नहीं है। यह इसलिए भी कि चुनाव का मतलब सिर्फ नंबर गेम ही नहीं है। सत्ता पर काबिज होने के लिए नंबर गेम महत्त्वपूर्ण हो सकता है। लेकिन सबसे महत्त्वपूर्ण यह है कि किसी दल ने उस नंबर को कैसे पाया और कैसे गंवाया? पिछले चुनाव में 303 सीटें जीतने वाली भाजपा उतरकर 240 पर कैसे आ गई, इसको लेकर तो भाजपा को आत्मावलोकन करना ही चाहिए।

आम जनता की नजर से देखें तो सीटें घटने के दो-तीन बड़े कारण साफ समझ में आते हैं। अति आत्मविश्वास और आयातित उम्मीदवारों के सहारे चुनावी नैया पार लगाने का भ्रम भाजपा को ले डूबा। जितनी मेहनत प्रचार के दौर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की, एकाध नेताओं को छोड़कर शायद किसी ने नहीं की। भाजपा की बात करें तो उसके अनेक नेता तो अपने क्षेत्रों में ही उलझे रहे। कुछ को खुद की चिंता रही तो कुछ को अपने पसंदीदा उम्मीदवारों को जितवाने की। वहीं ज्यादातर ने दूसरे निर्वाचन क्षेत्रों में खानापूर्ति की औपचारिकता ही निभाई। ऐसे में नतीजे मनमाफिक आते तो कैसे? अपेक्षित सफलता नहीं मिलने का दूसरा बड़ा कारण दलबदलू और परिवारवाद के मोह में फंसकर टिकट बांटना रहा। टिकट वितरण में स्थानीय नेताओं की राय के मुकाबले आलाकमान की मर्जी हावी रही। दो-दो, तीन-तीन बार हारे नेताओं को टिकट थमाने का संदेश भी अच्छा नहीं गया। दलबदलू और परिवारवादी संस्कृति ने भी पार्टी की जीत की संभावनाओं पर ब्रेक लगाया। अब तक कांग्रेस ही नेताओं के बड़बोले बयानों से परेशान थी लेकिन अब यह बीमारी भाजपा में भी आम हो चली है। ऐसे में 'चार सौ पार' होती तो कैसे? भाजपा अपने आपको अनुशासित पार्टी बताती जरूर है लेकिन क्या जनसंघ के जमाने का अनुशासन अब पार्टी नेताओं-कार्यकर्ताओं में बचा है। अधिकांश नेताओं के लिए पद पाना ही एकमात्र उद्देश्य रह गया है। भाजपा कार्यकर्ता भी सुविधा भोगी होते जा रहे हैं।

एक तथ्य यह भी है कि अनेक राज्यों में पार्टी ने इस बार भी शानदार प्रदर्शन किया है। लेकिन जिन राज्यों के भरासे पार्टी को संख्याबल में मजबूती की उम्मीद थी वहीं सीटें उससे छिटक गईं। पार्टी अब हार के कारणों की समीक्षा करे तो ध्यान रखना चाहिए कि यह काम ईमानदारी से हो। हारे तो क्यों हारे और इसके लिए जिम्मेदार कौन हैं?

लोकसभा चुनाव परिणाम: सपा, टीएमसी, तेलुगू देशम पार्टी और जनता दल (यू) का नए सिरे से हुआ उभार

क्षत्रपों के उभार से बढ़ सकते हैं सियासत से जुड़े खतरे

उमेश चतुर्वेदी
राजनीतिक विश्लेषक
@patrika.com

क्षत्रपों के उभार के बाद सबसे बड़ी समस्या केंद्र और राज्यों के बीच रिश्तों को लेकर उठ खड़ी होती है। राज्य अपनी मांगों को लेकर केंद्र को अल्टीमेटम तक देते रहे हैं। केंद्र और राज्य के रिश्तों में तल्खी आती है।

दस साल पहले केंद्रीय राजनीति में नरेंद्र मोदी सरकार के उभार के बाद यह माना गया था कि गठबंधन की राजनीति के दिन बीत गए। अब एक बार फिर गठबंधन सरकार के दिन वापस आ गए हैं। गठबंधन की राजनीति का बुनियादी आधार स्थानीय या क्षेत्रीय राजनीतिक दलों का बढ़ता प्रभाव होता है। अपने असर वाले इलाकों में अपनी बढ़ती ताकत के जरिए वे राष्ट्रीय पार्टियों के विस्तार को रोक देते हैं। क्षेत्रीय हितों के लिहाज से क्षत्रपों का उभार किंचित फायदेमंद भले होता हो, राष्ट्रीय राजनीति के लिहाज से क्षत्रपों की बढ़ती ताकत और केंद्रीय स्तर पर सत्ता के कमजोरी राष्ट्रीय हितों को दरकिनार करने के लिए मजबूर कर देती है। अठारहवीं लोकसभा के चुनाव नतीजों के बाद पांच बड़े क्षेत्रीय दल ताकतवर बनकर उभरे हैं। समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, तेलुगू देशम पार्टी और जनता दल (यू) का नए सिरे से उभार हुआ है, तो डीएमके ने भी अपनी ताकतवर स्थिति बरकरार रखी है। इन पांच में से तीन जहां केंद्र के विरोधी हैं, वहीं दो सहयोगी हैं। हालांकि इनके सहयोग की भी गारंटी नहीं मानी जा सकती है। ऐसे में सवाल उठना लाजमी है कि इन क्षत्रपों का उभार क्या फिर से एक बार देश को अस्थिरता के दौर में ले जाएगा?

स्वाधीन भारत के इतिहास में 1989 में गठबंधन की पहली सरकार बनी थी। विश्वनाथ प्रताप सिंह की यह सरकार महज 11 महीने ही चल पाई। उसके बाद चंद्रशेखर की अगुवाई में बनी सरकार महज चार महीने ही चली। देवेगौड़ा और इंद्रकुमार के नेतृत्व में बनीं सरकारें भी नहीं टिक पाईं। इसके बाद आई अटल बिहारी वाजपेयी की अगुवाई वाली गठबंधन की सरकार भी तेरह महीने में ही गिर गई। यह बात दूसरी है कि वाजपेयी के नेतृत्व वाली अगली गठबंधन सरकार जरूर लंबे समय तक चली।

अतीत की जिन गठबंधन सरकारों को अस्थिर करने के पीछे सबसे ज्यादा क्षेत्रीय पार्टियों और उनके नेताओं के अपने स्वार्थों और राजनीति की भूमिका बड़ी रही। चूंकि इस बार बीजेपी को खुद का बहुमत नहीं मिला है। इसके साथ ही उसके गठबंधन के साथी नीतीश कुमार और एन. चंद्रबाबू नायडू बड़ी ताकत बनकर उभरे हैं, इसलिए यह आशंका जताई जाने लगी है कि क्या डबल इंजन की सरकार की बात पुरानी हो जाएगी? क्या ये क्षत्रप भारतीय जनता पार्टी की सरकार को आराम से चलने देंगे? अतीत के इन नेताओं के कदमों को देखें तो यह आशंका भी बेमानी नहीं है। नीतीश कुमार, राजनीति के शीर्ष पर भले ही बीजेपी के साथ पहुंचे, लेकिन अपने सियासी नफा-नुकसान के चक्कर में उन्होंने अतीत में उसी बीजेपी का दो-दो बार साथ छोड़ने में भी हिचक नहीं दिखाई। एनडीए की बैठक में हिस्सा लेने के लिए पटना से दिल्ली आते वक्त आरजेडी नेता तेजस्वी यादव के साथ हवाई जहाज में बैठे उनका फोटो खूब प्रचारित हुआ है। नीतीश राजनीति के माहिर खिलाड़ी हैं। बेशक वे कांग्रेस के साथ न जाएं, लेकिन इस तस्वीर के जरिए उन्होंने बीजेपी की धड़कनें जरूर बढ़ा दी हैं। इसी तरह चंद्रबाबू नायडू गठबंधन में आंध्र में चुनाव लड़े और बीजेपी के सहयोग से जीत हासिल करने में कामयाब हुए हैं। लेकिन जिस तरह की खबरें आ रही हैं, उससे लग रहा है कि सरकार समर्थन की सौदेबाजी की अपनी पुरानी कला पर हाथ आजमा रहे हैं। वाजपेयी सरकार को बाहर से समर्थन देने के एवज में वे अनुपात के लिहाज से ज्यादा फंड और राशन तत्कालीन आंध्र को ले जाते रहे हैं। चाहे नीतीश कुमार हों या चंद्र बाबू नायडू, दोनों की एक मांग समान है। दोनों अपने-अपने राज्यों को विशेष दर्जा और विशेष आर्थिक पैकेज देने की मांग करते रहे हैं। ये दोनों मांगें ऐसी हैं, जिनके लिए दोनों को अपने-अपने राज्यों से जनसमर्थन मिलता रहेगा। इसलिए यह आशंका है कि वे एनडीए सरकार को हिलाने की कोशिश कर सकते हैं।

लोकसभा में 37 सीटों के साथ तीसरा बड़ा दल बनने में कामयाब रही समाजवादी पार्टी का बीजेपी से छत्तीस का सियासी रिश्ता है। वह संसद में लगातार राजग सरकार की राह में बाधा बनने की कोशिश करती रहेगी। 1999 और 2004 के चुनाव के दिनों में ताकतवर बनी समाजवादी पार्टी ऐसा करके दिखा चुकी है। 29 सीटों के साथ तृणमूल कांग्रेस लोकसभा में चौथा सबसे बड़ा दल बनकर उभरी है तो 22 सीटों के साथ डीएमके पांचवें नंबर पर है। इन दोनों दलों के रिश्ते भी बीजेपी से बेहतर नहीं हैं। तीनों ही बीजेपी के अपने-अपने राज्यों में विरोधी हैं। इसलिए यह तय है कि ये तीनों भी संसद में केंद्र सरकार के लिए मुसीबतें खड़ी करते रहेंगे।

क्षत्रपों के उभार के बाद सबसे बड़ी समस्या केंद्र और राज्यों के बीच रिश्तों को लेकर उठ खड़ी होती है। राज्य अपनी मांगों को लेकर केंद्र को अल्टीमेटम तक देते रहे हैं। लेकिन जब क्षेत्रीय स्तर पर ताकतवर दल होते हैं तो केंद्र और राज्य के रिश्तों की तल्खी कुछ ज्यादा ही बढ़ जाती है। हाल के दिनों में पश्चिम बंगाल और केंद्र के रिश्ते कुछ ऐसे ही नजर आए हैं। तमिलनाडु की डीएमके की सरकार से भी केंद्र के रिश्ते बेहतर नहीं रहे। यह बात दूसरी है कि ममता जितनी आक्रामक हैं, स्टालिन उतने आक्रामक नहीं हैं। ऐसे में यह आशंका निर्मूल नहीं है कि आने वाले दिनों में केंद्र और राज्यों के बीच टकराव बढ़ेगा, इसकी वजह से राजनीति अशांत होगी, जिसका असर देश की आर्थिक सेहत पर पड़ेगा। इस तथ्य को सभी राजनीतिक दल जानते हैं। ऐसे में उनसे उम्मीद की जानी चाहिए कि राष्ट्र हित को ध्यान में रखते हुए वे अपने स्थानीय हितों को दरकिनार रखें। वैसे जिस तरह की आज की राजनीति है, ऐसी उम्मीद भी अक्सर बेमानी लगती है।

फैक्ट फ्रंट

छत्रपति शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक

छत्रपति शिवाजी महाराज का 6 जून 1674 को रायगढ़ के किले में राज्याभिषेक हुआ था। उन्होंने कौशल और योग्यता के बल पर मराठों को संगठित कर कई वर्ष औरंगजेब के मुगल साम्राज्य से संघर्ष किया। शिवाजी के नेतृत्व में उनकी सेना ने युद्ध में अनूठी रणनीति का प्रयोग किया। गुरिल्ला युद्ध की रणनीति और जांबाजी युद्ध के मैदान में उनकी जीत की आधारशिला थी। शिवाजी ने एक ऐसे संप्रभु और स्वदेशी साम्राज्य की स्थापना की, जिसमें प्रजाजनों का हित संरक्षण सर्वोपरि था।

प्रसंगवश

भ्रष्टाचार की गहराती जड़ों पर करना होगा दमदारी से प्रहार

पुलिस, परिवहन, पंचायत, नगर निकाय और राजस्व से जुड़े कामों में तो सबसे ज्यादा घूसखोरी और भ्रष्टाचार है।

भ्रष्टाचार की जड़ें न केवल गहरी होती जा रही हैं बल्कि इन जड़ों का ओर-छोर भी कहीं नजर नहीं आता। सरकारें भ्रष्टाचार को लेकर जीरो टॉलरेंस की बातें तो करती हैं लेकिन हकीकत में हो यह रहा है कि रिश्वत के रूप में वसूली गई रकम में शून्य बढ़ रहे हैं। ताजा प्रकरण में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने टेंडरों में हेराफेरी के मामले में राज्य सड़क विकास एवं निर्माण निगम लिमिटेड (आरएसआरडीसी) के एमडी के सलाहकार के अलावा दो अन्य अफसरों को घूस की बड़ी रकम लेते हुए गिरफ्तार किया गया है। जो अफसर पकड़े गए उनके घर और अन्य ठिकानों की सर्च में 1.32 करोड़ रुपए नकद, अकूत सोना-चांदी और नोट गिनने की मशीन भी मिली। क्या बिना सांठगांठ के कोई भी इतनी बड़ी रकम पर हाथ मारने का दुस्साहस कर सकता है?

सरकारी महकमों में सेवानिवृत्ति के बाद संविदा पर लगे कई अफसरों को संबंधित विभागों में भ्रष्टाचार पनपाने की हर सुरंग का पता होता है। देखा जाए तो आज किसी भी कार्यालय में बिना सुविधा शुल्क के कोई काम होता ही नहीं। पुलिस, परिवहन, पंचायत, नगर निकाय और राजस्व से जुड़े कामों में तो सबसे ज्यादा घूसखोरी और भ्रष्टाचार है। प्रक्रिया की पेचीदगियां इतनी कि ईमानदारी से एक कागज आगे नहीं सरकाया जा सकता। निर्माण क्षेत्र में भ्रष्टाचार को तो ज्यादा आसान माना जाता है। सड़कें, भवन, पुल आदि बनाने के लिए बजट जितना मंजूर होता है उसका नाममात्र खर्च करो और बाकी रकम की बंदरबांट शुरू कर दो। छोटी मछलियों को पकड़ना बहुत आसान है, इससे विभाग को वाहवाही लूटने में भी आसानी रहती है। लेकिन हर बार सवाल यही उठता है कि भ्रष्टाचार के शिखर पर बैठे मगरमच्छों को आखिर किनकी शह पर बचाया जाता है? यह भी सच है कि बड़े घपले-घोटाले बिना राजनीतिक संरक्षण के नहीं हो सकते। इसलिए सबसे पहले अफसर व कार्मिकों के राजनीतिक कनेक्शन पर ही प्रहार होना चाहिए। ऐसे बीसियों उदाहरण मिल जाएंगे जब पकड़े गए भ्रष्टाचारियों के रसूख के कई उदाहरण सामने आते हैं। राजस्थान में अब देश भर की तरह ही चुनावों का दौर खत्म हो गया है। उम्मीद की जानी चाहिए कि प्रदेश की सरकार अब भ्रष्टाचार की जड़ें खोदने का काम शुरू करेगी। क्योंकि जब तक भ्रष्टचार की जड़ों पर प्रहार नहीं होगा जनता की गाढ़ी कमाई का धन यों ही रिश्वतखोरों की जेब में जाता रहेगा।

– रमेश शर्मा
ramesh.sharma@epatrika.com

वाइट सिटी: पहाड़ों पर बसा अनोखा शहर

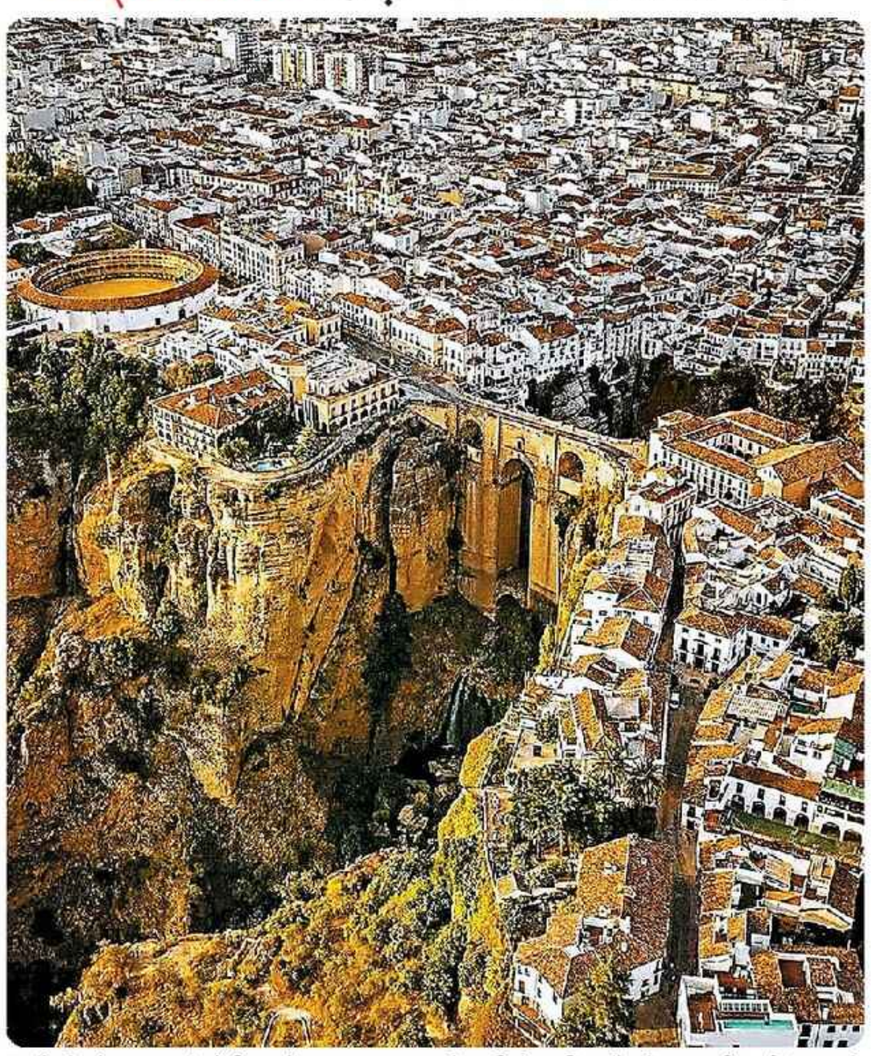

यह है स्पेन के मलागा प्रांत में स्थित रोंडा शहर। यह शहर दो पहाड़ियों पर स्थित है, जो एक गहरी खाई (एल ताजो डी रोंडा) से विभाजित हैं, जिसमें ग्रांडे नदी है, जो गुआडियारो नदी की सहायक नदी है। इस खाई को कई पुलों के जरिए पार किया जाता है। यह शहर एक प्राचीन इबेरियन बस्ती पर स्थित है। रोमन काल में इसे एसिनीपो के नाम से जाना जाता था। यह 8वीं से 15वीं शताब्दी तक मूरों के कब्जे में था। यहां रोमन और मूरिश दोनों अवशेष बचे हुए हैं। यह शहर अपनी सफेद रंग की इमारतों के लिए भी प्रसिद्ध है।

यह भी जानें: क्यों जीवन से जुड़ गया है यह मुद्दा

भारत ही नहीं, पूरी दुनिया को झकझोर रहा है बढ़ता तापमान

नई दिल्ली में पिछले दिनों का उच्चतम तापमान असाधारण है। पिछले वर्षों में दुनिया के कई देशों में भी रेकॉर्ड-ब्रेकिंग तापमान दर्ज किए गए हैं। उदाहरण के लिए यूनाइटेड किंगडम में जुलाई 2022 में पहली बार तापमान 40 डिग्री पार कर गया तो चीन के उत्तर-पश्चिम के एक छोटे शहर मे पिछले साल 52 डिग्री तापमान दर्ज किया गया था। यह चीन में अबतक का सबसे अधिक दर्ज तापमान है। 2021 में इटली के सिसिली में 48.8 डिग्री तापमान था जो यूरोप में अब तक का सबसे अधिक तापमान है। पिछले साल क्लाइमेट चेंज पर यूके के एक प्रकाशन कार्बन ब्रीफ ने विश्लेषण किया था जिसमें सामने आया कि वर्ष 2013-2023 के बीच धरती के लगभग 40 फीसद हिस्से पर अब तक का उच्चतम दैनिक तापमान था। इसमें अंटार्कटिका की जगहें भी शामिल हैं। इस अवधि के दौरान भारत में सबसे अधिक तापमान राजस्थान के फलोदी में दर्ज किया गया।

आबादी के लिए कोई राहत नहीं

रेकॉर्ड टूटा या नहीं, लेकिन इस बात में कोई संदेह नहीं कि दिल्ली और अधिकांशतः उत्तर भारत के इलाकों सबसे भीषण गर्मी पड़ रही है। ज्यादातर स्थानों पर, अधिकतम तापमान सामान्य से 5 से 10 डिग्री अधिक है। तथ्य तो यह है कि भीषण गर्मी से जूझ रही आबादी के लिए कोई सांत्वना या राहत नहीं है। जलवायु से जुड़े एक संगठन क्लाइमेट ट्रेंड्स की निदेशक आरती खोसला कहती हैं- 'स्पष्ट रूप से हीटवेव आज भारत के लिए सबसे बड़ा खतरा है। दिल्ली और एनसीआर में तापमान इस बात का सबूत है कि मुद्दा अब जीवित रहने से जुड़ गया है।'

बना नया रेकॉर्ड

अनुमान लगाया गया था कि वर्ष 2024 अत्यधिक गर्म रहेगा। वैश्विक स्तर पर पिछला वर्ष को सबसे गर्म वर्ष के रूप में रेकॉर्ड किया गया था और इसका असर इस साल भी लगातार जारी है। यूरोपीय कमीशन की एक एजेंसी कॉपरनिक्स क्लाइमेट चेंज सर्विस के अनुसार, अप्रेल 2024 लगातार 11वां महीना था जब उस माह के लिए वैश्विक औसत मासिक तापमान एक नए रेकॉर्ड पर पहुंच गया था।

प्रचंड हीट वेव

पूरे भारत में हीटवेव की लहरें ज्यादा प्रचंड हैं। फरवरी 2023 में भी हीटवेव के हालात थे। दिल्ली और ज्यादातर उत्तर भारत में उच्च तापमान का मौजूदा दौर मुख्यतः इसलिए विलक्षण लग रहा है क्योंकि इसकी तुलना सामान्य तापमान से की जा रही है जो 1981-2010 की अवधि के औसत पर आधारित है। आगे चलकर, 45 डिग्री से अधिक के तापमान के बहुत जल्द ही सामान्य की गिनती में हो जाने की संभावना है।

56.7 डिग्री तापमान 1913 में यूएस के कैलिफोर्निया के रेगिस्तान में डेथ वैली नामक स्थान पर दर्ज किया गया था। यह तापमान अब तक का सबसे अधिक दर्ज तापमान है।

0.7 डिग्री बढ़ गया है भारत का वार्षिक औसत तापमान लगभग 1900 के स्तर की तुलना में। यह दुनिया भर में धरती के औसत तापमान में 1.59 डिग्री की वृद्धि से काफी कम है।

ब्रिटेन में चुनाव : विदेशी और घरेलू दोनों नीतियों पर प्रवासी भारतीयों का महत्त्वपूर्ण प्रभाव नजर आता है

प्रवासी भारतीयों को लुभाने के किए जा रहे प्रयास

हरेंद्रसिंह जोधा
प्रवासी भारतीय और राजस्थान एसोसियेशन यूके के समन्वयक
@patrika.com

कन्जर्वेटिव पार्टी हो या लेबर पार्टी, दोनों पार्टियां भारतीय मूल के लोगों के साथ जुड़ने का महत्त्व समझते हैं। उम्मीद है कि नई सरकार भारत ओर ब्रिटेन के बीच रिश्तों के नए आयाम स्थापित करेगी।

भारत और ब्रिटेन के मधुर हुए रिश्तों में प्रवासी भारतीयों का अपूर्व व विशिष्ट योगदान रहा है। प्रधानमंत्री ऋषि सुनक आम चुनाव की घोषणा कर चुके हैं। उन्होंने घोषणा की है कि 4 जुलाई को ब्रिटेन में आम चुनाव होंगे। आगामी चुनाव में क्या होगा, यह तो समय बताएगी, लेकिन ऋषि सुनक की उन्नति न केवल ब्रिटिश भारतीयों की उल्लेखनीय उपलब्धियों का प्रतीक है, बल्कि यूके के राजनीतिक परिदृश्य में भारतीय प्रवासियों का बढ़ता प्रभाव भी रेखांकित करती है। भारत-ब्रिटेन संबंधों पर ब्रिटिश चुनावों का प्रभाव बहुआयामी है, जिसमें ऐतिहासिक संबंध, प्रवासी प्रभाव और आर्थिक संभावनाएं शामिल हैं।

यूनाइटेड किंगडम में प्रवासी भारतीय अब देश का सबसे बड़ा प्रवासी समूह है। यह समुदाय युवा वर्ग, तेजी से बढ़ते और अपेक्षाकृत अच्छी तरह से शिक्षित व्यक्तियों को मिला कर यूके में सबसे अधिक कमाई करने वाले जातीय समूहों में से एक बन गया है। 2011 की जनगणना के अनुसार, भारतीय मूल के लगभग 1.4 मिलियन लोग यूनाइटेड किंगडम में रहते हैं, जो कुल जनसंख्या का 2.5 प्रतिशत है।

सन 2019 के ब्रिटिश चुनाव में भारतीय मूल के 15 संसद सदस्यों (सांसदों) ने पदभार संभाला था, जिनमें दो हाई-प्रोफाइल कैबिनेट मंत्री भी शामिल थे। ब्रिटेन के शीर्ष 100 उद्यमियों में से 9 और 20 सबसे धनी निवासियों में से तीन भारतीय मूल के हैं। इसके अतिरिक्त, भारतीय व्यापार जगत के दिग्गज यूके में घरों में निवेश करते हैं। यह देश विदेश में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले भारतीय छात्रों के लिए एक पसंदीदा स्थल बना हुआ है। यहां 1.8 मिलियन की आबादी के साथ, हम कड़ी मेहनत, उद्यम, सामुदायिक भावना और सेवा के मूल्यों को अपनाते हैं। राष्ट्रमंडल नागरिकों के रूप में देश में स्थानीय और आम चुनावों में मतदान करने का भी मौका मिलता है। लोकतंत्र हमारे डीएनए में गहराई से अंतर्निहित है।

वर्ष 2024 के आम चुनाव महत्त्वपूर्ण मुद्दों पर हमारी प्राथमिकताओं को व्यक्त करने का एक महत्त्वपूर्ण अवसर खोलेंगे चाहे वह स्कूलों में निवेश बढ़ाने की वकालत हो या बेहतर स्वास्थ्य देखभाल परिणामों की, भारतीय मूल के प्रवासियों की भागीदारी मायने रखती है। विशेष रूप से, भारतीय मूल के 60,000 से अधिक चिकित्सा पेशेवर राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनएचएस) में सेवा करते हैं। ऐतिहासिक रूप से, ब्रिटिश भारतीय-अधिकतर लेबर पार्टी के कट्टर समर्थक रहे हैं। हालिया सर्वेक्षण डेटा और वास्तविक साक्ष्य समुदाय के राजनीतिक झुकाव में बदलाव का संकेत देते हैं। माना जाता है कि ब्रिटिश भारतीयों का रुझान अब लेबर पार्टी से दक्षिणपंथी कन्जर्वेटिव पार्टी की ओर हो रहा है।

भारतीय प्रवासियों का विस्तार यूनाइटेड किंगडम में विदेशी और घरेलू दोनों नीतियों पर महत्त्वपूर्ण प्रभाव डालता है। सन 2014 में सत्ता संभालने के बाद से, भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी विदेश नीति के केंद्रीय तत्व के रूप में भारतीय प्रवासियों तक पहुंच को प्राथमिकता दी है। उनके उद्देश्यों में भारतीय हितों का समर्थन करने के लिए उनकी वित्तीय, मानवीय और राजनीतिक पूंजी का लाभ उठाना, पर्याप्त प्रवासी आबादी वाले अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के साथ घनिष्ठ संबंध को बढ़ावा देना शामिल है। विशेषज्ञों का मानना है कि ब्रिटेन की विदेश नीति और घरेलू राजनीति आपस में जुड़ी हुई हैं, जो ब्रिटिश भारतीयों की मतदान प्राथमिकताओं में अंतर्निहित बदलाव को प्रभावित कर रही है। उदाहरण के लिए, लेबर पार्टी को भारत के घरेलू मामलों की आलोचनात्मक नीति अपनाने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा है। कश्मीर को लेकर उनकी मुखरता भारतीयों के बीच अत्यधिक अलोकप्रिय थी।

लेबर पार्टी ने ब्रिटेन के सबसे बड़े जातीय अल्पसंख्यक समूह के बीच अपने समर्थन में गिरावट को समझते हुए कई उपाय किए हैं। ब्रिटिश भारतीयों से सीधे जुड़ने और उनकी चिंताओं के निराकरण के लिए सामुदायिक आउटरीच स्वयंसेवकों को काम पर रखा है। पाटी संवाद और सहयोग को बढ़ावा दे रही है। ऐसा सन्देश देने की कोशिश की गई कि कीर स्टार्मर के नेतृत्व में परिवर्तित लेबर पार्टी, कामकाजी लोगों की सेवा करने और भारतीय समुदायों सहित विविध पृष्ठभूमि और विश्वासों से जुड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। ब्रिटेन की सरकार बहुआयामी चुनौतियों से जूझ रही है। यूके को आर्थिक विकास और समृद्धि की ओर ले जाने के लिए सही नीतियों के प्रभावी कार्यान्वयन की जरूरत है। दोनों पार्टियां भारतीय समुदाय के साथ जुड़ने का महत्त्व पहचानती हैं। उम्मीद है कि नई सरकार भारत और ब्रिटेन के बीच रिश्तों के नए आयाम स्थापित करेगी।

आपकी बात

विश्वसनीयता पर सवाल

सर्वे ठीक से नहीं करने के कारण देश के टीवी चैनल एग्जिट पोल के मामले में अपनी विश्वसनीयता खो चुके हैं। झूठे एग्जिट पोल गुमराह करने वाले होते हैं।

-डॉ. राजेन्द्र कुमावत, जयपुर

आज का सवाल

गठबंधन सरकार चलाने में किस तरह की समस्याएं आती हैं?

ईमेल करें
edit@epatrika.com

patrika.com पर पढ़ें

पाठकों की प्रतिक्रियाएं

पत्रिकायन का सवाल था, 'एग्जिट पोल की विश्वसनीयता पर सवाल क्यों उठते हैं?' ऑनलाइन भी देखें।
rb.gy/itqu7p
इसे स्कैन करें

बस्तर में प्री मानसून सक्रिय, बादलों ने डाला डेरा

बदलता मौसम : ज्यादातर जिलों में बादल छाए, 50 किमी तक प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही हवाएं

मानसून की आहट, बस्तर में 9 जून तक एंट्री करने के आसार

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

रायपुर. मानसून की दस्तक से पहले प्री-मानसून सक्रिय हो गया है। प्रदेश भर में बादल छाए हुए हैं। शाम होते ही हवा की गति 30 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चल रही है। मानसून की अभी उत्तरी सीमा गोवा, गडग, नारायणपेट, नरसपुर और इस्लामपुर है। दक्षिण से आने वाली नम हवाओं के वजह से अगले 24 घंटे के दौरान धूप, बादल के बीच रायपुर सहित संभाग के जिलों में कहीं-कहीं गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने की संभावना जताई है।

अधिकतम तापमान भी 42 डिग्री सेल्सियस के ऊपर बना रहा। मौसम विभाग के अनुसार दक्षिण पश्चिमी मानसून तेजी से आगे बढ़ रहा है। 9 से 10 जून तक बस्तर में एंट्री कर सकता है। मौसम विशेषज्ञ एचपी चंद्रा के मुताबिक रायपुर में मानसून 13 जून तक पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। इसके पहले प्री मानसून से शहर तरबतर करने के लिए मौसमी प्रणालियां सक्रिय हो रही हैं।

नहीं बढ़ेगा पारा : बीती रात हुई बारिश से रात के तापमान में 6 से 7 डिग्री तक की गिरावट दर्ज की गई है। दिन में तापमान में 2 से 3 डिग्री तक कम हुआ है। उमस से लोग अभी भी परेशान हैं। अगले 5 दिनों में छत्तीसगढ़ में अधिकतम तापमान में कोई विशेष परिवर्तन होने की संभावना नहीं है।

पारा मीटर

जिला	अधि.	न्यू.
राजनांदगाव	42.0	28.0
रायपुर	41.0	27.0
अंबिकापुर	40.3	25.7
पेण्ड्रारोड	39.9	23.0
दुर्ग	39.4	26.6
बिलासपुर	37.0	26.4
जगदलपुर	35.9	23.0

तापमान डिग्री सेल्सियस में

बालोद : मोबाइल देख रहे 2 बच्चों पर गिरी बिजली

बालोद. डौंडीलोहारा विकासखंड के ग्राम संजारीटोला बस्ती में घर के खटाल (कोठा) में खेलते-खेलते मोबाइल देख रहे राम खिलावन के दो बेटों योगेश (14) व खेमराज (12) के ऊपर आकाशीय बिजली गिर गई, जिससे उनकी मौत हो गई।

दुर्ग संभाग : बेमेतरा में अंधड़ से सैकड़ों पेड़ गिरे, 18 घंटे बिजली गुल

राजनांदगांव/कवर्धा/बेमेतरा . नौतपा खत्म होते ही अब मौसम ने भी करवट बदलना शुरु कर दिया है। प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में बारिश के साथ तेज हवाएं चल रही हैं। राजनांदगांव में दोपहर को गरज-चमक के साथ बारिश हुई। वहीं कवर्धा में मंगलवार की शाम लगभग आधे घंटे तक बारिश हुई। बुधवार को भोर में भी 5 से 6 बजे के बीच हल्की बारिश हुई। बेमेतरा में बीती रात आंधी-तूफान के साथ कुछ देर की बारिश ने हाहाकार मचा दिया। शहर में 21 बिजली के खंभे गिरने से कई वार्डों में 18 घंटे से ज्यादा देर तक बिजली गुल रही। एक तीन मंजिले इमारत में लगा एक निजी कंपनी का मोबाइल टॉवर जनपद के पुराने कार्यालय पर गिर गया।

रायगढ़

मां ने डेढ़ साल के दुधमुहे की गला दबाकर हत्या की

पत्रिका ब्यूरो @ रायगढ़. मां ने अपने डेढ़ साल के दुधमुंहे की गला दबाकर हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक घरघोड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बरौनाकुंडा निवासी लक्ष्मी धोबी (21) बीते 4 जून की रात डेढ़ साल के बच्चे आयुष धोबी के साथ कमरे में सोई थी। वहीं उसका पति मधुकुमार धोबी घर के बाहर बरामदे में सोया था। महिला की रात करीब साढ़े तीन बजे नींद खुली तो वह अपने बच्चे की गला दबाकर हत्या कर दी। इसी बीच पति सहित अन्य की नींद भी खुली और उन्हें यह जानकारी लगी की महिला ने अपने बच्चे की हत्या कर दी है। परिजनों ने इसकी जानकारी गांव के अन्य लोगों के साथ पुलिस को दी। सूचना पर मौके पहुंची पुलिस ने जब आरोपी महिला से पूछताछ की तो महिला ने बताया कि वह कुछ दिनों से खुदकुशी करने पर विचार कर रही थी, लेकिन उसका बच्चा अनाथ हो जाएगा यह सोच नहीं कर पा रही थी। पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है।

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की शर्मनाक हार के लिए जिम्मेदार कौन: साव

रायपुर@पत्रिका. उपमुख्यमंत्री साव ने लोकसभा चुनाव में प्रदेश में कांग्रेस की शर्मनाक हार पर सियासी हमला बोला है। उन्होंने कहा, छत्तीसगढ़ में भाजपा की शानदार और ऐतिहासिक जीत हुई है। कांग्रेस के तमाम फरेब, दुष्प्रचार और झूठ के बावजूद 11 में से 10 सीटें भाजपा ने जीती हैं। इससे यह साफ है कि प्रदेश की जनता को कांग्रेस पर अब कतई भरोसा नहीं रह गया है। कांग्रेस ने प्रदेश के अपने सारे बड़े नेताओं को चुनाव के मैदान में उतारा था और वह सभी के सभी चुनाव हारे। साव ने कहा, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सहित कांग्रेस के सभी दिग्गजों की शर्मनाक हार हुई है। अपने गृह लोकसभा क्षेत्र में पूर्व मुख्यमंत्री के रहते 4.38 लाख वोटों से कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा है।

जनादेश 2024 : समीक्षा के बाद शीर्ष नेतृत्व को भेजा जाएगा रिपोर्ट कार्ड

कोरबा में दो कैबिनेट मंत्री, एक के क्षेत्र में भाजपा को शिकस्त

5 मंत्रियों के क्षेत्र में विधानसभा की तुलना में लोकसभा में मिले कम वोट

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

रायपुर. छत्तीसगढ़ में हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा अपनी पुरानी साख पाने में कामयाब रही। वहीं निराशाजनक बात यह है कि जिस लोकसभा क्षेत्र में भाजपा के दो मंत्री है, वहां हार का सामना करना पड़ा। हालांकि यह दो में से एक ही मंत्री के क्षेत्र में कम वोट मिले हैं। दूसरे मंत्री का प्रदर्शन संतोषजनक रहा। इसके अलावा एक मंत्री का क्षेत्र ऐसा है, जहां भाजपा को लीड मिली, लेकिन पिछले लोकसभा चुनाव की तुलना में वोट कम हो गए। वहीं विधानसभा में ऐतिहासिक जीत दर्ज कराने वाले 5 मंत्री अपने लोकसभा प्रत्याशियों को लीड तो दिलाई, लेकिन विधानसभा की तुलना में वोट कम मिले। प्रदेश में भाजपा को कोरबा लोकसभा सीट में हार का सामना करना पड़ा। यहां मनेन्द्रगढ़ से श्याम बिहारी जायसवाल और कोरबा से लखन देवांगन मंत्री हैं। मनेन्द्रगढ़ से भाजपा प्रत्याशी सरोज पांडेय को कांग्रेस प्रत्याशी ज्योत्सना महंत की तुलना में 4532 वोट कम मिले। यहां पिछले विधानसभा चुनाव में श्याम बिहारी जायसवाल को 48503 वोट मिले थे। जबकि सरोज को 42193 वोट ही मिल सकें। जबकि कोरबा विधानसभा क्षेत्र में सरोज को लीड मिली। यह मंत्री लखन देवांगन का विधानसभा क्षेत्र हैं। यहां देवांगन को विधानसभा चुनाव में 92029 वोट मिले थे। जबकि सरोज को 1 लाख 4 हजार 152 वोट मिले हैं।

रिपोर्ट कार्ड की होगी समीक्षा: लोकसभा चुनाव में भाजपा ने अपने मंत्रियों को कई जिम्मेदारी दी थी। साथ ही कहा था कि वो अपने-अपने क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी को लीड दिलाए। बताया जाता है कि जल्द ही भाजपा लोकसभा चुनाव की पूरी समीक्षा करेगी। इसके आधार पर सभी मंत्रियों का रिपोर्ट कार्ड तैयार होगा। भाजपा संगठन स्तर पर कमजोर क्षेत्र की कमियों को दूर करने का प्रयास करेगी।

इन मंत्रियों को विधानसभा चुनाव में मिले थे ज्यादा वोट

अरुण साव	विजय शर्मा	केदार कश्यप	लक्ष्मी राजवाड़े	श्याम बिहारी जायसवाल
विधानसभा 2023	विधानसभा 2023	विधानसभा 2023	विधानसभा 2023	विधानसभा 2023
75070	144257	69110	105162	48503
लोकसभा 2024	लोकसभा 2024	लोकसभा 2024	लोकसभा 2024	लोकसभा 2024
72486	125803	59237	98495	42193

दोनों डिप्टी सीएम के क्षेत्र में विधानसभा चुनाव से कम वोट मिले

छह महीने में पांच विधानसभा क्षेत्र में वोटों के अंतर में कमी दिखी है। डिप्टी सीएम अरुण साव लोरमी और विजय शर्मा कवर्धा में विधानसभा चुनाव में अधिक मतों से जीते थे। ठीक इसके बाद करीब छह महीने में हुए लोकसभा चुनाव में दोनों डिप्टी सीएम ने लोकसभा चुनाव में अपने प्रत्याशियों को बढ़त तो दिलाई, लेकिन उनको विधानसभा चुनाव में मिले वोट से कम वोट लोकसभा प्रत्याशी को मिले। अरुण साव को विधानसभा चुनाव में 75070 वोट मिले। जबकि लोकसभा प्रत्याशी को 72486 वोट मिले। वहीं साव पिछले लोकसभा चुनाव साव सांसद प्रत्याशी थे और उन्हें 71081 वोट मिले थे। जबकि वर्तमान लोकसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी को 72486 वोट मिले हैं। वहीं विजय शर्मा को विधानसभा चुनाव में 144257 वोट मिले थे। जबकि लोकसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी को 125803 वोट मिले। वहीं मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी को 101643 वोट मिले थे। जबकि इस बार 98495 वोट मिले हैं।

बृजमोहन को अपने से ज्यादा मूणत के क्षेत्र में बढ़त

रायपुर लोकसभा के भाजपा प्रत्याशी बृजमोहन अग्रवाल ने सभी ज्यादा वोटों में चुनाव जीतने में सफल हुए। उन्हें सभी विधानसभा सीट से बढ़त मिली। इसमें खास बात यह है कि बृजमोहन को अपने विधानसभा क्षेत्र से ज्यादा बढ़त राजेश मूणत के विधानसभा क्षेत्र से मिली है। मूणत के विधानसभा क्षेत्र से बृजमोहन को 125250 वोट मिले हैं। जबकि बृजमोहन को अपने विधानसभा क्षेत्र से 124884 वोट मिले हैं।

हेराफेरी : गायत्री विद्यापीठ का मामला

ईपीएफ राशि में एकाउंटेंट ने किया 40 लाख रुपए का गबन, केस दर्ज

पत्रिका ब्यूरो @ राजनांदगांव . शहर में संचालित गायत्री विद्यापीठ के कर्मचारियों के ईपीएफ राशि में हेराफेरी कर एकाउंटेंट द्वारा 40 लाख रुपए के गबन करने का मामला सामने आया है। संस्था के संचालक ने मामले की शिकायत कोतवाली थाने में की है। पुलिस ने आरोपी एकाउंटेंट के खिलाफ धारा 408 के तहत गबन का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार गायत्री विद्यापीठ के संचालक बृजकिशोर सुरजन ने शिकायत दर्ज कराई है कि संस्था के तत्कालीन हेड एकाउंटेंट उत्तम बिश्वास द्वारा कर्मचारियों के ईपीएफ की राशि 40 लाख 48 हजार 806 रुपए गबन किया गया है।

गायत्री विद्यापीठ के संचालक ने संस्थान के कर्मचारियों की ईपीएफ राशि 40 लाख का गबन करने के आरोप में संस्था के तत्कालीन एकाउंटेंट के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत पर तात्कालीन एकाउंटेंट के खिलाफ अपराध दर्ज कर विवेचना की जा रही है।
एमन साहू, टीआई कोतवाली

फर्जी दस्तावेज और क्यूआर कोड का इस्तेमाल

शिकायत में कहा गया है कि मामले का खुलासा तब हुआ जब ईपीएफ विभाग की इनफोर्समेंट ऑफिसर नाजमीन केपी संस्थान पहुंचे और बताया कि यहां कार्यरत कर्मचारियों की ईपीएफ कटौती की राशि विगत चार माह से जमा नहीं कराई जा रही है। इस पर संस्थान द्वारा उन्हें जमा कराई गई राशि की पावती दिखाई गई। इन पावतियों की जांच कर उन्होंने पावतियां नकली और फर्जी होने का खुलासा किया। इस दौरान संस्था के तत्कालीन हेड एकाउंटेंड उत्तम बिश्वास निवासी राधिका नगर सुपेला भिलाई से कड़ाई से पूछताछ करने पर मामला खुल गया। आरोपी ने वर्ष 2019 से फर्जी दस्तावेज तैयार कर और फर्जी क्यूआर कोड का इस्तेमाल कर विद्यालय के पंजाब नेशनल बैंक के खाते से कर्मचारियों के ईपीएफ राशि 40 लाख 48 हजार 806 रुपए गबन करना स्वीकार कर लिया।

साय सरकार : एक रायपुर क्लस्टर और दूसरा बस्तर कलस्टर से संभावित

जून के आखिरी या जुलाई के पहले सप्ताह में बन सकते हैं दो नए मंत्री

रायपुर@पत्रिका. लोकसभा चुनाव में साय सरकार के शिक्षामंत्री एवं कद्दावर नेता अग्रवाल को बंपर वोटों से जीत मिलने के बाद उनके स्थान में मंत्री के नामों को लेकर प्रदेश भाजपा और आम लोगों में चर्चा तेज हो गई। कयासों का दौर हर किसी के जुबान चलने लगा है। लोग अपने-अपने हिसाब से नाम भी लेने लगे हैं। बताया जाता है कि साय सरकार में जून के आखिरी सप्ताह या फिर जुलाई के प्रथम सप्ताह में दो नए मंत्री बनाए जा सकते हैं। क्योंकि 12 जुलाई के बाद विधानसभा का मानसून सत्र शुरू हो सकता है। इसलिए कम से कम एक सप्ताह पहले बृजमोहन अग्रवाल की जगह पर मंत्री बनाना जरूरी है। क्योंकि बृजमोहन अग्रवाल शिक्षा मंत्री के साथ-साथ संसदीय कार्यमंत्री भी हैं।

एक रायपुर, दूसरा बस्तर लस्टर से: बताया जाता है कि साय कैबिनेट में खाली दो मंत्री पद में से एक मंत्री रायपुर क्लस्टर और दूसरा मंत्री बस्तर कलस्टर से बनाए जा सकते हैं। क्योंकि बस्तर क्लस्टर से फिलहाल एक ही मंत्री है केदार कश्यप। इसी तरह रायपुर चूंकि राजधानी है इस लिहाज से एक मंत्री तो रायपुर से होना चाहिए। लेकिन मंत्री क्या सीनियर विधायकों को बनाया जाएगा या नए विधायकों को इस पर फिलहाल मंथन भी शुरू हो गया है। इन सब कयासों के अलावा एक बात साफ है कि भाजपा शीर्ष नेतृत्व की मुहर लगने के बाद मंत्री के नाम फाइनल होंगे। इसलिए मंत्री पद की चाह रखने वाले सीनियर और जूनियर विधायकों ने सीधे दिल्ली के आला नेताओं से कनेक्शन बिठाने में लगे हुए है।

चर्चा यह भी फिलहाल एक मंत्री, निकाय चुनाव के बाद दूसरा

वहीं, सियासी गलियारे में यह भी चर्चा है कि साय कैबिनेट में खाली दो मंत्री पद में से पहले एक ही पद भरे जा सकते हैं। जबकि दूसरा मंत्री पद जो अभी तक भरे नहीं गए हैं, उस पर नगरीय निकाय चुनाव के बाद भरे जा सकते हैं। क्योंकि निकाय चुनाव में भी भाजपा संगठन विधायकों के परफारमेंस देखेगी। इसके बाद किसी मंत्री पद से नवाजा जा सकता है।

कोरबा : कलेक्टर की अनुशंसा पर कार्रवाई

दो प्रधान पाठकों को 60.31 लाख का फर्जी भुगतान, कटघोरा बीईओ निलंबित

पत्रिका ब्यूरो @ कोरबा. दो सेवानिवृत्त प्रधान पाठकों को 60.31 लाख रुपए का फर्जी भुगतान मामले में लोक शिक्षण संचालनालय ने कटघोरा बीईओ ईश्वर प्रसाद कश्यप को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई कलेक्टर की अनुशंसा पर की गई है। संचालनालय के आदेश के मुताबिक कटघोरा बीईओ ने प्रधान पाठक शरद चंद्रभूषण लाल फरवरी 2023 में सेवानिवृत्त हो गए थे। बावजूद इसके बीईओ ने पीपीओ के आधार पर उपादान राशि 18 लाख 63 हजार 130 रुपए आहरण कर भुगतान कर दिया। इसके बाद 16 लाख 76 हजार 817 रुपए और आहरण कर प्रधान पाठक शरद चंद्रभूषण के खात में जमा कर दिया। इसके अलावा शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला गोपालपुर में पदस्थ प्रधान पाठिका मेरी लाल सितंबर 2018 में चिकित्सा आवेदन अवकाश पर चली गई थी। इस अवधि में जून 2022 को बिना कार्यभार ग्रहण किए सेवानिवृत्त हो गई थीं। लेकिन कटघोरा बीईओ ने प्रधान पाठिका मेरी लाल का फर्जी उपस्थिति पंजी के आधार पर 31 माह का वेतन राशि 24 लाख 91 हजार 554 रुपए का भुगतान कर दिया है। इस पर जांच के बाद कलेक्टर की अनुशंसा पर लोक शिक्षण संचालनालय ने कार्रवाई की है।

कांगेर घाटी | लाखों सैलानी करेंगे स्काईवॉक, पर्यटन को लगेंगे पंख

अब ग्लास ब्रिज के सहारे दिखेगा तीरथगढ़ का नजारा

एक्सक्लूसिव

मनोज साहू
patrika.com

जगदलपुर. अपनी नैसर्गिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र के तीरथगढ़ जलप्रपात में अब ग्लास ब्रिज का निर्माण होने जा रहा है। तीरथगढ़ जलप्रपात में अब पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए देश का तीसरा सबसे बड़ा ग्लॉस ब्रिज बनने जा रहा है। इस ब्रिज पर से गुजरकर अब पर्यटक इस 82 मीटर से ऊंचे जलप्रपात की छटा को निहार सकेंगे। इस पर स्काईवाक करने का आनंद उठाने वालों की वजह से यहां के पर्यटन उद्योग का पंख लग जाएंगे।

पुणे की टीम बस्तर पहुंची, ब्रिज बनाने सर्वे शुरू

प्रस्तावित डिजाइन

जलप्रपात की ऊंचाई: करीब 90 फीट | **पर्यटकों की आमद:** हर साल एक लाख से ज्यादा देशी-विदेशी सैलानी पहुंचते हैं | **ग्लास ब्रिज की लंबाई:** 300 मीटर | **बजट :** 3 करोड़ रुपए

छत्तीसगढ़ में पहला ग्लास ब्रिज

बस्तर के सुरम्य वादियों में स्थित तीरथगढ़ के आकर्षक जलप्रपात में बनने वाला यह ग्लास ब्रिज छत्तीसगढ़ प्रदेश का पहला ब्रिज होगा। इसके अलावा यह देश का तीसरा ब्रिज होगा। पहला ग्लॉस ब्रिज सिक्किम में तो दूसरा बिहार के राजगीर में है। तीरथगढ़ में कांगेरघाटी राष्ट्रीय उद्यान और पर्यटन विभाग की ओर से बनाए जा रहे ग्लास ब्रिज में स्काई वॉक कर सकेंगे। इस ब्रिज के निर्माण के लिए पुणे से विशेषज्ञों की टीम सर्वे शुरू कर चुकी है। इसके निर्माण में लगभग तीन करोड़ खर्च आने की संभावना है।

बस्तर में कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान के तीरथगढ़ में इस ब्रिज का निर्माण कराया जा रहा है। इसके बनने से यहां के सैलानियों को यहां के जलप्रपात और प्राकृतिक नजारों को देखने में आसानी होगी। इस कार्य के लिए पुणे की टीम यहां पहुंच रही है।
-राजेश कुमार पांडेय,
मुख्य वन संरक्षक इंद्रावती टायगर रिजर्व एवं क्षेत्रीय निदेशक

जहां-जहां सभाएं की वहां अधिकतर सीटों पर भाजपा का परचम लहराया

दूसरे राज्यों में भी चला साय का जादू

रायपुर@पत्रिका. छत्तीसगढ़ में 10 सीटों सहित पूरे देश में भाजपा नीत एनडीए गठबंधन ने 293 सीटों पर जीत हासिल की है। इसके साथ ओडिशा विधानसभा चुनाव में पहली बार भाजपा ने बहुमत हासिल किया है, तो दूसरी ओर आंध्रप्रदेश विधानसभा चुनाव में भी एनडीए गठबंधन को पूर्ण बहुमत हासिल हुई है। छत्तीसगढ़ सहित मध्यप्रदेश और ओडिशा में भाजपा की प्रचंड जीत में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का अहम योगदान रहा। उन्होंने जहां-जहां सभाएं की वहां अधिकतर जगहों में भाजपा का परचम लहराया। साय का छत्तीसगढ़ में 91 प्रतिशत, मध्यप्रदेश में 100 प्रतिशत और ओडिशा में 86 प्रतिशत सक्सेस स्ट्राइक रेट रहा। इसलिए लोग अब विष्णु देव साय को सुपर स्ट्राइकर सीएम की संज्ञा दे रहे हैं। छत्तीसगढ़ की सभी 11 लोकसभा सीटों में सीएम साय ने कुल 64 जनसभाएं एवं रोड शो की। सीएम साय ने ओडिशा में भी जमकर पसीना बहाया।

नीम, रुद्राक्ष और चीकू के पौधे रोपे

विश्व पर्यावरण दिवस पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बुधवार को अपनी धर्मपत्नी कौशल्या साय एवं परिवार जनों के साथ अपने निवास परिसर में चीकू, नीम और रुद्राक्ष का पौधा रोपा। उन्होंने इस अवसर पर प्रदेशवासियों से अपने घरों में और आस-पास पौधा लगाने और उसको जीवित रखने की जिम्मेदारी लेने की अपील की।

चुनाव में हार को पचा नहीं पाई मायावती, अल्पसंख्यकों पर फोड़ा ठीकरा

छल बल से बड़ी होती है जनशक्ति : अखिलेश

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

लखनऊ. लोकसभा चुनाव नतीजों का स्वागत करते हुए समाजवादी पार्टी (सपा) अखिलेश यादव ने बुधवार को भाजपा पर निशाना साधा और कहा कि जनता की शक्ति से बड़ा न किसी का बल होता है और न किसी का छल होता है। यादव ने बुधवार को एक्स पर पोस्ट कर सपा-कांग्रेस गठबंधन को समर्थन देने के लिए यूपी की जनता के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने लिखा " उप्र में इंडिया गठबंधन की 'जन-प्रिय जीत' उस दलित-बहुजन भरोसे की भी जीत है, जिसने अपने पिछड़े, अल्पसंख्यक, आदिवासी, आधी आबादी और अगड़ों में पिछड़े सभी उपेक्षित, शोषित, उत्पीड़ित समाज के साथ मिलकर उस संविधान को बचाने के लिए कंधे-से-कंधा मिलाकर संघर्ष किया है, जो समता-समानता, सम्मान-स्वाभिमान, गरिमामय जीवन व आरक्षण का अधिकार देता है।" उन्होंने कहा "ये पीडीए के रूप में पिछड़े-दलित-अल्पसंख्यक-आदिवासी, आधी आबादी और अगड़ों में पिछड़े के उस मजबूत गठजोड़ की जीत है, जिसे हर समाज और वर्ग के अच्छे लोग अपने सहयोग व योगदान से और भी मजबूत बनाते हैं। बता दें, लोकसभा चुनाव में सपा 37 सीटें जीतकर सबसे ज्यादा सीटें हासिल करने वाला दल बना है, जबकि इंडिया समूह में उसकी सहयोगी कांग्रेस ने छह सीटें जीती हैं। भाजपा 33 सीटों पर सिमट गई हैं। यूपी के प्रदर्शन के दम पर इंडिया समूह ने भाजपा को पूर्ण बहुमत से आने से रोका है। इस चुनाव में अखिलेश यादव समेत सैफई में यादव परिवार के सभी पांच सदस्य विजयी रहे हैं।

मुस्लिमों को सोच समझ कर मौका देगी बसपा

लखनऊ. लोकसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के दयनीय प्रदर्शन का दोषी मुस्लिम समाज को ठहराते हुए पार्टी सुप्रीमो मायावती ने बुधवार को कहा कि भविष्य में इस समाज को अब सोच-समझ कर मौका दिया जाएगा। मायावती ने बुधवार को कहा कि इस बार चुनाव में बसपा ने अपने बूते बेहतर परिणाम का भरपूर प्रयास किया, जिसमें दलित वर्ग में से मेरी खुद की जाति के लोगों ने अधिकांश अपना वोट बसपा को देकर अपनी अहम मिशनरी भूमिका निभाई है। साथ ही बसपा का खास अंग मुस्लिम समाज जो पिछले कई चुनावों में व इस बार भी लोकसभा चुनाव में उचित प्रतिनिधित्व देने के बावजूद भी बसपा को ठीक से नहीं समझ पा रहा है, तो अब ऐसी स्थिति में आगे इनको काफी सोच समझ के ही चुनाव में पार्टी द्वारा मौका दिया जाएगा, ताकि आगे पार्टी को भविष्य में इस बार की तरह भयंकर नुकसान ना हो। उन्होंने कहा जनता को ही लोकतंत्र व देशहित के बारे में फैसला करना है कि यह जो चुनाव परिणाम आया है। उसका आगे उन सबके जीवन पर क्या फर्क पड़ने वाला है तथा उनका अपना भविष्य कितना शान्त, समृद्ध व सुरक्षित रह पाएगा।

लखनऊ के युवक का अपहरण, तीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज

बाराबंकी@पत्रिका. जनपद के देवा कोतवाली क्षेत्र में लखनऊ के एक युवक के अपहरण का मामला सामने आया है। एक दिन पहले इस मामले में गुमशुदगी दर्ज हुई थी, मगर अब पत्नी की तहरीर पर तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। लखनऊ के गुडंबा थाना क्षेत्र के पलका गांव निवासी खुशनुमा बानो ने मंगलवार को देवा पुलिस को तहरीर देकर अपने पति जसीम खान के लापता होने की सूचना दी थी। पुलिस गुमशुदगी लिख कर मामले की जांच ही कर रही थी कि महिला ने अपहरण की तहरीर दे दी।

डंपर की चपेट में आने से दो मजदूरों की मौत

चंदौली@पत्रिका. जिले के बलुआ थाना क्षेत्र के लक्ष्मणगढ़ में बुधवार को सड़क निर्माण का कार्य कर रहे दो मजदूरों की डंपर की चपेट में आने से मौत हो गई। दोनों की पहचान राजू माझी (30) व कांग्रेस माझी (28) के रूप में हुई। बिहार के गया जनपद के रहने वाले भुरुआ थाना क्षेत्र के बिरहिमा गांव के राजू माझी व इसी थाना क्षेत्र के ग्राम बुधबाचक के रहने वाले कांग्रेस माझी सड़क निर्माण में मजदूरी का कार्य करते थे। बुधवार की भोर करीब 3 बजे सड़क ढालने के लिए लक्ष्मणगढ़ में निर्माण स्थल पर दोनों मजदूर प्लास्टिक बिछा रहे थे।

अब संसद में चलेगा परिवारवाद का जादू

सैफई के यादव परिवार के पांच लोग साइकिल से पहुंचे दिल्ली

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

इटावा. इटावा जिले में सैफई के यादव परिवार के पांच सदस्यों ने 2024 के संसदीय चुनाव में जीत दर्ज करके एक नया रिकॉर्ड बनाया है। खेत, खलिहान, किसान और कमजोर तबकों की राजनीति करने वाले मुलायम परिवार के सदस्य अब एक सुर से सदन में इन वर्गों से जुड़े हुए मुद्दों को रखेंगे। राजनीतिक विश्लेषक गुलशन कुमार ने कहा कि देश और उत्तर प्रदेश की राजनीति में अहम भूमिका निभाने वाले मुलायम परिवार के पांच निर्वाचित सांसद जब संसद में किसी मुद्दे पर चर्चा करेंगे तो जाहिर है कि बड़ा ही रोचक प्रसंग बन पड़ेगा। 2024 के संसदीय चुनाव में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने खुद समेत पांच सदस्यों को चुनाव मैदान में उतारा था, जिसमें पांचो की जीत हुई। सपा प्रमुख अखिलेश यादव खुद अपनी परंपरागत सीट कन्नौज से चुनाव मैदान में उतरे, तो अपनी पत्नी डिंपल यादव को मैनपुरी संसदीय सीट से चुनाव मैदान में उतारा।

मैनपुरी संसदीय सीट से अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव ने योगी सरकार के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह को पराजित किया है। मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद हुए उपचुनाव में उनके उत्तराधिकारी के रूप में डिंपल यादव को चुनाव मैदान में उतारा गया, जिसमे डिंपल यादव ने भाजपा के रघुराज सिंह शाक्य को करीब दो लाख 88 हजार मतों से पराजित किया था। फिरोजाबाद संसदीय सीट से पूर्व सांसद अक्षय यादव को जीत मिली हैं। उन्होंने अपने निकटतम विरोधी भाजपा के ठाकुर विश्वदीप सिंह को पराजित किया। अक्षय यादव 2014 में पहली दफा फिरोजाबाद संसदीय सीट से चुनाव मैदान में उतरे थे, जिसमें उन्हें जीत हासिल हुई थी।

पूर्वी उत्तर प्रदेश की आजमगढ़ संसदीय सीट से पूर्व सांसद धर्मेंद्र यादव को समाजवादी पार्टी ने अपना उम्मीदवार बनाया था। धर्मेंद्र यादव ने भाजपा के दिनेश लाल यादव को पराजित किया है।

डेढ़ दशक बाद कन्नौज से उतरे अखिलेश

अखिलेश यादव करीब डेढ़ दशक बाद कन्नौज संसदीय सीट से चुनाव मैदान में उतरे, जहां उन्हें भाजपा के सुब्रत पाठक के मुकाबले जीत हासिल हुई है। 2002 में अखिलेश यादव पहली दफा कन्नौज संसदीय सीट से चुनाव मैदान में उतरे थे, तब उन्होंने बहुजन समाज पार्टी के अकबर अहमद डंपी को पराजित किया था।

कांटे के मुकाबले में आदित्य जीते

सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव के बेटे आदित्य यादव को बदायूं से पहली दफा उतारा गया। आदित्य ने कांटे के संघर्ष में भाजपा उम्मीदवार दुर्विजय सिंह शाक्य को पराजित किया है। आदित्य के स्थान पर पहले शिवपाल सिंह यादव का नाम घोषित किया गया था, लेकिन नामांकन के आखिरी दिन आदित्य यादव के नाम की घोषणा की गई। बदायूं संसदीय सीट से साल 2014 में धर्मेंद्र यादव सांसद निर्वाचित हो चुके हैं, जबकि 2019 के संसदीय चुनाव में भाजपा की संघमित्रा मौर्य के मुकाबले धर्मेंद्र यादव पराजित हो गए।

आओं मिलकर पेड़ लगाएं, हरा-भरा ये देश बनाएं

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर लखनऊ में पौधारोपण किया। उन्होंने इस मौके पर ज्यादा से ज्यादा पेड़-पौधे लगाकर पर्यावरण को बचाने की अपील की।

हल्द्वानी से दिल्ली जा रही थी बस

नैनीताल हाइवे पर ट्रैक्टर-ट्रॉली ने रोडवेज बस को मारी टक्कर, 18 लोग घायल

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

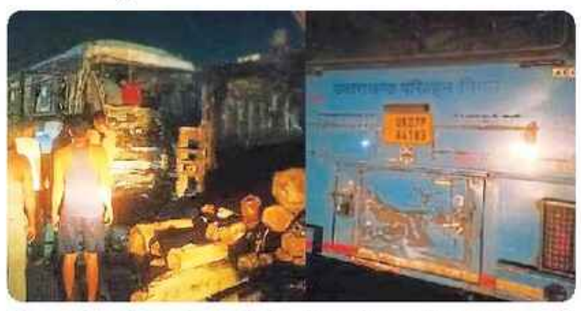

रामपुर. नैनीताल हाईवे पर चड्ढा पेपर मिल के पास हल्द्वानी से दिल्ली जा रही रोडवेज बस में एक अनियंत्रित ट्रैक्टर ट्रॉली ने टक्कर मार दी। इसमें 18 सवारियां घायल हो गई। पुलिस ने सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। चिकित्सकों ने पांच सवारियों को गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर किया है।जानकारी के अनुसार उत्तराखंड परिवहन हल्द्वानी डिपो की बस मंगलवार देर रात हल्द्वानी से दिल्ली जा रही थी। पुलिस के अनुसार बस में चालक-परिचालक के अलावा 18 सवारियां मौजूद थी। जब बस ईसानगर पुलिस चौकी क्षेत्र में चड्ढा पेपर मिल के पास पहुंची, तो गलत दिशा से आ रहे लकड़ी से भरे ट्रैक्टर चालक ने बस में टक्कर मार दी। घटना के बाद चालक तुरंत ही ट्रैक्टर छोड़कर अंधेरे में भाग गया। बस में सवार लोगों की चीख पुकार सुनकर ईसानगर गांव के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और घायलों को बस से बाहर निकाला। बस चालक महेश कुमार, परिचालक मनीष मिश्रा, दीपक, राधा, अरबाज, नंदनी, दीपांशु, आदित्य, आशीष, अर्जुन, चंपा, करण, राजू, नेहा को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। सीओ रवि खोखर व कोतवाली प्रभारी बलवान सिंह ने बताया कि प्राथमिक उपचार के बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती सवारियों को उनके गंतव्य के लिए भेज दिया है।

युवक ने की आत्महत्या

बरेली@पत्रिका. थाना सुभाषनगर के रविंद्र नगर निवासी 28 वर्षीय विश्व परमार पुत्र अशोक पाल सिंह बिहारीपुर में मेडिकल चलाता था। बीती रात उसने आत्महत्या कर ली। जब तक उसके परिवार वाले उसे लेकर अस्पताल पहुंचे, डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

एक लाख का ईनामी बदमाश ढेर

जौनपुर @ पत्रिका. जिले के खेतासराय क्षेत्र में एक सशस्त्र मुठभेड़ के बाद पुलिस ने एक लाख रुपए के ईनामी बदमाश को मार गिराया।

पुलिस ने मारे गए बदमाश के कब्जे से दो नाइन एमएम की पिस्टल और गोली बारुद बरामद की है। पुलिस अधीक्षक डॉ अजय पाल शर्मा ने बताया कि मुठभेड़ में अन्तर्जनपदीय दुर्दान्त एक लाख रुपए के पुरस्कार घोषित अपराधी प्रशान्त सिंह उर्फ प्रिन्स सिंह घायल हो गया, उसे जिला अस्पताल लाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

शातिरों को पकड़ने के लिए खंगाले 200 सीसीटीवी फुटेज

बंद मकानों की रेकी कर चोरी करने वाले चार गिरफ्तार

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

लखनऊ. ठाकुरगंज पुलिस ने एक मकान से 10 लाख रुपए से भी अधिक चोरी करने वाले 4 शातिरों को धर दबोचा है। सभी गैंग बंद मकानों की रेकी कर वारदात को अंजाम देते थे। डीसीपी पश्चिम डॉ. दुर्गेश कुमार के मुताबिक, फरीदीपुर निवासी अब्दुल तौहीद ने सोमवार को घर में हुई लाखों की चोरी की शिकायत दर्ज कराई थी। जिस वक्त चोरों ने उनके घर को निशाना बनाया उस वक्त तौहीद सपरिवार किसी रिश्तेदार के घर गए हुए थे। उनका कहना है कि सेंध लगाकर घर में घुसे चोरों ने जेवरात और नकदी पार कर ली। डीसीपी ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस की एक टीम तैयार की गई।

इसके बाद पुलिस ने घटनास्थल से करीब तीन किलोमीटर के दायरे तक 200 से भी ज्यादा सीसीटीवी फुटेज खंगाले। उसके आधार पर पुलिस टीम ने चार संदिग्ध लोगों को हिरासत में लेते हुए उनसे पूछताछ की, तो आरोपियों ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। आरोपियों की पहचान ठाकुरगंज के बालागंज निवासी श्याम तिवारी, फरीदीपुर निवासी आशीष गौतम, इकबाल और अनूप सैनी के रूप में की गई है। साथ ही पुलिस ने शातिरों के पास से चोरी किए गए आभूषण समेत अन्य सामान बरामद किया है।

गैंग का सरगना ई-रिक्शा चालक

एडीसीपी विश्वजीत श्रीवास्तव ने बताया कि इस गैंग का सरगना ई-रिक्शा चालक श्याम तिवारी है। पूर्व में श्याम तिवारी चेन स्नैचिंग के मामले में जेल जा चुका है। जेल से रिहा होने के बाद उसने चोरों का एक गैंग तैयार किया। इसके बाद से वह सदस्यों के साथ मिलकर चोरी की वारदात को अंजाम देने लगा। श्याम गली-मोहल्ले में घूम-घूमकर बंद मकानों की रेकी करता था। फिर चिन्हित मकानों में साथियों के साथ वारदात को अंजाम देता था। इस खेल में श्याम तिवारी और इकबाल मकानों में घुसकर हाथ साफ करते थे। जबकि आशीष गौतम और अनूप सैनी घर के बाहर मोहल्ले वासियों पर नजर रखते थे।

तीन सीटों पर नए प्रत्याशी को मिली हार, जदयू ने संभली कमान

राजग ने 12 सांसद किए बेटिकट, जदयू के लिए महाबली महंगे साबित हुए

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

पटना. बिहार में इस बार के लोकसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने अपने 12 सांसदों को बेटिकट कर दिया और वहां नए उम्मीदवारों को मौका दिया। हालांकि, तीन सीट पर चुनावी रणभूमि में उतरे प्रत्याशी को शिकस्त का सामना करना पड़ा।

राजग के प्रमुख घटक दल भाजपा ने इस बार के चुनाव में चार सांसदों का टिकट काट दिया। भाजपा ने बक्सर से केंद्रीय मंत्री अश्विनी कुमार चौबे, मुजफ्फरपुर से पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय जय नारायण प्रसाद निषाद के पुत्र अजय निषाद, सासाराम (सु) से छेदी पासवान और शिवहर से रमा देवी को बेटिकट कर दिया। कहीं ना कहीं भाजपा को इसका नुकसान उठाना पड़ा है। भाजपा ने बक्सर से गोपालगंज के बैकुंठपुर विधानसभा क्षेत्र से पूर्व विधायक मिथिलेश तिवारी और सासाराम (सु) सीट से भोजपुर के अगियांव (सु) से पूर्व विधायक शिवेश राम को चुनावी रणभूमि में उतारा। दोनों प्रत्याशी को न सिर्फ हार का सामना करना पड़ा, बल्कि इन दोनों सीटों पर भाजपा की 'सियासी जमीं' भी खिसक गई। सासाराम (सु) सीट पर पूर्व केन्द्रीय मंत्री दिवंगत मुनि लाल के पुत्र शिवेश राम को कांग्रेस प्रत्याशी मनोज कुमार ने चुनावी बिसात पर मात दे दी। वहीं, बक्सर संसदीय सीट पर भाजपा प्रत्याशी मिथिलेश तिवारी को राजद के प्रदेशाध्यक्ष जगदानंद सिंह के पुत्र और रामगढ़ विधायक सुधाकर सिंह ने मात दे दी। मिथिलेश तिवारी और शिवेश राम पहली बार लोकसभा के रण में उतरे थे।

रालोमो से बाजी कोसों दूर रही

वहीं, जदयू ने भी इस बार के चुनाव में चार सासंदों को बेटिकट कर दिया। जदयू ने सीवान से कविता सिंह, सीतामढ़ी से सुनील कुमार पिंटू, काराकाट से महाबली सिंह और गया (सु) से विजय कुमार मांझी का टिकट काट दिया। काराकाट संसदीय सीट पर जदयू के महाबली सिंह को बेटिकट करना महंगा सौदा रहा। राजग में सीटों में तालमेल के तहत काराकाट सीट राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) को मिली, लेकिन चुनावी रणभूमि में रालोमो से बाजी कोसो दूर रही। जदयू ने सीतामढ़ी से बिहार विधान परिषद के सभापति देवेश चंद्र ठाकुर, सीवान संसदीय सीट से जीरादेई के पूर्व विधायक रमेश सिंह कुशवाहा की पत्नी विजया लक्ष्मी देवी को सियासी रणभूमि में उतारा और दोनों ने जीत अपने नाम की।

पटना में जमीन कारोबारी की गोली मारकर हत्या

पटना@पत्रिका. जिले में अज्ञात अपराधियों ने एक युवक को गोलियों से भून डाला। बुधवार की सुबह युवक का शव आलमपुर गांव के एक खेत से बरामद हुआ हैं। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल से गोली के तीन खोखे भी बरामद किए हैं। फुलवारी शरीफ थाना प्रभारी ने बताया कि जमीन कारोबारी विकास कुमार मंगलवार की देर रात अपने घर से निकला, जिसका शव बुधवार सुबह खेत में बरामद किया गया है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर लोगों ने किया पौधरोपण

गया@पत्रिका. विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर गया में सैकड़ों की संख्या में लोग गाजे-बाजे के साथ शहर के ब्रह्मयोनि पर्वत की तलहट्टी में पहुंचे और बड़ी संख्या में पौधरोपण किया। शहर निवासी विभा कुमारी ने इस मौके पर कहा कि आज हमारी शादी की सालगिरह के तीन वर्ष पूरे हो गए हैं। इसके उपलक्ष्य में हम लोगों ने पूरे परिवार के साथ पौधरोपण किया है। इसका मुख्य कारण है कि हर हाल में हमें पृथ्वी को बचाना है। जब बड़ी संख्या में पौधे लगेंगे, तभी लोगों का जीवन सुरक्षित रहेगा। वहीं, इस कार्यक्रम में शामिल स्थानीय निवासी अशोक कुमार ने बताया कि विगत 4 वर्षो से हमारा पर्यावरण, हमारा परिवार के तहत सैकड़ों लोग पौधारोपण करने का कार्य कर रहे हैं। आज से युवा उद्यान की शुरुआत की गई है।

फोटो स्टोरी: नदी तो है असली सोना, इसे नहीं अब हमको खोना

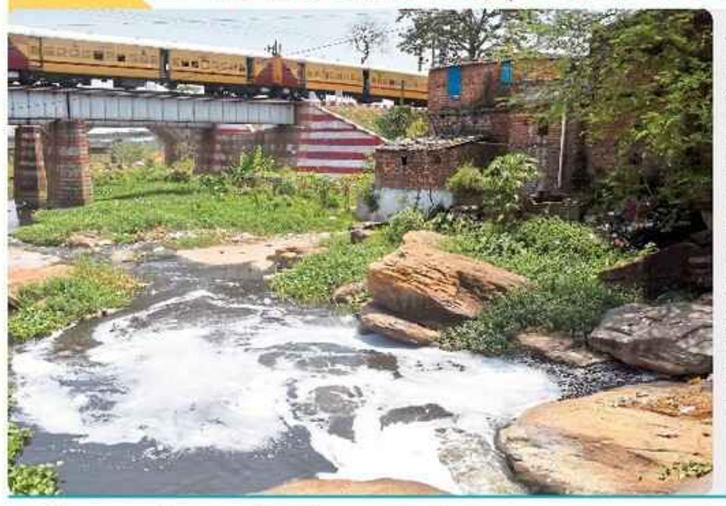

रांची में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बुधवार को प्रदूषित विषैले झाग से भरी स्वर्णरेखा नदी का दृश्य। जहां बुधवार को नजर आया जहरीले झाग का प्रदूषण।

पर्यावरण संतुलन के लिए वृक्षारोपण को बढ़ावा देना आवश्यक: प्रो. अहमद

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

दरभंगा. चंद्र धारी मिथिला महाविद्यालय (सीएम कॉलेज), दरभंगा के प्रधानाचार्य प्रोफेसर मुश्ताक अहमद ने कहा कि पर्यावरण असंतुलित हो जाने के कारण इस समय हमारे अपने देश में ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में गर्मी की प्रचंडता ने मानव जीवन चर्या को कठिन बना दिया है। जानवरों के लिए भी तरह-तरह की समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं, जंगलों में आग लगने की घटनाएं बढ़ रही हैं। इसलिए पर्यावरण संतुलन के लिए वृक्षारोपण को बढ़ावा देना जरूरी हैं। यह बात प्रो. अहमद ने कॉलेज परिसर में एनसीसी इकाई द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम समारोह में अपने संबोधन में कही। उन्होंने कहा पेड़ हमारे लिए जीवनदायी हैं। जहां हरे-भरे पौधे होते हैं, वहां स्वच्छ एवं पारदर्शी ऑक्सीजन उपलब्ध होती है और ये मानव जीवन को ऊर्जा प्रदान करते हैं। प्रधानाचार्य न कहा कि महाविद्यालय के एनसीसी एवं एनएसएस संवर्ग के छात्र-छात्राएं बधाई के पात्र हैं कि वे वृक्षारोपण के प्रति गंभीर हैं। एनसीसी अधिकारी शैलेन्द्र श्रीवास्तव हर वर्ष इस विशेष अवसर पर वृक्षारोपण का आयोजन करते हैं।

पटना में वरिष्ठ पत्रकार महेश सिन्हा से अपराधियों ने छीना बैग

पटना@पत्रिका. राजधानी के कोतवाली थाना क्षेत्र में अपराधियों ने मंगलवर को वरिष्ठ पत्रकार महेश सिन्हा से बैग छीन लिया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि वरिष्ठ पत्रकार महेश कुमार सिन्हा सोमवार की शाम एक पत्रिका के कार्यालय की ओर जा रहे थे। इसी दौरान कोतवाली थाना के पीछे एक मोटरसाईकिल पर सवार तीन लोग पहुंचे और उनके बैग को छीनने का प्रयास करने लगे। अपराधियों द्वारा जोर से झटका दिए जाने के कारण सिन्हा सड़क पर गिर गए। इस दौरान अपराधी सिन्हा का बैग छीनकर फरार हो गए।

वामदल के सुदामा प्रसाद और राजाराम सिंह पहुंचे दिल्ली

बिहार में 25 साल बाद लहराया वामदल का 'लाल झंडा'

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

पटना. बिहार की सियासी सरजमीं पर 25 साल बाद इस बार के लोकसभा चुनाव में वामदल का 'लाल झंडा' बुलंद हुआ है। बिहार में हुए लोकसभा चुनाव में वामदल में शामिल भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा), मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी-लेनिनवादी (भाकपा-माले) का खाता वर्ष 1999 के चुनाव के बाद नहीं खुला था। इस बार के चुनाव में 25 साल के बाद वामदल के दो प्रत्याशी सुदामा प्रसाद और राजाराम सिंह ने बिहार की सियासी सरमर्जी पर अपनी पार्टी का 'लाल झंडा' बुलंद किया है। वर्ष 1999 में भागलपुर से माकपा प्रत्याशी सुबोध राय भाजपा के प्रभास चंद्र तिवारी को पराजित कर लोकसभा पहुंचे थे। माकपा की टिकट पर चुनाव जीतने वाले सुबोध राय वामदल के अंतिम सांसद थे।

बिहार लोकसभा चुनाव 2024 में इंडिया गठबंधन के घटक दलों के बीच सीटों के तालमेल के तहत वाम दल को पांच सीट मिली। वामदल में शामिल (भाकपा-माले) ने आरा, काराकाट और नालंदा, (भाकपा) ने बेगूसराय और (माकपा) ने खगड़िया सीट से चुनाव लड़ा। आरा संसदीय सीट के भाकपा माले के प्रत्याशी सुदामा प्रसाद और काराकाट संसदीय सीट से भाकपा माले के राजाराम सिंह ने जीत का स्वाद चखा।

राजाराम ने सुपर स्टार को हराया

बिहार की कारकाट संसदीय सीट पर पूरे देश की नजरें टिकी हुई थी। भाकपा-माले प्रत्याशी राजाराम सिंह ने अपना 'पावर' दिखाया और निर्दलीय प्रत्याशी भोजपुरी सिनेमा के पावर स्टार पवन सिंह को एक लाख पांच हजार 858 मतों के अंतर से पराजित किया। वहीं, राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री उपेन्द्र कुशवाहा तीसरे स्थान पर रहे।

फीफा विश्व कप क्वालीफायर : भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान ने कहा, यह मेरे करियर का सबसे अहम मुकाबला, इस मैच को जीतने के साथ भारतीय टीम पहली बार तीसरे राउंड में पहुंचेगी

विदाई मैच खेलने उतरेंगे कप्तान छेत्री, कुवैत के खिलाफ भारत को जीत की दरकार

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

कोलकाता. भारतीय टीम जब गुरुवार को साल्ट लेक स्टेडियम में कुवैत के खिलाफ फीफा विश्व कप के दूसरे राउंड का क्वालीफायर मैच खेलने के लिए उतरेगी तो यह उसके कप्तान सुनील छेत्री के करियर का सबसे बड़ा मैच होगा। 39 वर्षीय छेत्री के करियर का यह आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच है। ऐसे में टीम अपने कप्तान को जीत का तोहफा देना चाहेगी। वहीं, छेत्री अपने आखिरी मैच को भी यादगार बनाना चाहते हैं और अच्छा प्रदर्शन करके टीम को जीत दिलाना चाहेंगे। लेकिन इसके लिए भारतीय टीम को दमदार प्रदर्शन करना होगा।

छेत्री और कोच इगोर स्टिमैक।

प्रसारण : शाम 7.00 बजे से

आमने-सामने

06 मैच भारत ने कुल कुवैत से खेले

03 जीते, दो हारे और *एक ड्रॉ रहा*

कप्तान छेत्री बोले, मेरी नजरें सिर्फ जीत दर्ज करने पर

आखिरी मैच खेलने जा रहे कप्तान सुनील छेत्री ने कहा कि उनका ध्यान इस बात पर नहीं है कि यह उनका आखिरी मैच है, उनका ध्यान सिर्फ जीत पर है। उन्होंने कहा, यह जीत हमें तीसरे राउंड में पहुंचने का मौका देगी, जो पहले कभी नहीं हुआ। हम कल जरूर जीतेंगे। इस मैच के बाद मैं अच्छे सूट पहनकर भारतीय टीम के मैच देखा करूंगा। टीम जहां भी जाएगी, मैं उनके साथ जाया करूंगा।

मैं भारतीय जैसा महसूस कर रहा हूं: स्टिमैक

भारतीय टीम के कोच स्टिमैक ने कहा, गुरुवार को हमारे पास करोड़ों भारतीयों को खुश करने का मौका है। यह मेरे करियर के सबसे बड़े मैचों में से एक है। जब मैं भारतीय टीम का कोच बना था, तो मैंने कभी नहीं सोचा था कि मेरा भावनात्मक तौर पर जुड़ाव होगा, लेकिन मैं आज खुद को एक भारतीय जैसा महसूस कर रहा हूं।

मेजबानों का मनोबल बढ़ा हुआ है : खास बात यह है कि मेजबान भारतीय टीम कुवैत के खिलाफ इस घरेलू मुकाबले में बढ़े हुए मनोबल के साथ उतरेगी। पिछले मुकाबले में भारतीय टीम ने कुवैत को उसी के घर में शिकस्त दी थी। इस कारण भारतीय टीम अपने घर में भी जीत का सिलसिला कायम रखना चाहेगी।

तीसरे राउंड में पहुंचने का मौका : भारतीय टीम के लिए यह मुकाबला बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि इस मैच में जीत के साथ ही उसकी पहली बार तीसरे राउंड में जगह पक्की हो जाएगी। चार-चार टीमों के नौ ग्रुप में से शीर्ष दो टीमें ही क्वालिफिकेशन के तीसरे चरण में पहुंचेगी। फीफा विश्व कप का आयोजन 2026 में अमरीका, कनाडा और मैक्सिको की संयुक्त मेजबानी में आयोजित होगा।

आज का पोल

क्या भारतीय फुटबॉल टीम कुवैत को शिकस्त देने में सफल होगी?

YES NO

हमारे ट्विटर/फेसबुक पेज पर जाएं और विस्तार से अपनी राय रखें। @PatrikaNews

बुधवार का जवाब

हां 05% नहीं 95%

पिछला सवाल : क्या आयरलैंड की टीम टी-20 विश्व कप के अपने पहले मुकाबले में भारतीय टीम को शिकस्त दे सकती है?

ये भी जानें : अपने करियर का आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने जा रहे भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री ने अब तक कुल 150 मुकाबले खेले हैं। इस दौरान छेत्री ने कुल 94 गोल ठोके।

टी-20 विश्व कप डायरी

चिंताजनक : पाक खिलाड़ी साइड स्ट्रेन से पीड़ित

अमरीका के खिलाफ पहले मैच में नहीं खेलेंगे इमाद

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

डलास. पाकिस्तान क्रिकेट टीम आइसीसी टी-20 विश्व कप में अपने अभियान का आगाज गुरुवार को मेजबान अमरीका के खिलाफ करने उतरेगी। लेकिन इस मैच में टीम को ऑलराउंडर इमाद वसीम की कमी खलेगी, जिनका साइड स्ट्रेन के कारण इस मैच में खेलना मुश्किल है।

मैच की पूर्व संध्या पर पाकिस्तान टीम के कप्तान बाबर आजम ने कहा, हां, वह चोटिल होने के कारण पहला मुकाबला नहीं खेलेंगे। लेकिन हमें उम्मीद है कि वह जल्द फिट हो जाएंगे और अन्य मुकाबलों में जरूर खेलेंगे। साथ ही बाबर आजम ने कहा कि वह हर मैच को बेहद गंभीरता से लेंगे।

09 जून को भारत के खिलाफ अहम मैच : पाकिस्तान को इस मैच के बाद ग्रुप-ए मुकाबले में भारतीय टीम के साथ 09 जून को भिड़ना है। ऐसे में पाक टीम चाहती है कि वह जल्द फिट हो जाए।

पूर्व कप्तान बोले, वह स्वाभाविक तौर पर मैच विनर

ऑस्ट्रेलियाई टीम को वार्नर की काफी कमी खलेगी: पोंटिंग

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

मेलबर्न. पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा कि टी-20 विश्व कप के बाद संन्यास लेने जा रहे दिग्गज सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर की कमी ऑस्ट्रेलियाई टीम को जरूर खलेगी। उन्होंने कहा, वार्नर स्वाभाविक तौर पर मैच विनर खिलाड़ी हैं। संन्यास लेने के बाद उनकी कमी रनों के अलावा और भी कई वजहों से खलेगी। विश्व कप में भी वह ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए काफी महत्वपूर्ण साबित होंगे।

डेविड वार्नर

आज के मुकाबले

पापुआ न्यू गिनी vs युगांडा
प्रसारण : सुबह 5.00 बजे से
स्थान: प्रोविडेंस, गुयाना

अमरीका vs पाकिस्तान
प्रसारण : रात 9.00 बजे से
स्थान: डलास

ऑस्ट्रेलिया vs ओमान
प्रसारण : सुबह 6.00 बजे से
स्थान: ब्रिजटाउन

ये भी जानें. ऑस्ट्रेलिया, ओमान और पाकिस्तान अपना आगाज मैच खेलेंगे

टी-20 विश्व कप : भारत ने शानदार आगाज करते हुए अपना पहला मैच जीता

आयरलैंड की टीम 96 रन पर ढेर, टीम इंडिया 8 विकेट से जीती

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

न्यूयॉर्क. भारतीय टीम ने आइसीसी टी-20 विश्व कप में बुधवार को अपने पहले मुकाबले में जीत के साथ शानदार आगाज किया और आयरलैंड को आठ विकेट से मात दी। टॉस जीतने के बाद भारतीय टीम ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया और आयरलैंड को 16 ओवर में 96 रन पर ढेर कर दिया। इसके बाद टीम इंडिया ने 12.2 ओवर में दो विकेट पर 97 रन बनाकर आसानी से जीत दर्ज कर ली। टीम इंडिया की आयरलैंड के खिलाफ यह लगातार आठवीं जीत है।

08 मैच भारतीय टीम ने *आयरलैंड से अब तक खेले और सभी में जीत दर्ज की*

09 जून को भारतीय टीम का मुकाबला *अब ग्रुप-ए में पाकिस्तान से होगा*

बुधवार को टी-20 विश्व कप मुकाबले में विकेट लेने के बाद हार्दिक पांड्या को बधाई देते हुए साथी खिलाड़ी।

प्लेयर ऑफ द मैच

बुमराह ने 3 ओवर में 6 रन देकर दो विकेट लिए

तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने शानदार गेंदबाजी की और तीन ओवर में छह रन देकर दो विकेट चटकाए। उन्होंने एक ओवर मेडन भी फेंका और प्लेयर ऑफ द मैच बने। वहीं, मीडियम पेसर हार्दिक पांड्या ने सबसे अधिक तीन विकेट चटकाए। उन्होंने चार ओवर में एक मेडन के साथ 27 रन खर्च किए। अर्शदीप सिंह ने भी दो विकेट लिए।

कप्तान रोहित की 37 गेंदों में 52 रन की तूफानी पारी : कप्तान रोहित शर्मा के साथ विराट कोहली ने पारी की शुरुआत की लेकिन विराट सिर्फ एक रन बनाकर आउट हो गए। दूसरे छोर पर रोहित ने पारी को संभाला और 37 गेंदों में चार चौकों और तीन छक्कों के साथ 52 रन की आतिशी पारी खेली। वह रिटायर्ड हर्ट होकर पवेलियन लौटे। उन्होंने टी-20 विश्व कप में अपना कुल 10वां अर्धशतक जड़ा। ऋषभ पंत ने 26 गेंदों में तीन चौकों और दो छक्कों के साथ 36 रन की नाबाद पारी खेली।

10 अर्धशतक रोहित शर्मा के नाम *टी-20 विश्व कप में कुल हुए*

1000 रन टी-20 विश्व कप में रोहित शर्मा के हुए

गेंदबाजों की मददगार

इस विकेट पर गेंदबाजों के लिए काफी कुछ था। मुझे नहीं पता कि पाकिस्तान के खिलाफ पिच का रवैया कैसा रहेगा लेकिन हम अपनी तरफ से पूरी तैयारी करेंगे। विकेट पर समय बिताने की जरूरत है।
-रोहित शर्मा, कप्तान, भारत

स्कोर बोर्ड

आयरलैंड	16 ओवर 96/10	
बल्लेबाज	**रन**	**गेंद 4 6**
बलबिरनी बो अर्शदीप	05	10 01 00
स्टर्लिंग कॉ पंत बो अर्शदीप	02	06 00 00
टकर बो हार्दिक	10	13 02 00
हैरी कॉ कोहली बो बुमराह	04	16 00 00
कर्टिस कॉ पंत बो हार्दिक	12	08 01 01
डॉकरेल कॉ बुमराह बो सिराज	03	05 00 00
डेलेनी रन आउट	26	14 02 02
ऐडेयर कॉ शिवम बो हार्दिक	03	02 00 00
मैक्कार्थी कॉ एंड बो अक्षर	00	06 00 00
जोश लिटिल बो बुमराह	14	13 02 00
व्हाइट नॉट आउट	02	04 00 00

अतिरिक्त: 15. **विकेट पतन:** 1-7, 2-9, 3-28, 4-36, 5-44, 6-46, 7-49, 8-50, 9-77, 10-96.

गेंदबाजी: अर्शदीप 4-0-35-2, सिराज 3-0-13-1, बुमराह 3-1-6-2, हार्दिक 4-1-27-3, अक्षर 1-0-3-1, जडेजा 1-0-7-0.

भारत	12.2 ओवर 97/02	
बल्लेबाज	**रन**	**गेंद 4 6**
रोहित रिटायर्ड हर्ट	52	37 04 03
विराट कॉ व्हाइट बो ऐडेयर	01	05 00 00
पंत नॉट आउट	36	26 03 02
सूर्य कॉ डॉकरेल बो व्हाइट	02	04 00 00
शिवम नॉट आउट	00	02 00 00

अतिरिक्त: 06. **विकेट पतन:** 1-22, 1-76 (रोहित रिटायर्ड हर्ट), 2-91.

गेंदबाजी: एडेयर 4-0-27-1, जोश 4-0-42-0, मैक्कार्थी 2.2-0-18-0, कर्टिस 1-0-4-0, बेन व्हाइट 1-0-6-1.

CROSSWORD 7006...

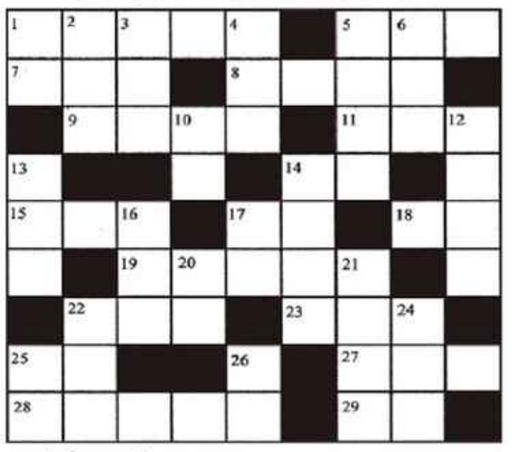

बाएं से दाएं... 1. चिह्न (5), 5. टीस, पीड़ा, व्यथा (3), 7. व्यर्थ, फालतू, बेकार, बेवजह (3), 8. संपत्ति (4), 9. न्यायालय में गवाह के खड़े होने व जज के आसन सहित बना लकड़ी का घेरा (4), 11. भाट, बंदीजन (3), 14. प्रत्येक, शिव (2), 15. प्रतिज्ञा (3), 17. गीला, नम (2), 18. थाना, मुहाना (2), 19. परामर्शदाता (5), 22. परेशान करना, कष्ट देना (3), 23. सुकून, चैन, आराम, सहायता (3), 25. समीर, अनिल (2), 27. रंज, पश्चाताप, अफसोस (3), 28. चित्रकार, लेखक (5), 29. अवधि सूचक शब्द (2)

ऊपर से नीचे... 1. मां के पिता (2), 2. आकर्षक, लुभावना, मनोहर (3), 3. समीप, करीब (3), 4. दृश्य (3), 5. कुत्सित व्यवहार, बुरा आचरण, दुराचरण (4), 6. प्रमुख, मुख्य (3), 10. बादल, मेघ (2), 12. जैन धर्म का महामंत्र (4), 13. ध्वनि, नाद (3), 14. डाकिया (4), 16. गुलामी (3), 17. पेंदा (2), 20. उपस्थित करना (2), 21. दया, कृपा (4), 22. प्रश्न (3), 24. विवाह संबंध विच्छेद (3), 25. अधिकार (2), 26. मकान (2)

हल 7005

मु	ता	बि	क	■	स	ह	व	न
ख	ता	■	म	ह	क	■	य	म
बि	■	ख	त	र	ना	क	■	की
र	ह	ब	र	■	■	स	ह	न
■	ज	र	■	मु	ह	र	■	■
प	र	■	श	क	■	त	म	र
ख	त	रा	■	द	म	■	क	ल
वा	■	श	र	मा	ना	■	त	ना
ड़ा	■	न	त	■	ना	या	ब	■

SUDOKU 6741...

6		5	3					4
			5		9		6	
	1			7			2	
			2					7
		8					9	
7			4		1			
	6	4				5		
8		9			5	1		

हल 6740

8	5	7	2	9	3	1	6	4
1	4	6	5	7	8	3	9	2
9	2	3	4	6	1	7	5	8
2	6	8	9	1	4	5	3	7
3	1	9	7	2	5	8	4	6
5	7	4	8	3	6	2	1	9
7	3	1	6	4	2	9	8	5
6	9	5	1	8	7	4	2	3
4	8	2	3	5	9	6	7	1

कैसे खेलें : वर्ग को 1 से 9 तक अंकों से ऐसे भरें कि आड़ी व खड़ी पंक्ति के साथ ही 3 गुणा 3 के बॉक्स में 1 से 9 तक अंक आएं। कोई अंक दुबारा नहीं आए।

इंडोनेशिया ओपन बैडमिंटन : चीनी ताइपे की खिलाड़ी ने तीन गेम में हराया

सिंधू पहले ही दौर में बाहर, प्रियांशु जीते

जकार्ता @ पत्रिका. भारतीय शटलर पीवी सिंधू को इंडोनेशिया ओपन बैडमिंटन के पहले दौर में हारकर बाहर होना पड़ा है। चीनी ताइपे की सू-वेन ची ने सिंधू को 21-15, 15-21, 21-14 से करारी शिकस्त दी। हालांकि पुरुष एकल में भारतीय युवा खिलाड़ी प्रियांशु राजावत ने जीत से आगाज किया। उन्होंने हमवतन खिलाड़ी एचएस प्रणय को 21-17, 21-12 से हराया।

पीवी सिंधू

रुतपर्णा-स्वेतपर्णा की महिला युगल जोड़ी हारी : महिला युगल में रुतपर्णा पांडा और स्वेतपर्णा को अंतिम-32 में दक्षिण कोरियाई किम सो येओंग और कोंग ही यंग की जोड़ी से 12-21, 9-21 से करारी हार झेलनी पड़ी।

नॉर्वे चेस टूर्नामेंट : भारतीय युवा ग्रैंडमास्टर को आठवें राउंड में मिली शिकस्त

कार्लसन ने प्रग्गनानंदा से हिसाब बराबर किया

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

स्टावेंजर (नार्वे). दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने यहां नॉर्वे चेस टूर्नामेंट में भारत के युवा ग्रैंडमास्टर आर प्रग्गनानंदा को आठवें दौर में मात दी। इसके साथ ही नॉर्वे के खिलाड़ी ने प्रग्गनानंदा से तीसरे दौर में मिली हार का बदला भी ले लिया। पिछली बाजी में विश्व चैंपियन डिंग लिरेन को हराने वाले प्रग्गनानंदा ने कार्लसन के साथ क्लासिकल बाजी ड्रॉ खेली लेकिन सथन डेथ में उन्हें हार झेलनी पड़ी।

अपनी बहन वैशाली के साथ एक चेस टूर्नामेंट में भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रग्गनानंदा।

वैशाली जीती प्रग्गनानंदा की बहन आर वैशाली ने टूर्नामेंट के आठवें दौर में आर्मगेडन गेम में यूक्रेन की अन्ना मुजिचुक को हराया। वहीं, लेई टिंगजी ने कोनेरू हंपी को मात देकर अपनी पहली क्लासिकल जीत दर्ज की। विश्व चैंपियन जू वेंजुन ने पिया क्रेम्लिंग के खिलाफ क्लासिकल गेम जीता।

फॉर्मूला वन रेस : सर्जियो पेरेज ने रेड बुल के साथ अनुबंध दो साल बढ़ाया

मोनाको @ पत्रिका. सर्जियो पेरेज ने रेड बुल के साथ मौजूदा अनुबंध को दो साल के लिए बढ़ा दिया है। अब वह रेड बुल रेसिंग के साथ 2026 तक बने रहेंगे। इसकी घोषणा मंगलवार को की गई। पेरेज ने कहा, मुझे यात्रा जारी रखने और टीम के इतिहास में दो और वर्षों का योगदान देने के लिए खुशी हो रही है। 35 वर्षीय रेसर ने रेडबुल के साथ पांच रेस, 29 पोडियम फिनिश और तीन पोल पोजिशन जीती हैं।

महिला हॉकी

हम गलतियों से सीख लेकर बेहतर प्रदर्शन करेंगे: नवनीत कौर

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

लंदन. भारतीय **महिला हॉकी टीम को** एफआइएच **प्रो लीग 2023-24 के** यूरोपीय चरण **में बेल्जियम और इंग्लैंड** जैसी टीमों के **खिलाफ कड़े संघर्ष का** सामना करना **पड़ा है। ऐसे भारतीय** टीम का लक्ष्य **आगामी मैचों में इन** अनुभवों का **लाभ उठाकर जीत दर्ज** करने पर है। **इस संबंध में उपकप्तान** नवनीत कौर **ने कहा, हम अपने शेष** दो मैचों में जर्मनी और ग्रेट ब्रिटेन का सामना करने को तैयार हैं। हम पिछले प्रदर्शनों का विश्लेषण करने और सुधार के क्षेत्रों की पहचान करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य कड़ी मेहनत को सकारात्मक परिणामों में बदलना है। हमें अपनी क्षमताओं पर भरोसा है।

फ्रेंच ओपन टेनिस // टॉप सीड सर्बियाई खिलाड़ी घुटने की चोट के कारण क्वार्टरफाइनल मुकाबले के लिए नहीं उतर सके, नॉर्वे के खिलाड़ी कैस्पर रुड से था मैच

नोवाक जोकोविच

चोट ने छीना चैंपियन का ताज और नंबर वन का खिताब

फ्रेंच ओपन के एक मैच के दौरान नोवाक जोकोविच।

रेकॉर्ड 25वां ग्रैंड स्लेम जीतने का मौका गंवाया
फ्रेंच ओपन से बाहर होने के साथ ही जोकोविच का रेकॉर्ड 25वां ग्रैंड स्लेम खिताब जीतने का सपना भी टूट गया। जोकोविच के नाम कुल तीन फ्रेंच ओपन खिताब हैं और उनकी नजरें अपना खिताब बचाने पर थी।

टूर्नामेंट से हटे

पेरिस @ पत्रिका. दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को घुटने की चोट के कारण फ्रेंच ओपन से हटने को मजबूर होना पड़ा। क्वार्टरफाइनल में उनकी भिड़ंत नॉर्वे के सातवीं सीड कैस्पर रूड से था, लेकिन चोट के कारण 37 वर्षीय सर्बियाई खिलाड़ी कोर्ट पर उतर ही नहीं सके और रुड को वाकओवर मिल गया। इसके साथ ही मौजूदा चैंपियन जोकोविच ने अपने खिताब के साथ विश्व रैंकिंग में नंबर वन का भी ताज गंवा दिया। जोकोविच सितंबर 2023 से रैंकिंग में शीर्ष पर थे।

अब जेनिक सिनर बनेंगे पुरुष एकल में नंबर एक खिलाड़ी

जोकोविच के हटने के बाद इटली के दूसरी वरीय खिलाड़ी जेनिक सिनर विश्व के नंबर एक पुरुष एकल टेनिस खिलाड़ी बन जाएंगे। सिनर ने क्वार्टरफाइनल में 10वीं सीड बुल्गारियाई खिलाड़ी ग्रिगोर दिमित्रोव को 6-2, 6-4, 7-6 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई।

शीर्ष पर पहुंचने वाले पहले इटालियन : सिनर शीर्ष पर पहुंचने वाले इटली के पहले पुरुष खिलाड़ी बन जाएंगे। सेमीफाइनल में वह स्पेन के तीसरी सीड कार्लोस अल्कारेज से भिड़ेंगे।

जेनिक सिनर

पुरुष युगल मुकाबला

बोपन्ना और एब्डेन की जोड़ी ने अंतिम आठ में बनाई जगह

भारत के रोहन बोपन्ना और ऑस्ट्रेलिया के उनके जोड़ीदार मैथ्यू एब्डेन ने पुरुष युगल के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। दूसरी वरीय बोपन्ना और एब्डेन की जोड़ी ने क्वार्टरफाइनल में बेल्जियम की जोड़ी सैंडर गिले और जोरान व्लिगेन को 7-6, 5-7, 6-1 से शिकस्त दी।

महिला एकल के अंतिम आठ में दूसरी वरीय बेलारूस की आर्यना सबालेंका गैरवरीय रूस की मीरा एंड्रीवा के खिलाफ 7-6, 4-6, 4-6 से हार गईं। वहीं, इटली की जैस्मिन पाउलोनी ने कजाकिस्तान की चौथी वरीय एलेना रिबाकिना को 6-2, 4-6, 6-4 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

पत्रिका पोल

Q क्या केंद्र में बनने जा रही गठबंधन सरकार के सभी घटक दल पांच साल तक एकजुट रह पाएंगे?

पिछला सवाल था

क्या केंद्र में नई सरकार डीजल-पेट्रोल को जीएसटी में शामिल कर सकती है?

जवाब

63% हां | 37% नहीं

स्कैन करें...

इंडिया@ शॉर्ट रीड

कश्मीर सीमा के पास पाक घुसपैठिया पकड़ा

जम्मू @ पत्रिका. सेना ने जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा के पास भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करने के बाद पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के एक घुसपैठिये को हिरासत में लिया है। सेना की एक गश्ती टीम ने बुधवार तड़के एक व्यक्ति को भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करने पर हिरासत में ले लिया। शुरुआती पूछताछ से यह व्यक्ति अनजाने में भारतीय सीमा में आया प्रतीत हो रहा है। उसकी पहचान बट्टल गांव निवासी 72 वर्षीय मुनीर हुसैन के रूप में हुई। जांच जारी है।

पंजाब दो करोड़ नगदी सहित नशा तस्कर पकड़े

जालंधर @ पत्रिका. बीएसएफ ने अमृतसर जिले में दो संदिग्ध नशा तस्करों को गिरफ्तार करते हुए करीब दो करोड़ रुपए की नगदी पकड़ी है। पंजाब पुलिस के साथ मिलकर कक्कड़ गांव में इन तस्करों के एक संदिग्ध घर को निशाना बनाकर चलाए गए अभियान में नगदी सहित एक लैपटॉप, तीन स्मार्टफोन और दो कीपैड मोबाइल मिले। पुलिस तस्करी में शामिल अन्य व्यक्तियों की पहचान में जुटी हुई है।

छत्तीसगढ़ हाथी के हमले में किशोर की मौत

रायगढ़ @ पत्रिका. रायगढ़ जिले में बुधवार सुबह हाथी के हमले से एक किशोर की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। खरसिया रेंज में ग्राम कूकरीचोली निवासी लक्ष्मी नारायण डनसेना (16) किसी काम से घर से निकलकर रेलवे लाइन पहुंचा था, जहां एक हाथी उसे कुचल दिया। क्षेत्र में चार हाथी देखे गए हैं, वन विभाग ने जंगलों की तरफ नही जाने की सलाह दी है।

छग विस्फोटक सहित 4 नक्सली गिरफ्तार

बीजापुर @ पत्रिका. छत्तीसगढ़ के बीजापुर में बुधवार को विस्फोटकों सहित चार नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के अनुसार डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड (डीआरजी) जवानों की टीम गश्त पर सोमानपल्ली-बंदेपारा के जंगलों में थी। इस दौरान चार नक्सलियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए नक्सलियों से विस्फोटक सामग्री बरामद की गई है। नक्सलियों को थाने लाकर पूछताछ की जा रही है।

उत्तराखंड वाहन खाई में गिरा, पांच की मौत

देहरादून @ पत्रिका. उत्तराखंड में नैनीताल जिले के ओखलकांडा में बुधवार को एक वाहन खाई में गिरने से इसमें सवार पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य घायल हो गए। घायलों में कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसा नैनीताल से 50 किमी दूर पतलट सड़क मार्ग पर हुआ। अभी तक यह पता नहीं चल सका कि गाड़ी कहां जा रही थी और हादसा कैसे हुआ। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कश्मीर बॉलीवुड के पसंदीदा मंदिर में आग

श्रीनगर. उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले के प्रसिद्ध स्की रिसॉर्ट गुलमर्ग के ऐतिहासिक शिव मंदिर में बुधवार को आग लग गई। मंदिर के बड़े हिस्से को नुकसान पहुंचा है। रानी मंदिर भी कहा जाने वाला यह मंदिर पर्यटकों में लोकप्रिय है। इसे राजेश खन्ना-मुमताज के हिट गाने 'जय जय शिव शंकर..' सहित कई फिल्मों में फिल्माया गया है।

वर्ल्ड@ शॉर्ट रीड

पाक सुरक्षा गार्ड ने टिकटॉकर को गोली मारी

कराची @ पत्रिका. पाकिस्तान में पंजाब प्रांत के नाजिमाबाद में मोबाइल फोन की दुकान के सुरक्षा गार्ड ने एक टिकटॉकर की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान 24 वर्षीय साद अहमद के रूप में हुई है। पता चला है कि साद मोबाइल मार्केट के बाहर टिकटॉक वीडियो बना रहा था। इसी दौरान सुरक्षा गार्ड को गुस्सा आ गया और उसने उसे गोली मार दी। पुलिस ने सुरक्षा गार्ड को राइफल के साथ गिरफ्तार कर लिया है।

स्लोवेनिया फिलिस्तीन को माना संप्रभु देश

ल्युब्लियाना @ पत्रिका. यूरोपीय देश स्लोवेनिया ने फिलिस्तीन को एक संप्रभुत देश के रुप में मान्यता दे दी है। स्लोवेनियाई संसद ने बहुमत से इस कदम को मंजूरी दे दी और सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी की ओर से इस मुद्दे पर जनमत संग्रह के आह्वान को खारिज कर दिया। गाजा में संघर्ष को समाप्त करने के लिए इजरायल पर दबाव बनाने स्पेन, आयरलैंड और नॉर्वे भी फिलिस्तीन को एक स्वतंत्र व संप्रभु देश की मान्यता दे चुके हैं।

लंदन : ऑक्सफोर्ड यूनियन सोसायटी का कार्यक्रम

24 सालों से जज हूं, कभी महसूस नहीं किया सरकार से राजनीतिक दबाव: सीजेआइ

नई दिल्ली @ पत्रिका. भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआइ) डीवाइ चंद्रचूड़ ने कहा है कि जज के रूप में 24 साल के दौरान उन्हें किसी सरकार से राजनीतिक दबाव का अनुभव नहीं हुआ। उन्होंने ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय की ऑक्सफोर्ड यूनियन सोसायटी द्वारा लंदन में आयोजित चर्चा में यह टिप्पणी की। सीजेआइ ने यह भी कहा कि भारत में हम जिन लोकतांत्रिक परंपराओं का पालन करते हैं, उनमें यह भी शामिल है कि हम सरकार की राजनीतिक शाखा से अपेक्षाकृत अलग-थलग जीवन जीते हैं। हालांकि, सीजेआइ ने माना कि जजों को राजनीतिक रूप से संवेदनशील मामलों पर निर्णय लेने के लिए बुलाया जाता है, तो उन्हें एक अलग तरह के राजनीतिक दबाव का सामना करना पड़ता है और जजों को राजनीति पर पड़ने वाले प्रभाव की जानकारी होनी चाहिए।

रोबोट में शिफ्ट न हो संचार की प्रक्रिया

प्रश्नोत्तरी सत्र से पहले सीजेआइ ने 'कानून को मानवीय बनाने में अदालतों की भूमिका' विषय पर संबोधन में टेक्नोलॉजी व एआइ पर बात करते हुए कहा कि यह अहम है कि हम न्याय के मानवीय तंत्र को सुनिश्चित करने के लिए टेक्नोलॉजी के उपयोग के पक्ष और विपक्ष को समझें और महत्व दें। हमें यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि हम एआइ को कंट्रोल करने के लिए सुरक्षा उपाय लागू करें और संचार की प्रक्रिया को जज से रोबोट में शिफ्ट न करें।

अजब मुसीबत : ज्वालामुखी की राख के कीचड़ से सन गया पूरा गांव

मनीला. निकटवर्ती ज्वालामुखी फटने के तीन दिन बाद मध्य फिलीपींस के एक गांव में भारी बारिश के कारण बहकर आए ज्वालामुखीय कीचड़ और मलबे में चलता एक व्यक्ति। नीग्रोस द्वीप पर माउंट कनलाओन में सोमवार शाम विस्फोट से राख, चट्टानों और गैसों का गुबार आसमान में पांच किलोमीटर दूर तक फैल गया था। बाद में बारिश ने ठंडे लावा और राख को बियाकनाबतो गांव तक पहुंचा दिया।

बधाई : बाइडन, पुतिन, सुनक समेत 75 से ज्यादा राष्ट्र प्रमुखों ने भेजे संदेश

दुनिया की बेहतरी और शांति के लिए भारत के योगदान की अपेक्षा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. तीसरा कार्यकाल शुरू करने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दुनिया भर के राष्ट्र प्रमुखों की ओर से बधाई संदेश मिल रहे हैं। 75 से ज्यादा देशों की ओर से भेजे गए इन बधाई संदेशों में पीएम मोदी के नेतृत्व में दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के लगातार विकास पथ पर आगे बढ़ने और दुनिया की बेहतरी और शांति के लिए भारत के योगदान की अपेक्षा है। बधाई देने वालों में अमरीका, रूस, ब्रिटेन, **फ्रांस, इटली** और चीन जैसी महाशक्तियां शामिल हैं। वहीं, मारीशस, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, श्रीलंका, मालदीव, सिंगापुर, मलेशिया जैसे पड़ोसी देशों सहित वह देश भी शामिल हैं, जो युद्ध के हालातों का सामना कर रहे हैं। पीएम मोदी ने इनके जवाब भी दिए हैं। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की, इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू और ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते के बधाई संदेशों में उम्मीद जताई गई है कि मोदी शांति स्थापना में जरूरी योगदान दे सकते हैं।

खास है जेलेंस्की, नेतन्याहू की बधाई

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा है कि संसदीय चुनावों में लगातार तीसरी जीत पर प्रधानमंत्री मोदी, भाजपा और भाजपा नीत एनडीए को बधाई। दुनिया में हर कोई वैश्विक मामलों में भारत की भूमिका के महत्व को पहचानता है। यह महत्वपूर्ण है कि हम सभी मिलकर सभी देशों के लिए **न्यायपूर्ण शांति** सुनिश्चित करने के लिए काम करें। हम भारत को शांति शिखर सम्मेलन में भाग लेते हुए देखने के लिए भी उत्सुक हैं। वहीं इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपने संदेश में हिंदी में लिखा 'बधाई हो'।

नई ऊंचाइयों की ओर जा रहा दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र

भूटान के प्रधानमंत्री **शेरिंग** तोबगे ने लिखा है कि लगातार **तीसरी बार ऐतिहासिक** जीत के लिए मेरे मित्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और एनडीए को बधाई। वह भारत को नई ऊंचाइयों पर ले जा रहे हैं। इसी तरह मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जगन्नाथ ने एक्स पर लिखा, आपके नेतृत्व में, सबसे बड़ा लोकतंत्र उल्लेखनीय प्रगति हासिल करना जारी रखेगा। इसी तरह श्रीलंका के राष्ट्रपति विक्रमसिंघे ने भी लिखा है कि यह जीत नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रगति और समृद्धि में भारतीय लोगों के विश्वास को प्रदर्शित करती है।

हिंद प्रशांत में शांति और समृद्धि की आस : ताइवान

ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने हार्दिक बधाई देते हुए लिखा है कि, हम ताइवान-भारत के बीच तेजी से बढ़ रही साझेदारी को बढ़ाने, व्यापार, प्रौद्योगिकी और अन्य क्षेत्रों में अपने सहयोग का विस्तार करने के लिए तत्पर हैं, जिससे हिंद प्रशांत क्षेत्र में शांति और समृद्धि में योगदान दिया जा सके।

असीमित संभावनाओं वाला भविष्य... अमरीकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने बधाई देते हुए कहा है कि, अमरीका और भारत के बीच मित्रता बढ़ने का कारण है असीमित संभावनाओं वाला साझा भविष्य। वहीं ब्रिटेन के पीएम ऋषि सुनक ने भारत को सबसे करीबी दोस्त बताया है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने लिखा है कि, मेरे प्रिय मित्र नरेन्द्र मोदी को बधाई। हम एकजुट करने वाली रणनीतिक साझेदारी मजबूत करते रहेंगे।

कर्नाटक सरकारी निगम घोटाला मामले में सीबीआइ जांच शुरू

बेंगलूरु@पत्रिका. केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआइ) ने महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम लिमिटेड से जुड़े करोड़ों रुपए के अवैध धन-हस्तांतरण मामले की जांच शुरू कर दी हैं। मीडिया से बात करते हुए गृह मंत्री डॉ.जी. परमेश्वर ने कहा कि केंद्रीय जांच एजेंसी से औपचारिक अनुरोध प्राप्त होने के बाद जांच में राज्य सरकार के अन्य विभागों को शामिल करने पर निर्णय किया जाएगा। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने पिछले सप्ताह सीबीआइ के समक्ष मामले में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई थी।

उपलब्धि : तीसरी बार अंतरिक्ष के लिए रवाना हुई सुनीता

केप कैनवेरल. फ्लोरिडा में स्पेस लॉन्च कॉम्प्लेक्स 41 में लॉन्च पैड तक जाने के लिए ऑपरेशन और चेकआउट बिल्डिंग छोड़ने के बाद अपने परिवार के सदस्यों से बात करती हुई सुनीता।

वाशिंगटन. भारतीय मूल की अमरीकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स बुधवार को तीसरी बार अंतरिक्ष के लिए रवाना हुईं। उनके साथ बुच विल्मोर भी शामिल थे और इसके साथ ही उन्होंने बोइंग कंपनी के स्टारलाइनर यान से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन जाने वाले पहले सदस्य बनकर इतिहास रच दिया। क्रू फ्लाइट टेस्ट मिशन फ्लोरिडा के केप कैनवेरल स्पेस फोर्स स्टेशन से रवाना हुआ। यात्रा में 25 घंटे लगने की उम्मीद है, यान गुरुवार को अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचेगा। एक सप्ताह से अधिक समय के बाद 14 जून को इसी यान से उनकी वापसी होगी।

क्यूएस वर्ल्ड रैंकिंग

दो आइआइटी दुनिया के शीर्ष 150 में शामिल, केंद्रीय विवि में डीयू शीर्ष पर

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. दुनिया भर की यूनिवर्सिटीज की रैंकिंग करने वाली संस्था क्यूएस वर्ल्ड ने क्यूएस वर्ल्ड रैंकिंग 2025 जारी की है। इसमें देश के टॉप इंजीनियरिंग शिक्षण संस्थान आइआइटी बॉम्बे ने दुनिया के टॉप 150 संस्थानों जगह बनाते हुए 118वां स्थान हासिल किया है। आइआइटी बॉम्बे ने पिछले साल 149वीं रैंक हासिल की थी। जबकि आइआइटी दिल्ली की रैंक पिछले साल 197 थी। इस बार क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2025 में आइआइटी दिल्ली 150वें स्थान पर रहा।

पहले नबंर पर आइआइटी बॉम्बे

आइआइटी बॉम्बे की भारत में पहली रैंक है। जबकि इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंसेज की 211वीं रैंक है। इसके अलावा आइआइटी खड़गपुर ने 222वीं, आइआइटी मद्रास ने 227वीं, आइआइटी कानपुर ने 263वीं रैंक पाई है।

डीयू ने लगाई लंबी छलांग

क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2025 में दिल्ली यूनिवर्सिटी ने भी जगह बनाई है। इस यूनिवर्सिटी ने 328वीं रैंक हासिल की है। इसके बाद आइआइटी रुड़की ने 335वीं, आइआइटी गुवाहाटी 344वीं, अन्ना यूनिवर्सिटी 383वीं रैंक पाई है। इसके अलावा आइआइटी इंदौर 477वें, आइआइटी बीएचयू 531वें और जेएनयू 580वें स्थान पर हैं। क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में सबसे बड़ा सुधार 79 पायदान की छलांग लगाकर दिल्ली यूनिवर्सिटी ने किया है।

पत्रिका एक्सप्लेन

ब्रिटेन में चुनावों से पहले आप्रवासन क्यों बना मुद्दा?

ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने वादा किया है कि अगर उनकी कंजर्वेटिव पार्टी अगले महीने का चुनाव जीतती है तो आप्रवासन के स्तर में कटौती करेंगे, जिससे यह मुद्दा 4 जुलाई के मतदान के प्रमुख युद्धक्षेत्रों में से एक बन गया है। सुनक को उम्मीद है कि यह मुद्दा उनकी पार्टी को विपक्षी लेबर पार्टी से अलग करेगा, जो वर्तमान में जनमत सर्वेक्षणों में 20 से अधिक अंकों से आगे है।

आप्रवासन का मुद्दा क्या है?

आलोचकों का कहना है कि बड़ी संख्या में लोगों की आमद आवास, शिक्षा और राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा पर अत्यधिक दबाव डालती है, साथ ही सामाजिक एकजुटता को भी नुकसान पहुंचाती है। पिछले साल ब्रिटेन आने वाले लोगों में भारतीय नागरिक अब तक के सबसे बड़े नागरिक थे, जो कुल आप्रवासन का लगभग पांचवां हिस्सा था, बाद में नाइजीरियाई और चीनी नागरिक थे। सरकार का कहना है कि आप्रवासन में वृद्धि आंशिक रूप से अधिक छात्रों और उनके आश्रितों के साथ देखभाल क्षेत्र में काम करने वाले लोगों के आने से है।

सुनक ने क्या उठाए कदम?

जनवरी में, अंतरराष्ट्रीय छात्रों के परिवार के सदस्यों को लाने से हतोत्साहित किया गया, कुशल श्रमिक वीजा के लिए वेतन सीमा 48% बढ़ाने जैसे नए नियम पेश किए। सरकार ने पिछले महीने दावा किया था कि 2024 के पहले चार महीनों में 79% कम छात्र-आश्रित आवेदन आए, पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 30,000 कम छात्र वीजा आवेदन आए और स्वास्थ्य और देखभाल क्षेत्र में काम करने वाले लोगों के आश्रितों के आवेदनों में 58% की गिरावट आई।

कौन कर रहा क्या वादा?

सुनक का कहना है कि अगर वह चुनाव जीतते हैं, तो वह कार्य और पारिवारिक वीजा को संसद द्वारा सहमत वार्षिक स्तर पर सीमित कर देंगे। विपक्षी लेबर पार्टी का कहना है कि यह घरेलू कौशल की कमी दूर करके और फर्जी नियोक्ताओं से निपटकर आप्रवासन को कम करेगी। उधर, अवैध रूप से इंग्लिश चैनल पार करने आने वाले को रवांडा भेजने की सुनक की योजना विफल रही है जबकि लेबर का कहना है कि वह इस नीति को पूरी तरह खत्म कर देगी।

आप्रवासन से फायदा या नुकसान

विशेषज्ञों का कहना है कि आप्रवासन के लाभ और लागत का आकलन करना मुश्किल है। जहां आप्रवासन में वृद्धि से सार्वजनिक सेवाओं की मांग बढ़ जाती है, वहीं आप्रवासी भी करों का भुगतान करते हैं और अन्य आर्थिक लाभ भी देते हैं। आलोचकों का कहना है कि स्थानीय लोगों का रोजगार स्तर घटता है। वहीं, कुछ स्टडी का कहना है कि विदेशी कामगारों से वेतन या रोजगार स्तर पर बहुत कम या कोई प्रभाव नहीं पड़ता है और ब्रिटेन में कौशल की कमी एक बड़ी समस्या है।

प्रस्तुति: अमित पुरोहित

ट्रेंडिंग न्यूज

प्रतिस्पर्धियों को भेज सकते हैं जेल

पूर्व अमरीकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने फिर से संकेत दिया है कि सत्ता में लौटने पर 2016 के राष्ट्रपति चुनाव में प्रतिद्वंद्वी हिलेरी क्लिंटन सहित उनके विरोधियों पर मुकदमा चलाया जा सकता है।

बाइडन की बौद्धिक क्षमताओं में गिरावट

उम्र के साथ अमरीका के 81 वर्षीय राष्ट्रपति जो बाइडन की बौद्धिक और समझने की क्षमताओं में गिरावट आई है। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने लगभग 45 रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक सांसदों और वाइट हाउस कर्मचारियों से बातचीत के बाद रिपोर्ट में यह दावा किया है।

पहली टीवी डिबेट में भिड़े सुनक

ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और लेबर पार्टी की ओर से पीएम पद के दावेदार कीर स्ट्रेमर के बीच बुधवार को पहली टीवी बहस आयोजित की गई। दोनों में एनएचएस, आर्थिक चुनौतियों और प्रवासियों के मुद्दे पर वार-पलटवार हुए।

बड़ी चिंता ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन से भूजल पर मंडराया खतरा

सदी के अंत तक 3.5 डिग्री बढ़ सकता है भूजल का तापमान

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बर्लिन. भारत जैसे देश अपनी कृषि, निर्माण, ऊर्जा उत्पादन जैसी कई जरूरतों को पूरा करने के लिए भूजल पर निर्भर हैं। भूजल बहुत गर्म या दूषित हो जाता है तो ऐसी तमाम गतिविधियां बाधित हो सकती हैं। एक नए शोध में पाया गया है कि इस सदी के अंत तक विभिन्न उत्सर्जन परिदृश्यों में भूजल का तापमान औसतन 2.1 से 3.5 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है। इससे पानी की गुणवत्ता व सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है, साथ ही ईकोसिस्टम को भी खतरा हो सकता है। शोध के मुताबिक उन क्षेत्रों में स्थिति और भी जोखिम भरी होगी, जहां पहले ही साफ पानी तक पहुंच सीमित है।

बनाया पहला वैश्विक भूजल तापमान मॉडल

जर्मनी के कार्सलरुहे इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के नेतृत्व में वैज्ञानिकों की एक टीम ने 'दुनिया का पहला वैश्विक भूजल तापमान मॉडल' बनाते हुए कहा है कि भूजल में सबसे ज्यादा तापमान वृद्धि मध्य रूस, उत्तरी चीन व उत्तरी अमरीका सहित दक्षिण अमरीका के अमेजन वर्षावन में हो सकती है। इसका असर भारत, ऑस्ट्रेलिया सहित दुनिया के अधिकांश हिस्सों पर पड़ेगा।

वर्ष 2100 तक 58.8 करोड़ लोगों पर संकट

भूजल पृथ्वी की सतह के नीचे चट्टानों और मिट्टी में मौजूद छिद्रों में पाया जाता है। पानी में गर्मी कैसे फैलती है, इस आधार पर शोधकर्ताओं ने मौजूदा भूजल तापमान का मॉडल बनाया और साथ ही दुनिया भर में 2000-2100 के बीच होने वाले बदलावों का भी अनुमान लगाया। स्टडी में अनुमान लगाया गया है कि मध्य उत्सर्जन परिदृश्य में सदी के अंत तक दुनिया के 18.8 करोड़ लोग ऐसे क्षेत्रों में रहने को मजबूर होंगे, जहां भूजल इतना गर्म हो होगा कि वो पीने योग्य नहीं रह जाएगा। वहीं, यदि उच्च उत्सर्जन परिदृश्य में देखें तो यह आंकड़ा बढ़कर 58.8 करोड़ तक पहुंच सकता है।

भूजल दूषित होने से समस्याओं का अम्बार: भूजल के बढ़ते तापमान से पानी की रासायनिक संरचना और मौजूद धातुओं के साथ-साथ सूक्ष्म जीवों पर भी असर पड़ेगा।

डॉ. ग्रेबियल सी राउ
शोध के एक लेखक

टॉपिक एक्सपर्ट

घटेगी ऑक्सीजन

सूखे मौसम में नदियां प्रवाह को बनाए रखने के लिए भूजल पर निर्भर करती हैं। लेकिन जब पानी बहुत गर्म हो जाता है तो उसमें ऑक्सीजन की मात्रा घट जाती है। जैसे-जैसे भूजल का तापमान बढ़ता है, उसमें रोगाणुओं के बढ़ने का खतरा बढ़ जाता है।

'स्वत्वाधिकारी राजस्थान पत्रिका प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक गजराज भण्डारी द्वारा 2/3 आई एन एस बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं राजस्थान पत्रिका प्रा. लि. भूखण्ड संख्या 68-69, फेज VII, सैक्टर-35, गुरुग्राम (हरियाणा) एवं मैसर्स विभा पब्लिकेशन प्राईवेट लिमिटेड, डी-160 बी, सैक्टर 7, गौतमबुद्ध नगर (यू.पी.) से मुद्रित। आर.एन.आई. नं. डेलहिन/2005/15156, सम्पादक: भुवनेश जैन।
सम्पादकीय प्रभारी: सुरेश व्यास-पी.आर.बी. एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी'